नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नयी दिल्ली में बीसीसीएल एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करते केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी

• बोकारो, शनिवार 18 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 62 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

श्रावणी मेला 2026 : श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर 105 किलोमीटर कांवर पथ पर पुलिस अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) और बासुकीनाथ धाम (दुमका) में आयोजित होने वाले श्रावणी मेला-2026 को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट पर है। बिहार पुलिस से समन्वय स्थापित कर 105 किलोमीटर के कांवर पथ की सुरक्षा के साथ-साथ देवघर और दुमका में भी विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। मामले में पुलिस मुख्यालय के द्वारा पत्र जारी कर अलर्ट भी किया गया है। सावन और श्रावणी मेले को लेकर पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी उपायुक्तों, वरीय पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत सतर्कता एवं सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि इस वर्ष 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाले इस मेले के दौरान लाखों कांवरियों और श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पत्र में बताया गया है कि विशेष रूप से 3, 10, 17 (नागपंचमी) और 24 अगस्त को पड़ने वाले चौथे सोमवार पर भारी भीड़ रहने का अनुमान है। इसके अलावा 29 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर देवघर-दुम्मा स्थित झारखंड प्रवेश द्वार पर होने वाले श्रावणी मेला उद्घाटन समारोह के कारण भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना जताई गई है। ऐसे में पुलिस को तमाम इंतजाम करने की हिदायत दी गई है। श्रावणी मेले के दौरान शिवभक्त कांवरिये बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर लगभग 105 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचते हैं और बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। इस दौरान वे कई जिलों से होकर गुजरते हैं, इसलिए पूरे मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। साथ ही मेले में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पैदल, सड़क और रेल मार्ग से देवघर पहुंचते हैं। विशेष रूप से सोमवार को जलाभिषेक का अधिक धार्मिक महत्व होने के कारण लगभग तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना रहती है। इस दौरान बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम समेत देश के कई राज्यों और नेपाल, भूटान तथा बांग्लादेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवघर और बासुकीनाथ पहुंचते हैं जबकि अंतिम सोमवार

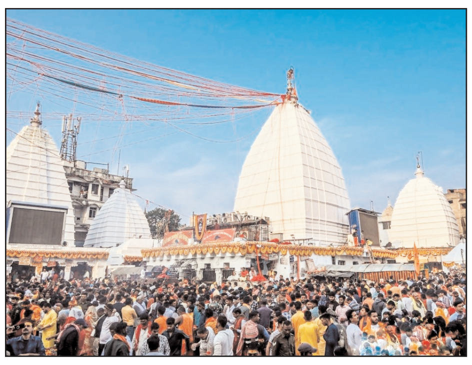

24 अगस्त को सबसे अधिक भीड़ रहने की संभावना जताई गई है। पुलिस मुख्यालय ने इसे देखते हुए हर एहतियात बरतने के निर्देश दिए है। सुल्तानगंज से लेकर देवघर तक के पथ पर विशेष सुरक्षा इंतजाम करने के लिए बिहार पुलिस से भी सहयोग लिया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के पत्र में श्रावणी मेला के दौरान पूर्व में हुई कई महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया गया है जिनसे सीख लेकर इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है। वर्ष 2014 में श्रावणी मेला के दौरान जलार्पण व्यवस्था को लेकर पंडा समाज और मंदिर प्रबंधन के बीच विवाद हुआ था। विरोध-प्रदर्शन के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई थी जिससे प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी थी। वर्ष 2014 में देवघर शहर में टोल टैक्स वसूली के लिए बनाए गए आठ पोस्टों पर फर्जी रसीद काटने और भीड़ प्रबंधन में अव्यवस्था की शिकायतें मिली थीं। श्रद्धालुओं को भीड़ के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा था। 10 अगस्त 2015 को कतारबद्ध कांवरियों के बीच भगदड़ मचने से 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी तथा करीब 20 लोग घायल हुए थे। यह घटना श्रावणी मेला के इतिहास की सबसे बड़ी दुर्घटनाओं में से एक मानी जाती है। श्रावणी मेला के दौरान कुछ असामाजिक तत्व अनाधिकृत रूप से मंदिर परिसर और गर्भगृह में प्रवेश कर चोरी एवं छिनतई जैसी घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। इसलिए इस बार विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2008 में बासुकीनाथ मंदिर के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदारों और प्रशासन के बीच हिंसक झड़प हुई थी। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। वर्ष 2011 में बासुकीनाथ मंदिर में प्रवेश को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी जिसे वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप से शांत कराया गया। जुलाई 2023 में दुमका-देवघर मार्ग पर नया रेफरल अस्पताल के पास जलार्पण के लिए आए जमशेदपुर के कुख्यात अपराधी अमरनाथ सिंह की बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। श्रावणी मेला जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में केवल भीड़ प्रबंधन ही नहीं बल्कि अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, आतंकवाद एवं नक्सल गतिविधियों पर नजर, चिकित्सा सुविधा, यातायात, स्वच्छता और अफवाह रोकने जैसी व्यवस्थाओं पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। पूर्व की घटनाओं से सबक लेते हुए इस बार प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

1.69 करोड़ की ठगी मामले में गिरफ्तार

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। पचंबा थाना पुलिस ने जमीन और मकान बेचने के नाम पर एक करोड़ 69 लाख 67 हजार एक रुपए की कथित ठगी के आरोपी अनूप कुमार राय को गिरफ्तार किया है। उसे शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी को जमुआ थाना क्षेत्र के टीकामघा से उसकी कार के साथ गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया था। पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

रांची से भागलपुर के लिए चलेंगी दो स्पेशल ट्रेनें

रांची(नबिटा ब्यूरो)। श्रावणी मेले में कांवरियों और यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने एक बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। रांची रेलमंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह के मुताबिक यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए रांची से भागलपुर के बीच दो श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। ये दोनों स्पेशल ट्रेनें अलग-अलग रूट से चलेंगी और कुल 56 फ़ेरे (28-28 फ़ेरे प्रत्येक) लगाकर यात्रियों को सफर में बड़ी राहत देंगी।

डिमना लेक में डूबा युवक, मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के डिमना लेक में शुक्रवार सुबह एक युवक की डूबने से मौत हो गई। वो अपने छोटे भाई के साथ नहाने के लिए लेक में उतरा था। अचानक संतुलन बिगड़ने से युवक गहरे पानी में डूब गया। मृतक की पहचान सोनारी कागलनगर निवासी 22 वर्षीय आयुष कुमार के रूप में हुई है। वो एक निजी कंपनी में कार्यरत था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सहयोग करता था।

महिला ने फांसी लगा की आत्महत्या

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जिले के डोरंडा में रहने वाली महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। डोरंडा के काली मंदिर रोड स्थित घर में महिला का शव पंखे से लटका हुआ मिला। जानकारी के अनुसार सुबह पति से वीडियो कॉल और चैट के बाद महिला ने आत्मघाती कदम उठाया। मृतका सुमन की इसी साल फरवरी में शादी हुई थी। सुमन के पति बेंगलुरु में काम करते हैं।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा कल

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 19 जुलाई को होने वाली झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए रांची जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, परीक्षा संचालन और अभ्यर्थियों की सुविधा को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है।

मुख्यमंत्री ने की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा

झारखंड के हर जिले में बनेगी मॉडल किसान पाठशाला : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि आधुनिक तकनीक आधारित खेती और किसानों का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक जिले में एक-एक मॉडल किसान पाठशाला स्थापित की जाये, ताकि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती और नई कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जा सके। इससे खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती और पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इसलिए सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना विभाग

की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित समय के भीतर खाद, बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराये जायें। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाये ताकि खेती लाभकारी बने और किसानों की आय में लगातार बढ़ोतरी हो। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने किसान समृद्धि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्ज़ा संचालित सिंचाई पंप उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिससे सिंचाई की सुविधा बढ़ेगी, खेती की लागत कम होगी और किसान आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों तक इस योजना का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गयी। इसमें किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास, आधुनिक कृषि तकनीक का विस्तार, पशुधन विकास, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, सहकारिता संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा कृषि आधारित आजीविका योजनाओं की स्थिति पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

25 लाख का इनामी नक्सली अजय महतो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 25 लाख रुपए के इनामी कुख्यात माओवादी अजय महतो उर्फ टाइगर उर्फ बासुदेव को गिरफ्तार किया है। उसके साथ दो अन्य माओवादियों को भी हिरासत में लिया गया है। इस कार्रवाई को हाल के वर्षों की सबसे बड़ी नक्सल विरोधी उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है। विशेष जांच टीम तीनों से पूछताछ कर रही है। अजय महतो गिरिडीह जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव का निवासी है। वह भाकपा (माओवादी) का स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य और पारसनाथ क्षेत्र का जोनल कमांडर रह चुका है। झारखंड सरकार ने उसपर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अजय महतो हरलाडीह गांव स्थित करमू मांझी के घर में छिपा हुआ है। सूचना के सत्यापन के बाद गुरुवार देर रात पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की। इसी अभियान के दौरान अजय महतो और उसके साथ मौजूद दो अन्य माओवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अजय महतो के खिलाफ हत्या, लेवी वसूली, लूट, पुलिस बल पर हमला, आईईडी विस्फोट और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित 100 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। उसने गिरिडीह, बोकारो, धनबाद और हजारीबाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में कई बड़ी नक्सली घटनाओं को अंजाम दिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार वह लंबे समय से ठेकेदारों से रंगदारी वसूलने, सड़क निर्माण कार्यों में लगे वाहनों में आग लगाने और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने जैसी घटनाओं में सक्रिय रहा है। उसकी गतिविधियों के कारण पारसनाथ और आसपास का क्षेत्र लंबे समय तक नक्सली प्रभाव में था। अजय महतो केवल झारखंड ही नहीं बल्कि बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा पुलिस के लिए भी वांछित था। विभिन्न राज्यों में उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध देशद्रोह और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है।

बड़े ने टांगी से वार कर की छोटे भाई की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले के घाघरा प्रखंड मुख्यालय स्थित महदनिया टोला में आपसी विवाद के चलते एक बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की टांगी से वार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 35 वर्षीय तिवारी उरांव के रूप में हुई है जबकि आरोपी बड़ा भाई सुरेंद्र उरांव घटना के बाद से फरार है। मृतक की बेटी अनीशा ने पुलिस को बताया कि उसके बड़े पापा सुरेंद्र उरांव का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि सुरेंद्र अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने लगे और रसोई में जाकर गैस का पाइप खोलकर गैस ऑन कर दिया। शोर सुनकर अनीशा के पिता तिवारी उरांव मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे। इसी दौरान सुरेंद्र उरांव ने हाथ में कुल्हाड़ी उठाई और तिवारी उरांव के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल तिवारी उरांव को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया। गुमला से भी उन्हें रिम्स रेफर किया गया लेकिन रिम्स ले जाने के दौरान तिवारी उरांव की मौत हो गई। घाघरा पुलिस को शुक्रवार को इस मामले की जानकारी मिली। पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी सुरेंद्र उरांव फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

नवोदय विद्यालय में छात्र की पिटाई मामले पर हंगामा

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के निरसा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 10वीं के एक छात्र के साथ रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। शुक्रवार को इस घटना के विरोध में अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने स्कूल गेट के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारी अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक छात्र की संदिग्ध मौत हुई थी जिसे विद्यालय प्रबंधन ने पानी में डूबने की घटना बताया था। अब एक और छात्र के साथ रैगिंग और बेल्ट से मारपीट की घटना सामने आने के बाद अभिभावकों में आक्रोश है। लोगों ने मांग की कि धनबाद डीसी मौके पर आएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दें।

पलामू से लापता महिला भोपाल से बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। एक महिला के अपहरण से जुड़े केस के अनुसंधान में पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पलामू के उंटारी रोड थाना क्षेत्र से 2019 में एक महिला लापता हो गई थी। महिला के पति प्रकाश के आवेदन के आधार पर गांव के तीन लोगों पर अपहरण का केस दर्ज हुआ था। 2026 में महिला को मध्यप्रदेश के भोपाल से बरामद किया गया है। महिला के अपहरण से जुड़े हुए मुकदमे में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला ने पुलिस को बताया है कि उसके पति ने चार शादियां की हैं। दो पत्नी बिहार के इलाके में रहती हैं। वह अपने पति के साथ नहीं रहना चाहती और अकेले बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। दरअसल मुकदमा दर्ज होने के बाद महिला को बरामद करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी। पुलिस को महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही थी और पति ने जिन लोगों पर अपहरण का आरोप लगाया था वे लोग गांव में ही सामान्य जीवन जी रहे थे। बिश्रामपुर एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल के नेतृत्व में महिला के अपहरण के मामले में एक स्पेशल टीम गठित की गई थी। पुलिस ने पूरे मामले में कई तकनीकी बिंदुओं पर अनुसंधान किया और इसी क्रम में पुलिस को जानकारी मिली कि महिला भोपाल के बेरखेड़ी के इलाके में रह रही है। इसी सूचना के आलोक में पलामू पुलिस भोपाल पहुंची थी और महिला को बरामद किया है। एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल ने बताया कि महिला को भोपाल से बरामद किया गया है।

दो बेटों को बचाने में गयी पिता की जान

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति की कारो नदी में डूबने से मौत हो गई। दामु हेंब्रम नामक यह व्यक्ति अपने दो बेटों को नदी में डूबने से बचाने के प्रयास में खुद तेज बहाव की चपेट में आ गए थे। इस घटना से गुवा क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार दामु हेंब्रम शुक्रवार सुबह अपने दोनों बेटों के साथ ठाकुरा गांव स्थित कारो नदी में नहाने गए थे। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर सामान्य से काफी अधिक था और बहाव भी तेज था। नहाने के दौरान अचानक दोनों बच्चे गहरे पानी और तेज धारा की चपेट में आकर डूबने लगे। बच्चों को बचाने के लिए दामु हेंब्रम तुरंत नदी में कूद पड़े। उन्होंने दोनों बेटों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया लेकिन स्वयं नदी से बाहर नहीं निकल सके और डूब गए।

नीट 2026 में गोल का दबदबा, 40 से अधिक छात्र सफल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा री-नीट 2026 के परिणाम घोषित किए जाने के बाद गोल संस्थान, धनबाद में सफल विद्यार्थियों के सम्मान में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सफल छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए अपनी खुशी साझा की। री-नीट 2026 के परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच गोल, धनबाद के 40 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षकों को गौरवान्वित किया, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान भी बढ़ाया है। सफल विद्यार्थियों में आर्या पालक (651 मार्क्स), स्नेहल

झा (627 मार्क्स), सत्यम (615 मार्क्स), किशन गोयल (607 मार्क्स), अनुराग (605 मार्क्स) एवं मुनमुन (603 मार्क्स) सहित कई छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता के विश्वास, शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास एवं संस्थान के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण को दिया संस्थान के प्रबंध निदेशक विपीन सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और गोल परिवार के सामूहिक प्रयास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही दिशा में किया गया प्रयास ही सफलता का आधार है। गोल धनबाद के सेंटर डायरेक्टर संजय आनंद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके समर्पण और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गोल संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करना भी है।विदित हो कि विगत 25वर्षों से गोल संस्थान, धनबाद कोयलांचल में खास कर मेडिकल तैयारी करने वाले छात्रों के लिए बरदान साबित हो रहा है। गोल संस्थान धनबाद के अकादमिक हेड दीपक कुमार एवं भारती सिन्हा ने कहा छात्रों के सम्मान में 2 अगस्त को प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन समारोह का आयोजन किया जायेगा। गोल परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परिणामों को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने इसे गोल संस्थान की शैक्षणिक परंपरा की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

C M Y K

नगर आयुक्त ने दिए नियमित सफाई और त्वरित शिकायत निस्तारण के निर्देश

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, वार्डवार सफाई और सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी पर रहेगा विशेष जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में अधिकारियों, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रतिनिधियों, आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट तथा सभी सफाई सर्किल प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर की साफ-सफाई, कचरा संग्रहण, वार्डवार सफाई कार्यों की प्रगति और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी वार्डों में निर्धारित समय के अनुसार नियमित सफाई कराई जाए

तथा कहीं भी कचरे का अनावश्यक जमाव नहीं होने दिया जाए। साथ ही प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, प्रमुख मार्गों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए नगर आयुक्त ने आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने, सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने और नियमित प्रगति रिपोर्ट नगर निगम को उपलब्ध कराने को कहा। वहीं सभी सफाई सर्किल प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण करने, सफाई कर्मियों की उपस्थिति और कार्यों की निगरानी सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया बैठक में निर्णय लिया गया कि स्वच्छता व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाएगी और वार्डवार सफाई कार्यों का सतत मूल्यांकन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे, ताकि नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में उप नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, लेखा पदाधिकारी, नगर प्रबंधक सहित नगर निगम के कई अधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

उदनाबाद पुल पर ओवर लोडेड वाहनों की आवाजाही पर प्रशासन सख्त

उसरी नदी पर बने मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के पुल की संरचनात्मक सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत गिरिडीह प्रखंड के उदनाबाद में उसरी नदी पर निर्मित उच्चस्तरीय पुल की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने संकेतक और अवरोधक लगाए गए थे। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए भारी वाहनों का परिचालन कर रहे हैं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुल

सख्त रुख अपनाया है। पुल पर भारी एवं ओवरलोड वाहनों की लगातार आवाजाही से उसकी संरचनात्मक सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावी रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गिरिडीह के कार्यपालक अभियंता ने अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र भेजकर बताया है कि भारी वाहनों के परिचालन से पुल की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो रहा है। इससे पहले भी संबंधित विभागों और प्रशासन को पत्र भेजकर कार्रवाई का अनुरोध किया गया था तथा पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए की सुरक्षा और आम नागरिकों के जीवन की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनुमंडल प्रशासन एवं संबंधित विभागों को पुल पर ओवरलोड और भारी वाहनों के आवागमन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से निर्धारित भार सीमा और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा कि विकास परिसंपत्तियों की सुरक्षा और जनहित को सुरक्षित रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

एफएलएन अभियान के तहत एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। उच्च माध्यमिक विद्यालय दुर्गास्थान डंडखोरा में एफएलएन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक तथा मध्य विद्यालयों प्रधान शिक्षक एवं प्रधानाध्यापकों का एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शुभम प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में विभाग द्वारा नामित प्रशिक्षक स्वयंसेवी संस्था प्रथम के प्रतिनिधि मो.सद्दाम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भाषा एवं गणित विषय में कमजोर बच्चों के लिए पाठ

को रुचिकर तथा गतिविधि आधारित बनाकर दक्ष बनाने को लेकर चलाये जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से बताया।वहीं शिक्षण पद्धति की बारीकी से अवगत कराया। वाकिफ कराया।उन्होंने कहा कि इस अभियान में वर्ग चार से आठ तक के बच्चे शामिल किये जाएंगे तथा तीन महिने के शिक्षण सत्र के बाद बच्चों की प्रगति के आकलन के लिए मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाएगी।उन्होंने सभी प्रधान शिक्षको से अभियान को सफल बनाने की अपील की। बीडीओ ने बताया कि भाषा एवं गणित मे कमजोर बच्चों को दक्ष बनाने के लिए विद्यालयों में फाऊंडेशन लर्गिंग एवं न्यूमेरेसी एफएलएन अभियान चलाया जा रहा है। प्रधान शिक्षकों का यह कार्यशाला बच्चों के शैक्षणिक स्तर में बदलाव लाने को लेकर प्रधान शिक्षकों के उन्मुखीकरण के लिए आयोजित किया गया। मौके पर प्रधान शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों सहित बीआरसी कर्मी सपना कुमारी,अविनाश कुमार, कुणाल झा भी मौजूद रहे।

आरपीएफ ने रनिंग रूम के समीप न्यू कॉलोनी से 25 अवैध अस्थाई ढांचे हटाये

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कटिहार रेल मंडल के रनिंग रूम के समीप स्थित न्यू कॉलोनी क्षेत्र में रेलवे प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर लगभग 25 अवैध कच्चे ढांचों को हटाया गया। यह अतिक्रमण अभियान दोपहर करीब 1 बजे

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अभियान का नेतृत्व प्रभारी पोस्ट कमांडर बबलू कुमार के साथ आरपीएफ की उप निरीक्षक सारिका कुमारी की टीम द्वारा किया गया। जिसमें उनके साथ आरपीएफ के दर्जनों जवान और इंजीनियरिंग विभाग के एसएसई वर्क्स ,स्थानीय पुलिस तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसएसई वर्क्स ने बताया कि यह कार्रवाई रेलवे भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और परिचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से कीया गया। रेल में यह अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ तथा किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। रेलवे की भूमि पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध रेलवे समय समय पर अतिक्रमण अभियान चलाती रहती है।

राम के आह्वान के माध्यम से समाज की पीड़ा की अभिव्यक्ति है- 'हे राम ! तुम्हें आना होगा !'

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गीति-धारा के सुचर्चित कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय के एक ही लम्बे गीत की पुस्तक 'हे राम ! तुम्हें आना होगा' भगवान श्री राम के आह्वान के माध्यम से समाज की सघन पीड़ा और मानव-जगत की दुर्दशा की मार्मिक अभिव्यक्ति है। २०० अंतराओं में ६६ पृष्ठों के इस एक गीत में मानव-मन के प्रायः सभी भावों की भी अभिव्यक्ति हुई है। श्री पाण्डेय छंद-सिद्ध और काव्य-प्रतिभा से संपन्न कोकिल-कंठ सुकवि हैं। अस्तु इनकी रचनाओं में गेयता और माधुर्य भी अपने सुंदरतम रूप में लक्षित है। यह बातें शुक्रवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष डा जगदीश पाण्डेय की जयंती पर आयोजित, श्री पाण्डेय की पुस्तक 'हे राम ! तुम्हें आना होगा! के लोकार्पण-समारोह और कवि-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। अपने पूर्व अध्यक्ष को स्मरण करते हुए डा सुलभ ने कहा कि, डा जगदीश पाण्डेय, साहित्य समेत सभी

सारस्वत सरोकारों से गहरे जुड़े हुए एक कोमल भावनाओं से युक्त आदरणीय व्यक्तित्व थे। वे साहित्य, कला और संस्कृति को समाज के लिए सर्वाधिक मूल्यवान मानते हुए, सदैव ही उनके पक्ष में सदल-बल खड़े रहे। उन्होंने उदारता-पूर्वक साहित्यिक-कार्यों और साहित्यकारों की सहायता में योगदान दिया। मृत-प्राय साहित्य-सम्मेलन को उन्होंने संजीवनी दी। वे साहित्य की परोक्ष सेवा के लिए सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे। समारोह का उद्घाटन करते हुए संस्कृत शिक्षा बोर्ड, बिहार के अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने कहा कि कवि श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने भाव पूर्ण इस गीति-रचना के माध्यम से सरस्वती की बड़ी सेवा की है और प्रभु श्री राम को विश्वास से स्मरण किया है। साहित्य सम्मेलन साहित्यकारों का मंदिर है, इसकी ऊन्नति में सरकार अपना सहयोग करेगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के साहित्यमंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि लोकार्पित पुस्तक के कवि श्री पाण्डेय दूरदर्शन, आकाशवाणी और मंच समेत अनेक सारस्वत विधाओं से जुड़े हुए हैं, किंतु ये मूल रूप से गीत के कवि हैं। इस पुस्तक के माध्यम से कवि ने प्रभु श्रीराम का आह्वान इस तरह किया है कि, संसार की वर्तमान दुर्दशा से रक्षा के लिए श्री राम को आना ही होगा। वरिष्ठ साहित्यकार बच्चा ठाकुर, डा शशि भूषण सिंह, डा रत्नेश्वर सिंह, पं उमेश झा, डा अशोक प्रियदर्शी, डा पुष्पा जमुआर, डा मनोज गोवर्धनपुरी, प्रो सुखित वर्मा, डा अशोक प्रियदर्शी ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष को श्रद्धांजलि और कवि ब्रह्मानन्द को बधाइयाँ दीं।

जन्म से पहले की वसीयत दिखाकर डेढ़ करोड़ की ठगी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मकान सहित जमीन बेचने के नाम पर करीब डेढ़ करोड़ रुपये की कथित ठगी करने के आरोप में पचंबा थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पर जन्म से पहले की रजिस्टर्ड वसीयत का दस्तावेज दिखाकर संपत्ति का सौदा करने और बड़ी रकम लेने का आरोप है इस संबंध में पचंबा थाना क्षेत्र के कृष्णानगर निवासी राजीव रंजन ने थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। शिकायत के अनुसार, उन्होंने शहरी क्षेत्र के बरगंडा स्थित श्यामकुंज के पास की जमीन और मकान का सौदा पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के चेपापुल निवासी

अनुप कुमार राय (पिता- स्व. सरयू प्रसाद राय) से किया था आवेदन के मुताबिक वर्ष 2022 में दोनों पक्षों के बीच 2.25 करोड़ रुपये में बिक्री का एग्रीमेंट हुआ था। एग्रीमेंट के समय 51 लाख रुपये अग्रिम दिए गए थे, जबकि अब तक कुल 1,69,67,001 रुपये का भुगतान किया जा चुका है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने संपत्ति के स्वामित्व के समर्थन में 10 दिसंबर 1976 की एक रजिस्टर्ड वसीयत प्रस्तुत की। बाद में दस्तावेजों की जांच में पता चला कि आरोपी की जन्मतिथि 22 जुलाई 1978 है। ऐसे में जन्म से पहले की वसीयत के आधार पर संपत्ति का दावा कर रकम लेने का मामला सामने आया जांच के दौरान यह भी जानकारी मिली कि इसी संपत्ति का बिक्री एग्रीमेंट पहले रामदेव सिंह के साथ भी किया जा चुका था। इस संपत्ति से जुड़ा विवाद नगर थाना और एसडीएम न्यायालय में पहले से लंबित बताया गया है पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच और अन्य कानूनी कार्रवाई कर रही है।

करसो पुल के समीप सड़क हादसे में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। हजारीबाग बरही एनएच स्थित करसो पुल के समीप शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान बड़कागांव थाना क्षेत्र के रूही बादम गांव निवासी मो. तासोवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मृतक अपनी मोटरसाइकिल से एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी दौरान करसो पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को घटना की जानकारी एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन पर दी गई। सूचना मिलने के बाद परिजन घटनास्थल पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायल अवस्था में युवक को बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पत्नी शहनाज बेगम ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बरही थाना पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

जंगली खुखड़ी खाने से बीमार पड़े परिवार के सभी 8 सदस्य स्वस्थ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ प्रखंड के नवडीहा स्थित महादेव मंदिर के समीप जंगली खुखड़ी (मशरूम) खाने से फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुए एक ही परिवार के आठों सदस्य अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और इलाज के बाद सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है 15 जुलाई को मौसमी जंगली खुखड़ी के सेवन के बाद परिवार के सभी सदस्य अचानक बीमार पड़ गए थे। सूचना मिलते ही प्रशासन ने सभी को तत्काल सदर अस्पताल, गिरिडीह में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया गया उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर शुक्रवार को जिला रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) और जमुआ स्वास्थ्य विभाग की

टीम ने प्रभावित परिवार और क्षेत्र का स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया। जांच के दौरान सभी आठों सदस्य पूरी तरह स्वस्थ पाए गए और किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी जटिलता नहीं मिली। टीम ने परिवार को आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी निरीक्षण दल में फूड सेफ्टी ऑफिसर आशुतोष चंद्र गहलोत, आईडीएसपी की माइक्रोबायोलॉजिस्ट जूली टेरेसा मरांडी, चिकित्सा पदाधिकारी दीपक कुमार, बीपीएचयू प्रतिनिधि, लैब टेक्नीशियन, सीएचओ समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को ऐसे मामलों में त्वरित चिकित्सा सहायता, लगातार निगरानी और जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में जंगली या अपरिचित खुखड़ी (मशरूम) का सेवन न करें। यदि फूड प्वाइजनिंग के लक्षण दिखाई दें तो बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय सलाह लें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसी घटनाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद-राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न, संगठन विस्तार व हनुमान चालीसा केंद्र गठन पर जोर

बेंगाबाद के झलकडीहा में हुई बैठक, विभिन्न प्रखंडों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद (अहिप) एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला स्तरीय बैठक शुक्रवार को बेंगाबाद प्रखंड के झलकडीहा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला महामंत्री पंकज पांडेय ने की बैठक में जिले के सभी प्रखंडों में संगठन के विस्तार, कार्यकताओं के प्रवास तथा अधिक से अधिक हनुमान चालीसा केंद्रों के गठन पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से सनातन समाज को संगठित करने का अभियान चलाया जाएगा। साथ ही जिले में सनातन समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई बैठक के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए रवि यादव को राष्ट्रीय बजरंग दल का बेंगाबाद प्रखंड अध्यक्ष, अजय पंडित को प्रखंड उपाध्यक्ष, अमित गुप्ता और आकाश सिंह को मंत्री, धर्मेंद्र सिंह को अहिप का प्रखंड उपाध्यक्ष तथा अंकुश गुप्ता को राष्ट्रीय बजरंग दल का सदर प्रखंड मंत्री मनोनीत किया गया बैठक में प्रदेश मंत्री रविशंकर पांडेय, विभागाध्यक्ष रितेश पांडेय, जिला कार्याध्यक्ष विजय मल पांडेय, राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष गौरव कुमार अंशु, जिला उपाध्यक्ष सुजीत सिंह, जिला मंत्री शुभम झा, मजदूर परिषद के महामंत्री रपन गुप्ता, ॐ श्री परिवार के जिला अध्यक्ष रौनक मिश्रा, बेंगाबाद प्रखंड अध्यक्ष पंकज सिंह, सदर प्रखंड अध्यक्ष चंदन वर्मा तथा झलकडीहा के मुखिया सहोदर मंडल सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कदवा के छात्रों की उपलब्धि पर डीएम ने दिया प्रमाण-पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । बिहार काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वार्षिक सीवी रमन मेघा खोज परीक्षा में डा. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय कदवा के छात्रों की उपलब्धि शानदार रही है। जिले में कक्षा 09 के छात्र विवेक कुमार ने प्रथम स्थान एवं विशाल कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।अपने कार्यालय कक्ष में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने दोनों हीं छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया और मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। अनुसुचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित डा० भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में नामांकित छात्रों को आवासन, भोजन, पठन-पाठन हेतु लाईब्रेरी, डिजिटल क्लास, कम्प्यूटर लैब एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की समुचित व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

डीएवी सीसीएल के हर्ष कुमार ने नीट यूजी में लहराया परचम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा शुक्रवार को घोषित री-नीट यूजी 2026 के परिणाम में डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल, गिरिडीह के छात्र हर्ष कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में 625 अंक और 99.78 परसेंटाइल प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (एयर) 1658 हासिल की। हर्ष की इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ पूरे जिले का गौरव बढ़ा है विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्नेहा घोषाल ने 495 अंक, अभिनय कुमार वर्मा ने 486 अंक तथा अदनान आलम ने 437 अंक प्राप्त कर नीट यूजी 2026 परीक्षा

में सफलता हासिल की इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज एवं देश की सेवा में करना चाहिए। प्राचार्य ने सफल विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी इस उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने पूरे विद्यालय परिवार को भी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गर्व का क्षण बताया।

गोल इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों का नीट में शानदार प्रदर्शन, टॉपर लिस्ट में बनाई जगह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2026 में गोल इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान, बिहार और झारखंड का गौरव बढ़ाया है। शुक्रवार को गोल बिल्डिंग, बुद्धा कॉलोनी, पटना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्थान के शीर्ष विद्यार्थियों के परिणामों की औपचारिक घोषणा की गई।

गोल इंस्टिट्यूट के प्रतिभाशाली छात्र रवि कांत दिवाकर ने 720 में 695 अंक प्राप्त कर जेनरल ऐ आई आर 55 तथा केटेगरी ऐ आई आर 3 हासिल की। उनके अतिरिक्त कमल नयन ने 671 अंक के साथ जेनरल ऐ आई आर 460, केशव कुमार ने 660 अंक के साथ जेनरल ऐ आई आर 901, अनुष्का कश्यप ने 660 अंक के साथ जेनरल ऐ आई आर 937 तथा सृष्टि राज ने 652 अंक प्राप्त कर जेनरल ऐ आई आर 1290 हासिल की है। गोल इंस्टिट्यूट के प्रमुख टॉपर्सः विद्यार्थी का नामः रवि कांत दिवाकर, प्राप्तांकः 695/720, ऑल इंडिया रैंकः जेनरल ऐ आई आर 55, केटेगरी ऐ आई आर 3, विद्यार्थी का नामः कमल नयन, प्राप्तांकः 671/720, जेनरल ऐ आई आर 460, विद्यार्थी का नामः केशव कुमार, प्राप्तांकः 660/720, जेनरल ऐ आई आर 901, विद्यार्थी का नामः अनुष्का कश्यप, प्राप्तांकः 660/720, जेनरल ऐ आई आर 937, विद्यार्थी का नामः सृष्टि राज, प्राप्तांकः 652/720, जेनरल ऐ आई आर 1290 संस्थान द्वारा अब तक प्राप्त परिणामों और विद्यार्थियों की रैंक के प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, गोल इंस्टिट्यूट के 500 से अधिक विद्यार्थियों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिलने की प्रबल संभावना है। विद्यार्थियों के परिणामों का संकलन अभी जारी है, इसलिए सफल विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या इससे भी अधिक हो सकती है।

ह्लयह परिणाम विद्यार्थियों के संकल्प और गोल की समर्पित शैक्षणिक व्यवस्था की जीत हैह्व — बिपिन सिंह गोल इंस्टिट्यूट के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बिपिन सिंह ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहाः यह उपलब्धि केवल अंकों और रैंक की सफलता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अभिभावकों के विश्वास और गोल की पूरी शैक्षणिक टीम के सामूहिक समर्पण का परिणाम है। रवि कांत दिवाकर सहित हमारे सभी सफल विद्यार्थियों ने सिद्ध किया है कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से देश की कठिनतम परीक्षाओं में भी श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया जा सकता है। हमारा उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में सफल बनाना नहीं, बल्कि उन्हें संवेदनशील, जिम्मेदार और उत्कृष्ट चिकित्सक बनने के लिए तैयार करना है।

हर विद्यार्थी की सफलता के पीछे संघर्ष और विश्वास की प्रेरक कहानी है : रंजय सिंह

गोल इंस्टिट्यूट के असिस्टेंट डायरेक्टर, मिस्टर रंजय सिंह ने कहाः ह्लइन विद्यार्थियों की सफलता हजारों नीट अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है। प्रत्येक सफल विद्यार्थी की यात्रा में कठिन परिस्थितियाँ, मानसिक दबाव, निरंतर परिश्रम और त्याग शामिल रहा है। गोल ने हर विद्यार्थी को शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ भावनात्मक सहयोग, व्यक्तिगत देखभाल और निरंतर प्रेरणा देने का प्रयास किया। हमें विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे।

जुलाई तक एएसडीडीएफ सूची को अंतिम रूप दें, डिजिटाइजेशन में लाएं तेजी : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची के अद्यतन कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट और विदेशी श्रेणी के मतदाताओं की सूची का तथ्यात्मक सत्यापन कर 20 जुलाई तक उसे अंतिम रूप देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सूची में किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से शामिल या विलोपित नहीं होना चाहिए। यह कार्य पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ किया जाए। उपायुक्त ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे SIR-2026 अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विधानसभावार गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण, संग्रहण और

डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली तथा कार्य में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बूथ लेवल एजेंट के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर एएसडीडीएफ सूची का मिलान एवं सत्यापन कराया जाए, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उपायुक्त ने कहा कि जिन गणना प्रपत्रों का संग्रहण पूरा हो चुका है, उनका डिजिटाइजेशन प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। इसके लिए बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए, ताकि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में कार्यरत बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर निर्वाचन आयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान की आधारशिला हैं। उनके लिए निर्धारित विशेष मानदेय का भुगतान अगले तीन दिनों के भीतर उनके बैंक खातों में कर दिया जाएगा। उपायुक्त ने सभी बीएलओ से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

माई भारत अभियान को सफल बनाने में शिक्षा विभाग निभाएगा अहम भूमिका : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में माय भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एक जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक चल रहे माय भारत गहन पंजीकरण एवं जागरूकता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई तथा अभियान को प्रभावी ढंग से सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ना आवश्यक है। बैठक में शिक्षा विभाग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर सहमति बनी, ताकि अधिकाधिक युवाओं का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया जा सके। बैठक में जागरूकता कार्यक्रमों, पंजीकरण लक्ष्य, शैक्षणिक संस्थानों में विशेष पंजीकरण शिविर, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से प्रचार-प्रसार तथा जिला स्तरीय समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त श्री शेखावत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और निर्धारित अवधि के भीतर अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि माय भारत युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है, इसलिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। बैठक में जिला स्तरीय सलाहकार समिति के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के तीन छात्रों ने नीट-यूजी में मारी बाजी

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल), मेदिनीनगर के तीन विद्यार्थियों ने नीट-यूजी में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर पलामू जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। सरकारी विद्यालय के छात्रों की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों के मार्गदर्शन, अनुशासित अध्ययन और निरंतर मेहनत के बल पर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भी देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। विद्यालय के छात्र ऋषि राज आनंद (पिता- यमुना प्रजापति) ने 594 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 11,995 हासिल की। वहीं शुभम कुमार गुप्ता (पिता- रमेश कुमार गुप्ता) ने 506 अंक के साथ ऑल इंडिया रैंक 82,065 तथा अविक पांडेय (पिता- राघवेंद्र पांडेय) ने 505 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 83,481 हासिल की। तीनों विद्यार्थियों की सफलता विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और उनकी मेहनत का प्रमाण मानी जा रही है। इस उपलब्धि पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने तीनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरे पलामू के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, ईमानदार मेहनत और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इन विद्यार्थियों की सफलता जिले के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में विकसित हो रहा शैक्षणिक माहौल अब सकारात्मक परिणाम देने लगा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में पलामू के और अधिक विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

सोनम वांगचुक के समर्थन में रांची में धरना, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठी मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। वैज्ञानिक, शिक्षाविद और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में शुक्रवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के सामने सामाजिक कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। सामाजिक कार्यकर्ता देवी दयाल मुंडा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कई सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भाग लिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शनकारियों ने सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के प्रति एकजुटता जताते हुए उनकी मांगों पर केंद्र सरकार से गंभीरता से विचार करने की अपील की। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग उठाई।

हाथों में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन

धरनास्थल पर प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि सोनम वांगचुक लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा सुधार और हिमालयी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। ऐसे में उनके आंदोलन को नजरअंदाज करने के बजाय सरकार को संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए।

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण आंदोलन सभी का अधिकारः देवी दयाल मुंडा

सामाजिक कार्यकर्ता देवी दयाल मुंडा ने बताया कि सोनम वांगचुक का आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि पर्यावरण, शिक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें अवसर मिलेगा, वे इस आंदोलन का समर्थन करते रहेंगे। उनका कहना था कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण आंदोलन हर नागरिक का अधिकार है और सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

धरने में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता जावेद अख्तर ने कहा कि सोनम वांगचुक देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् हैं, यदि वे किसी मुद्दे को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं, तो सरकार को उनकी मांगों को गंभीरता से सुनना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी की।

मिलना चाहिए असहमति की आवाज को सम्मानः सामाजिक कार्यकर्ता

धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह आंदोलनकारियों के साथ बातचीत कर समाधान का रास्ता निकाले। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और अंत में प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपने की बात कही।

इस मौके पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र, बुद्धिजीवी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने एक आवाज में सोनम वांगचुक के आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से सकारात्मक पहल करने की मांग की है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्याः सी-2-जीएच-यूडीएल-ई-निविदा-2025 दिनांक 16.07.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन-713301 द्वारा "**आसनसोल मंडल के तहत दो वर्ष की अवधि के लिए ई-निविदा के माध्यम से अंडाल एवं अन्य स्थान पर गुड्स हैंडलिंग कार्य**" के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक कम्पार्टमेंट के लिए पृथक निविदा जमा की जानी चाहिए। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि विस्तृत जानकारी एवं इस निविदा में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। निविदा की अंतिम तिथि **07.08.2026 को 15.00 बजे** है। ASN-183/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज, पांच प्रमंडल के 240 खिलाड़ी हो रहे शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से आयोजित 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को खेलगांव स्थित प्रैक्टिस मैदान में भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में राज्य के पांचों प्रमंडलों की विजेता टीमें हिस्सा ले रही हैं।

अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक और अंडर-17 बालिका वर्ग में कुल 240 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यालय स्तर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजय नाथ सहदेव ने किया। इस अवसर पर जेएसएसपीएस खेलगांव की प्रतिनिधि पुष्पा हस्सा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रतियोगिता के आयोजन सचिव धीरसेन ए। सोरेंग तथा मो। फरीद भी मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित

करते हुए मुख्य अतिथि अजय नाथ सहदेव ने कहा कि फुटबॉल केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल है। झारखंड में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ मैदान में उतरने की अपील करते हुए कहा कि यदि खिलाड़ी निरंतर मेहनत करेंगे तो आने वाले समय में फीफा विश्व कप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। अजय नाथ सहदेव ने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता स्कूली खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच है। यहां से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। खिलाड़ियों को अनुशासन और समर्पण के साथ खेलते हुए अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाना चाहिए। इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव एवं राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग ने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यालयी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर देती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रतियोगिता का आयोजन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराया जाएगा तथा खिलाड़ियों से टीम भावना और खेल भावना के साथ खेलने की अपील की। प्रतियोगिता के पहले दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। अंडर-17 बालिका वर्ग में संथाल परगना ने कोल्हान को 7-0 के बड़े अंतर से हराया। अंडर-17 बालक वर्ग में दक्षिण छोटानागपुर ने उत्तर छोटानागपुर को 3-1 से पराजित किया, जबकि संथाल परगना और कोल्हान के बीच मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं अंडर-15 बालक वर्ग में उत्तरी छोटानागपुर ने दक्षिण छोटानागपुर को 2-0 तथा संथाल परगना ने कोल्हान को 4-0 से शिकस्त दी।

इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य खेल कोषांग, प्रतिनियुक्त शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और आयोजन समिति के सदस्यों की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति के अनुसार आगामी दिनों में लीग और नॉकआउट मुकाबलों के बाद विजेता टीमों का चयन किया जाएगा, जो राष्ट्रीय स्तर की सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। विद्यालयी खेलों को बढ़ावा देने और ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में यह प्रतियोगिता राज्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी, संभावित बाढ़ के खतरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बिहार के बक्सर से लेकर फरक्का तक जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। इधर कोशी जैसी सहायक नदी का पानी भी गंगा नदी में आने से जलस्तर में इजाफा देखा जा रहा है। प्रति घंटा एक सेमी की रफ्तार से पानी में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार सुबह गंगा नदी का जलस्तर 23।64 मीटर मापा गया है।

जलस्तर बढ़ने से किसान परेशान!

इधर, केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, जलस्तर में अभी बढ़ोतरी होगी। यही स्थिति रही तो पांच से छह दिनों में गंगा चेतावनी रेखा 26।25 मीटर तक पहुंच जाएगी। साहिबगंज

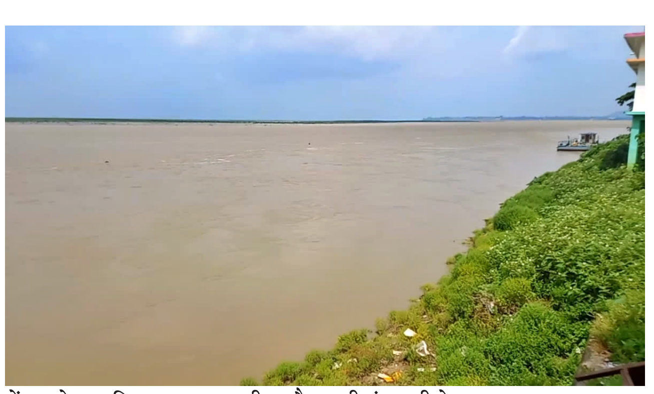

में खतरे का निशान 27।25 मीटर है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी से दियारा क्षेत्र में पानी घुसने लगा है। किसानों की परेशानी बढ़ने लगी है, मवेशियों का चारा डूबने लगा है। वहीं जिला प्रशासन भी गंगा नदी के जलस्तर पर नजर बनाए हुए है।

संभावित बाढ़ के खतरा को लेकर प्रशासन अलर्ट

जिला सदर ब्लॉक के सीओ सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने गंगा का दौरा करके जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन पिछले साल की भांति इस साल भी बाढ़ पीड़ितों को ठहरने के लिए व्यवस्था कर रहा है। मवेशियों के लिए चारा का प्रबंध किया जा रहा है, बाढ़ के दौरान लोगों के बीच राहत सामग्री बांटने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, बाढ़ का खतरा महसूस होने के साथ प्रशासन मदद को लेकर पूरी चरह से अलर्ट पर है। बता दें कि साहिबगंज में गंगा तटीय क्षेत्र 83 किमी क्षेत्र में 108 गांव आते हैं, जो बाढ़ से प्रभावित होते हैं यानि कुल मिलाकर करीब 50 हजार से अधिक लोग अपना आशियाना छोड़कर सूखे स्थान की ओर चले जाते हैं।

मनोज कुमार सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज। रफीगंज थाना क्षेत्र के नीमा चतुर्भुज गांव में शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शहीद सिपाही मनोज कुमार सिंह की 18वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर परिजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद के पुत्र प्रांशु कुमार सिंह ने बताया कि 17 जुलाई 2008 को बीएसएफ की 20वीं बटालियन में पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का सीमा क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान बिजली के स्पर्शाघात से मनोज कुमार सिंह शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा स्मरण रखा जाएगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री सुबोध कुमार सिंह, शहीद के पुत्र एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दक्षिण बिहार प्रांत की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य प्रांशु कुमार सिंह, बड़े पुत्र इंजीनियर हिमांशु सिंह, आदित्य सिंह, श्रीकांत सिंह, प्रेम सिसोदिया, अभाविप के पूर्व नगर मंत्री सह छात्र नेता किशू गुप्ता, पैक्स अध्यक्ष मनीष सिंह, समीर सिंह, लड्डू कुमार, रौशन कुमार, बिपुल कुमार, कार्तिक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, प्राथमिकी

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के कोटवारा गांव से घर के बाहर खड़ी एक बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने रफीगंज थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बाइक बरामद करने और चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-एयर ब्रेक, दिनांक 16.07.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निविदा सं. एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-एयर ब्रेक के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि बाबत केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान माध्यम जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के द्वारा भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रिसीट, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान करने की अनुमति नहीं है। **कार्य का नाम** : क्रमशः एफएमपी-ए और बी कार वैगन के लिए अनेक्सर-ए के क्रम सं. ए से डी के माध्यम से और अनेक्सर-बी के क्रम सं. ए से डी के माध्यम से एयर ब्रेक पाइप और पाइप फिटिंग, एयर ब्रेक इक्विपमेंट, अंडरफ्रेम ब्रेक गियर और एसएबी के साथ हैंड ब्रेक अरेंजमेंट कम्पोनेंट, ब्रेक गियर पिन बुश वॉशर और एलएसडी अरेंजमेंट की आपूर्ति, फिटमेंट और आरंभ। **कार्य स्थलः** पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन-811214, **विज्ञापित मूल्यः** रु. 16,09,11,177.90, **बोली प्रणालीः** दो पैकेट प्रणाली, **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 00.00, **बोली प्रतिभूतिः** रु.32,18,200/-, **समापन अवधिः** अठारह माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 13.08.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** दिनांक 18.07.2026 को 12.00 बजे। **प्रस्ताव की वैधताः** 90 दिन। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण देखा जा सकता है:** (**www.er.indian railways.gov.in** के साथ हाइपरलिंक्ड **www. ireps.gov.in**) एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को। MISC-108/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

एडमिन यूनिट/जोनः सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700 014, **ऑक्शन कैटलॉग सं.**: एमपीएस-जुलाई-03-26, **नीलामी करने वाले अधिकारीः** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह। **बोली प्रणालीः** सामान्य नीलामी (एकल चरण)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट)**: 31.07.2026 को 13.00 बजे। **नीलामी की अंतिम तिथि/समय** : 31.07.2026 को 16.40 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन जोनः** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधिः** 120 सेकंड। **प्रारंभिक कूलिंग ऑफ अवधिः** 30 मिनट। **लगातार लॉट का समापन अंतराल** : 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन** : 10 बार। **कैटलॉग प्रकाशित किया गया** : 15.07.2026 को 15.59 बजे। **निर्णय का माध्यम** : ऑटो, **आरपी की प्रदर्शनी की गई**-नहीं। **आरपी से कम परमिट बिड** -हाँ। **क्या राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूजल (आरओएफआर) लागू है?**:नहीं। **क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, विवरण, लॉट की अंतिम तिथि/समय** निम्नानुसार हैंः **एए/1,** एमपीएस-एसडीएएच-बीईबी-एमपीएस-26-26-1(एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), बेलडांगा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 2 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 13.30 बजे। **एए/2,** एमपीएस-एसडीएएच-बीएसएचटी-एमपीएस-36-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), बसीरहाट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 13.40 बजे। **एए/3,** एमपीएस-एसडीएएच-बीआईआरए-एमपीएस-43-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), बीरा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर प्लेटफॉर्म शेड के नीचे (सियालदह छोर पर) 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 13.50 बजे। **एए/4,** एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-12-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), सियालदह रेलवे स्टेशन में उत्तरी भाग के निकास द्वार पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.00 बजे। **एए/5,** एमपीएस-एसडीएएच-बीक्यूजी-एमपीएस-21-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), भगवानगोला रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर शेड के नीचे प्लेटफॉर्म क्षेत्र के मध्य साइड में 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.10 बजे। **एए/6,** एमपीएस-एसडीएएच-बीएफटी-एमपीएस-27-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), भाबता रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.20 बजे। **एए/7,** एमपीएस-एसडीएएच-एमजीटी-एमपीएस-41-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), मगरा हाट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर बुकिंग कार्यालय के पास 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.30 बजे। **एए/8,** एमपीएस-एसडीएएच-केआरपी-एमपीएस-22-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), कृष्णपुर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर पैनल रूम के पास मध्य भाग की ओर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.40 बजे। **एए/9,** एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-15-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), सियालदह रेलवे स्टेशन में आइलैंड प्लेटफॉर्म 15/16 पर पिलर नं. 3 एवं 4 के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 14.50 बजे। **एए/10,** एमपीएस-एसडीएएच-एमबीबी-एमपीएस-31-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), मुर्शिदाबाद रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.00 बजे। **एए/11,** एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-19-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), सियालदह रेलवे स्टेशन में आइलैंड प्लेटफॉर्म 20/21 पर पिलर नं. 5 एवं 6 के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.10 बजे। **एए/12,** एमपीएस-एसडीएएच-एसजीवी-एमपीएस-29-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), सारगाछी रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.20 बजे। **एए/13,** एमपीएस-एसडीएएच-डीडीसी-एमपीएस-40-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), दमदम कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर ओएसओपी के पास 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.30 बजे। **एए/14,** एमपीएस-एसडीएएच-बीआरपीके-एमपीएस-42-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), बिशरपाड़ा-कोदालिया रेलवे स्टेशन में सियालदह छोर के प्लेटफॉर्म शेड के पास स्थित प्लेटफॉर्म नं. 02 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.40 बजे। **एए/15,** एमपीएस-एसडीएएच-बीएफटी-एमपीएस-33-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), भाबता रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 2 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 15.50 बजे। **एए/16,** एमपीएस-एसडीएएच-बीटी-एमपीएस-34-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), बारासात रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर (फुट ओवरब्रिज एस्केलेटर) के नीचे सीआईटी/टीआई (एम) कार्यालय के सामने 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 16.00 बजे। **एए/17,** एमपीएस-एसडीएएच-डीईबी-एमपीएस-30-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), देबग्राम रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 2 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट)) का आवंटन, 31.07.2026 को 16.10 बजे। **एए/18,** एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-17-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), सियालदह रेलवे स्टेशन में आइलैंड प्लेटफॉर्म 16/17 पर पिलर नं. 3 एवं 4 के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट X 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 16.20 बजे। **एए/19,** एमपीएस-एसडीएएच-एचएलआर-एमपीएस-38-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), हालिशहर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 2 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 16.30 बजे। **एए/20,** एमपीएस-एसडीएएच-जीबीजी-एमपीएस-37-26-1 (एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल), गोबरडांगा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट X 05 फीट X 08 फीट) का आवंटन, 31.07.2026 को 16.40 बजे। **रेट यूनिटः** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (प्रत्येक हेतु)। **ट्रिप/दिनः** 1826 (प्रत्येक हेतु)। **न्यूनतम वृद्धि (%)**: 0.2 (प्रत्येक हेतु)। **लॉट की स्थिति** : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (प्रत्येक हेतु)। SDAH-140/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गैस रिसाव से कई बच्चे बेहोश

जेसीबी ने तोड़ी गैस पाइप लाइन धमाके से अफरातफरी

शिक्षकों ने समय रहते बच्चों को सुरक्षित निकाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मुजफ्फरपुर-मुसहरी मुख्य सड़क पर रोहुआ हाई स्कूल के पास जेसीबी से खुदाई के दौरान गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे तेज गैस रिसाव शुरू हो गया। रिसाव के साथ धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई। उस समय स्कूल में कक्षाएं चल रही थीं और करीब 150 से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद थे। घटना के बाद शिक्षक तुरंत बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुट गए। गैस रिसाव के कारण आसपास का इलाका धुएं और गैस की चपेट में आ गया। इसकी वजह से कई बच्चों की तबीयत बिगड़ गई और कुछ बच्चे बेहोश हो गए। सभी बच्चों को आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुसहरी ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच बच्चियों को बेहतर इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) रेफर किया गया। फिलहाल सभी बच्चों का इलाज जारी है।

रोहुआ उच्च विद्यालय के शिक्षक अमरजीत कुमार ने बताया कि कक्षाएं चल रही थीं, तभी अचानक तेज धमाके जैसी आवाज आई और गैस का धुआं फैलने लगा। इससे स्कूल में मौजूद सभी लोग घबरा गए। इसके बाद शिक्षकों ने बिना समय गंवाए सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर स्कूल में छुट्टी कर दी गई और शिक्षकों को भी सुरक्षित घर भेज दिया गया। स्कूल के पास छोटे बच्चों का एक और विद्यालय भी संचालित होता है, जिसे भी एहतियात के तौर पर खाली करा दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके जैसी तेज आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बच्चों को घबराया हुआ देखकर स्थानीय लोगों ने भी उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने और अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, फायर ब्रिगेड और गैस आपूर्ति कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। गैस कंपनी के अधिकारी आदित्य भट्टाचार्य ने बताया कि तकनीकी टीम ने तुरंत गैस की सप्लाई बंद कर दी है।

बाल काटने वाले गिरोह से गांव में दहशत

दरभंगा। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के डरहार गांव में महज आठ दिन के भीतर दूसरी बार एक जैसी वारदात सामने आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। आरोप है कि बदमाशों ने शिक्षक दंपति सुमन कुमार चौधरी के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। जाते समय उन्होंने घर में सो रही एक नाबालिग बच्ची के बाल काट दिए। पुलिस फिलहाल चोरी गए सामान का आकलन कर रही है और एफएसएल टीम के साथ मामले की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि इसी गांव में आठ दिन पहले डॉ. पवन कुमार मिश्रा के घर हुई लूट के दौरान बदमाशों ने उनकी बहू को कथित तौर पर नशीला इंजेक्शन देकर बेहोश कर दिया था और उसके भी बाल काट दिए थे। इसके बाद लाखों रुपये के जेवर लेकर फरार हो गए थे। एक सप्ताह के भीतर सामने आई दो समान घटनाओं में कथित तौर पर चोरी या लूट के बाद महिलाओं के बाल काटे जाने की बात सामने आने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पुलिस के सामने अब दोनों घटनाओं का खुलासा करने के साथ यह पता लगाना भी चुनौती है कि क्या इनके पीछे एक ही गिरोह सक्रिय है और बाल काटने के पीछे उनकी मंशा क्या थी।

होल्डिंग टैक्स के तुगलकी फरमान का विरोध करेगी कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार के भाजपा नीत एनडीए सरकार की सम्राट चौधरी सरकार द्वारा बिहार के आठ हजार तीरपन ग्राम पंचायतों के पैंतालीस हजार एक सौ तीन गांवों में 50 रुपया से 5000 तक होल्डिंग टैक्स लेने की घोषणा से कृषि प्रधान देश होने के नाते राज्य के 75 प्रतिशत गरीब मध्यमवर्गीय परिवार जो गांवों में निवास करते हैं उनके घरों सहित उस गांवों के व्यवसाय करने वाले करोड़ों लोगों पर भारी वित्तीय बोझ बढ़ेगा, जिसका कॉग्रेस पार्टी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस होल्डिंग टैक्स, साफ सफाई, पेयजल टैक्स के तुगलकी फरमान का भारी विरोध करेगी।

बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा, टिंकू गिरी, अशोक कुमार भारती, शिव कुमार चौरसिया, युवा कॉग्रेस के अध्यक्ष विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, कॉग्रेस अनुसूची जाति-जनजाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील कुमार पासवान, इंदल पासवान, प्रदीप शर्मा आदि ने कहा कि विगत विधानसभा चुनाव जीतने हेतु लुटाए जाने के कारण घोर वित्तीय संकट से जुझ रही सम्राट सरकार अब बिहार के 45 हजार 103 गांवों के लाखों लाख घरों सहित अन्य प्रतिष्ठानों से होल्डिंग टैक्स लेने की तुगलकी फरमान से बिहार के 75 प्रतिशत गांवों में निवास करने वाले गरीब मध्यमवर्गीय परिवारों में भयानक रोष है,कॉग्रेस पार्टी इसे अविलंब वापस लेने की लड़ाई गांवों से पंचायत होते प्रखंड जिला एवं प्रदेश स्तर पर लड़ेगी।नेताओं ने कहा कि बिहार राज्य के गांवों में लगने वाले होल्डिंग टैक्स के तहत पक्के मकान 100 प्रतिवर्ष, कच्चे मकान 50 प्रतिवर्ष, प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान 25 प्रतिवर्ष तथा इन सभी प्रकार के मकानों को सफाई एवं जलापूर्ति के लिए 30 प्रतिमाह देना होगा इसके अलावे ग्रामीण इलाकों के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों जैसे पेट्रोल पंप, इट भट्ठा, गैस एजेंसी आदि को प्रतिवर्ष 5000 देनी होगी।

नेताओं ने कहा कि बिहार कैबिनेट ने ग्रामपंचायत कर, दर और शुल्क नियमावली 2026 की मंजूरी भी दे दी है, जिसके खिलाफ कॉग्रेस पार्टी गया जिला अंतर्गत 24 प्रखंडों, 332 ग्राम पंचायतों के हजारों गांवों में इसका विरोध करेगी। नेताओं ने कहा कि चरणबद्ध आंदोलन के तहत 18 जुलाई को जिला मुख्यालय पर, 22 जुलाई को सभी प्रखंडों में तथा 25 जुलाई को सभी पंचायत मुख्यालय पर सम्राट सरकार का पुतला दहन कर विरोध किया जायेगा।

सोनम वांगचुक की भूख- हड़ताल का लोक समिति ने किया समर्थन

सच्चाई और इंसाफ के लिए संघर्ष जारी हैः गिरिजा सतीश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौसा (बक्सर)। लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गाँधीवादी चिंतक गिरिजा सतीश तथा बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह ने देश के प्रख्यात पर्यावरण एवं शिक्षाविद् ,वैज्ञानिक तथा जाने माने गाँधीवादी सामाजिक कार्यकर्त्ता सोनम वांगचुक के अनिश्चित कालीन भूख- हड़ताल के समर्थन में एक विज्ञप्ति जारी कर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की इस्तीफे की मांग की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नीट परीक्षा पेपर लीक , शिक्षा में पारदर्शिता एवं सुधार और भारत के छात्रों के भविष्य के सवालों को लेकर पिछले 28 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर में वे सत्याग्रह पर बैठे हैं। जिसकी गम्भीर चर्चा पूरे देश में हो रहीं हैं कि गाँधी के देश में, गाँधी के रास्ते, एक गाँधीवादी समाजसेवी अपनी मांगो को लेकर आमरण अनशन पर है। श्री सतीश ने कहा कि आज अनशन का 19 वां दिन है। प्राप्त सूचना के अनुसार अभी तक केन्द्र सरकार ने संतोषजनक कार्रवाई नहीं उठायी है। सोनम वांगचुक के भूख- हड़ताल को लेकर सबकी निगाहें केन्द्र सरकार की निर्णय पर टिकी हुई है। अब सोनम वांगचुक की तबीयत काफी बिगड़ चुकी है। डॉक्टर के रिपोर्ट के अनुसार गाँधीवादी वांगचुक का वजन आठ किलो से अधिक कम हो गया है। जिससे उनका शरीर बहुत कमजोर हो गया है। अब उन्हें उठने- बैठने और चलने- फिरने में दिक्कत होने लगी है। फिलहाल उनकी स्थित नाजुक है। श्री सतीश ने कहा कि लोकतंत्र तथा संविधान की मर्यादा का ख्याल रखते हुए, केन्द्र सरकार से अपील किया है कि सोनम वांगचुक की मांगो को स्वीकार कर फौरन उनका अनशन तुड़वा देनी चाहिए।

10 हजार से अधिक आबादी वाली पंचायतों का बदलेगा स्वरूप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। बिहार सरकार ने वर्ष 2026 के पंचायत चुनाव से पहले ग्राम पंचायतों के परिसीमन का निर्णय लिया है। इस फैसले का असर लखीसराय जिले की पंचायत व्यवस्था पर भी पड़ेगा। नए परिसीमन के बाद जिले की वर्तमान 76 ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़कर 100 से अधिक होने की संभावना जताई जा रही है।

इससे पंचायतों की सीमाओं के साथ-साथ कई निर्वाचन क्षेत्रों का स्वरूप भी बदल जाएगा। पंचायती राज विभाग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों के आरक्षण रोस्टर संबंधी जिला गजट पहले ही प्रकाशित कर दिया है। अब इसी आधार पर पंचायतों, पंचायत समिति क्षेत्रों और जिला परिषद क्षेत्रों का परिसीमन कराया जाएगा।

2011 की जनगणना बनेगी आधार

जानकारी के अनुसार, जिले के विभिन्न प्रखंडों में 10 हजार से अधिक आबादी वाले तीन दर्जन से अधिक पंचायतों का स्वरूप बदल सकता है। बड़हिया टाल क्षेत्र के पाली, एजनीघाट, लक्ष्मीपुर, जैतपुर और डुमरी सहित कई पंचायत परिसीमन की प्रक्रिया से प्रभावित हो सकते हैं।

वर्तमान में लखीसराय जिले में 76 ग्राम पंचायत, 1,067 वार्ड, 109 पंचायत समिति सदस्य क्षेत्र तथा 11 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्र हैं। परिसीमन के बाद इन सभी इकाइयों की सीमाओं और संख्या में बदलाव संभव माना जा रहा है।

सरकार ने ग्राम पंचायत, ग्राम पंचायत प्रादेशिक क्षेत्र, पंचायत समिति प्रादेशिक क्षेत्र और जिला परिषद प्रादेशिक क्षेत्र के गठन एवं परिसीमन के लिए वर्ष 2011 की जनगणना को आधार बनाया है। बताया जा रहा है कि लंबे अंतराल के बाद पंचायतों का व्यापक परिसीमन किया जा रहा है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2011 की जनगणना के बाद जिले की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ती आबादी के अनुरूप पंचायतों और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन किया जाएगा। पंचायती राज विभाग जल्द ही परिसीमन की विस्तृत प्रक्रिया और दिशा-निर्देश जारी करेगा। सरकार के इस निर्णय के बाद आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटे संभावित प्रत्याशियों और वर्तमान जनप्रतिनिधियों के बीच नई राजनीतिक गणित को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सभी की नजर अब परिसीमन की आधिकारिक गाइडलाइन और नई पंचायत सीमाओं पर टिकी है।

गला दबाकर हत्या

समस्तीपुर। बाप-बेटी का रिश्ता एक बार फिर कलंकित हुआ। बेटी ने जब पड़ोस के एक युवक से प्रेम किया तो उसके मां-बाप ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसके शव को प्लास्टिक की बोरी में बांधकर वाया नदी में फेंक दिया।

वाया नदी से जब सड़ा हुआ शव बरामद हुआ और उसकी पहचान हुई तो उसके मां-बाप घर छोड़कर फरार हो गए। यहां तक कि शव को पोस्टमार्टम के लिए चौकीदार को ले जाना पड़ा। शव इस कदर सड़ गया कि उसका पोस्टमार्टम समस्तीपुर में नहीं हो सका और उसे दरभंगा ले जाना पड़ा।

मामले का खुलासा चौकीदार के बयान पर दर्ज प्राथमिकी तथा एफएसएल की टीम के द्वारा मामले की हो रही जांच से हुआ। इमनसराय के चौकीदार चितरंजन पासवान के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है कि ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, पटोरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर निवासी लखन राय एवं दौलत देवी की बेटी दीपा कुमारी (17) पड़ोस के किसी युवक के साथ प्रेम करती थी और वह उसी से शादी करना चाहती थी।

फायरिंग कर होटल संचालक से लूटपाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत कोईलवर के वार्ड संख्या आठ में गुरुवार की देर रात बदमाशों ने एक होटल संचालक और उसके साथियों को रोककर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसके बाद सोने की चेन और नकदी लूटकर फरार हो गए। संयोग से घटना में किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार अतिथि होटल के संचालक अरविंद अपने दो दोस्तों अभिषेक और बबलू के साथ दो बाइक से देर रात करीब 12 बजे घर लौट रहे थे।

इसी दौरान महावीर मंदिर के समीप पहले से घात लगाए पांच-छह नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर उनकी बाइक रोक दी। बदमाश अरविंद के गले से सोने की चेन छीनने लगे। विरोध की आशंका होते ही उन्होंने सामने से ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग कर दी।

लोगों में रोष व दहशत

बदमाश अरविंद के गले से सोने की चेन और नकदी छीनने के बाद अभिषेक की ओर बढ़े। इस दौरान अभिषेक बाइक गिराकर शोर मचाते हुए गलियों के रास्ते भाग निकला। फायरिंग और शोर सुनकर आसपास के लोग बाहर निकल आए। लोगों के जुटने से पहले ही सभी बदमाश वार्ड संख्या आठ घाट की ओर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

अरविंद ने बताया कि सभी बदमाशों ने गमछे से अपना चेहरा ढक रखा था। घटना की सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। मामले की जांच की जा रही है। शुक्रवार सुबह तक इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी थी।

ड्रेसिंग के दौरान महिला मरीज से अश्लील हरकत का आरोप

परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। उत्तर बिहार के सबसे बड़े अस्पताल डीएमसीएच के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक स्थित बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी वार्ड में ड्रेसिंग के दौरान एक महिला मरीज के साथ अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप वार्ड में तैनात एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी पर लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल अधीक्षक ने आरोपी कर्मचारी को तत्काल बर्खास्त कर दिया है।

बताया जाता है कि मंगलवार दोपहर एक युवती इलाज के लिए डीएमसीएच के प्लास्टिक एंड बर्न विभाग पहुंची थी। वार्ड में तैनात एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी जले हुए हिस्सों की ड्रेसिंग कर रहा था।

आरोपित को किया गया बर्खास्त

आरोप है कि यूरिन पाइप (फॉली कैथेटर) निकालने के दौरान कर्मचारी ने महिला मरीज के साथ अश्लील हरकत की। इस पर युवती ने वार्ड में ही विरोध जताते हुए शोर मचाया और अपने परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही महिला के परिजन अस्पताल पहुंचे और आरोपी कर्मचारी के खिलाफ जमकर हंगामा किया।

हंगामे की सूचना मिलने पर डीएमसीएच अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्रा मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी आउटसोर्सिंग कर्मचारी को तत्काल बर्खास्त करने की कार्रवाई की गई। घटना के बाद काफी हंगामा हुआ, लेकिन दो दिन बीत जाने के बावजूद किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है।

बताया जाता है कि अस्पताल में महिला कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद महिला मरीजों के फॉली कैथेटर लगाने या निकालने का कार्य महिला स्टाफ या महिला अटेंडेंट द्वारा किया जाना चाहिए। आरोप है कि कई बार मरीज अपनी स्थिति के कारण विरोध नहीं कर पाते, लेकिन इस बार महिला मरीज के विरोध के बाद मामला सामने आ गया और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पिटाई से बुजुर्ग की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले के परिहार थाना क्षेत्र के रामपुर महुआइन गांव में पारिवारिक विवाद के दौरान 83 वर्षीय बुजुर्ग की कथित पिटाई के बाद मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद स्वजन को सौंप दिया। मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक की पहचान रामपुर महुआइन गांव निवासी मोहम्मद बेचू (83) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में गांव निवासी मोहम्मद कुर्बान को गिरफ्तार किया है। आरोपित मृतक की नातिन का पति बताया गया है।

मामले में मृतक की पुत्री साजिया खातून के आवेदन पर परिहार थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में मोहम्मद कुर्बान को नामजद आरोपित बनाया गया है।

पुलिस के अनुसार, बकरीद के दिन आरोपित की मां ने अपनी पुत्रवधू मुस्कान खातून को घर से निकाल दिया था। इसके बाद मुस्कान अपने मायके में मां और नाना के साथ रह रही थी।

ट्रक ने बुजुर्ग को कुचलते हुए हाईवा में मारी टक्कर

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। महुआ-हाजीपुर मुख्य सड़क पर शुक्रवार सुबह एक के बाद एक कर तीन गाड़ियां टकरा गईं। इस हादसे में फुलवरिया गांव निवासी 60 वर्षीय पोषण महतो की मौत हो गई।

यह हादसा फुलवरिया गांव के पास सुबह करीब 7 बजे हुआ। घटना के बाद मृतक के परिवार वाले एवं स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने हादसे के बाद सड़क जाम कर दिया। जानकारी पर स्थानीय थाने की पुलिस पहुंची और ट्रक तथा हाईवा को जब्त कर लिया। करीब एक घंटे बाद लोगों ने काफी समझाने-बुझाने पर जाम हटाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक का चालक सड़क किनारे अपनी गाड़ी रोककर टायर की जांच कर रहा था।

इसी बीच पीछे से आ रहे एक हाईवा ट्रक ने तेज रफ्तार में खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के कुछ ही मिनट बाद पीछे से आ रहा एक 12 चक्का ट्रक भी बेकाबू हो गया।

सड़क किनारे खड़े पोषण महतो को अपनी चपेट में लेता हुआ आगे बढ़ा और फिर पहले से दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रकों से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पोषण महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इस घटना की खबर फैलते ही फुलवरिया और आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। पोषण महतो की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने महुआ-हाजीपुर सड़क को जाम कर दिया।

जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। ग्रामीण सड़क पर सुरक्षा उपाय और तेज रफ्तार ट्रकों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

सूचना मिलते ही महुआ थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाया और आवागमन बहाल कराने की अपील की।

काफी समझाने के बाद ग्रामीण माने और जाम हटाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

महुआ थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि एक खराब ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। पीछे से एक हाईवा और ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी।

सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा जिले के नारदीगंज प्रखण्ड में सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मौत हो गई। गुरुवार की रात में मौत हुई। महिला के छह बच्चे हैं।

शुक्रवार की सुबह में पोस्टमार्टम के लिए शव सदर अस्पताल नवादा भेजा गया है। नारदीगंज प्रखण्ड के रामे गांव मुसहरी निवासी मोहन मांझी की पत्नी मीना देवी (उम्र 36 वर्ष) की मौत हुई है। घटना की खबर मिलते ही स्वजन व शुभचिंतकों में मातम छा गया।

परिवार के लोगों ने बताया की महिला की ननद का ऑपरेशन अस्पताल में हुआ था। बंध्याकरण के बाद वह भर्ती थी। उसी के लिए भौजाई मीना देवी खाना पहुंचाने बीते 14 जुलाई की रात में नारदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गयी थी। वहां से 15 तारीख की सुबह में लौटने के दौरान शादीपुर के समीप दुर्घटना हो गयी थी।

महिला बाइक पर अपने एक रिश्तेदार दीपक कुमार के साथ घर जा रही थी। महिला की गोद में एक साल का बेटा गुंजन भी था। पीछे से एक बाइक ने महिला जिस बाइक पर थी उसमें धक्का मार दिया था।

मृत महिला के परिवार में पुत्री नेहा कुमारी 12 वर्ष, प्रीति कुमारी 10 वर्ष, निशा कुमारी 7 वर्ष, जुली कुमारी 4 वर्ष, पुत्र कुंदन कुमार 3 वर्ष, पुत्र गुंजन कुमार 1 वर्ष हैं। इन सभी के सिर से माँ की ममता छिन गयी है। बच्चों का रो- रोकर बुरा हाल है। पति मोहन मांझी मजदूरी कर परिवार का पेट भरते हैं। उनके ऊपर बड़ा दुख आ गया है।

बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम की खोली पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। शुक्रवार सुबह हुई कुछ घंटों की तेज बारिश ने जमशेदपुर की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी। शहर के कई प्रमुख इलाकों में सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं, जबकि निचले इलाकों में गंदा पानी घरों में घुस गया।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के अंतर्गत आने वाले पटेल नगर और टीचर्स कालोनी रहे, जहां 200 से अधिक घरों में बारिश और नालों का पानी घुसने से लोगों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ।

बारिश के बाद साकची, मानगो, आजादनगर, जाकिरनगर, सोनारी, लक्ष्मीनगर, बमार्माइंस, कदमा, टेल्को, जुबली पार्क गेट, मानगो छोटा पुल और टाटानगर रेलवे स्टेशन के बाहर पार्किंग क्षेत्र में घुटनों तक पानी जमा हो गया। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए और लोगों को जलभराव के बीच आवाजाही करनी पड़ी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बरसात से पहले बड़े नालों और जल निकासी मार्गों की समुचित सफाई नहीं कराई गई। नालियों में जमी गाद और कचरे के कारण पानी की निकासी रुक गई, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा। घरों में घुसे गंदे पानी से फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक उपकरण, राशन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान खराब हो गए। कई परिवार घंटों तक घरों से पानी निकालने में जुटे रहे।

मानगो नगर निगम क्षेत्र के जाकिरनगर ईस्ट के आजादनगर स्थित जाकिरनगर ईस्ट के रोड नंबर 13, 14, 15, 16 और 17 में भी करीब 15 से 20 घरों में नाले का पानी भर गया। स्थानीय निवासी मो. फिरोज और मो. मीराज ने बताया कि नालों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सीधे घरों में घुस गया। उनका कहना है कि हर वर्ष यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई प्रभावी पहल नहीं होती।

बारिश के बाद प्रभावित इलाकों के लोगों ने नगर निकायों के खिलाफ विरोध जताया और चेतावनी दी कि यदि जल निकासी व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

नागरिकों का कहना है कि हर मानसून में एक जैसी समस्या दोहराई जाती है, लेकिन समाधान की दिशा में ठोस कदम अब तक नहीं उठाए गए हैं। शहरवासियों का मानना है कि मानसून से पहले नालों की नियमित सफाई और जल निकासी तंत्र को दुरुस्त किया जाए, तभी ऐसी स्थितियों से बचा जा सकता है।

26 जुलाई से चलेगी स्पेशल ट्रेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। शेखपुरा जंक्शन होकर रांची से भागलपुर तक की विशेष रेलगाड़ी का परिचालन होगा। इसकी स्वीकृति रेलवे बोर्ड ने दी है। सावन महीने को लेकर यह विशेष रेलगाड़ी का परिचालन 26 जुलाई से 11 सितंबर तक होगा। यह विशेष रेलगाड़ी रांची से प्रत्येक रविवार, बुधवार तथा गुरुवार, शुक्रवार को होगा। दोनों रेलगाड़ियों का अलग-अलग नंबर दिया गया है।

08690 नंबर की गाड़ी रविवार तथा बुधवार को तथा 08646 नंबर की गाड़ी गुरुवार तथा शुक्रवार को रांची से शाम 5.40 बजे खुलकर तड़के 2.08 बजे शेखपुरा पहुंचेगी तथा उसी दिन वापसी में शाम दोपहर 12.40 बजे शेखपुरा पहुंचकर रात्रि 10 बजे रांची पहुंचेगी।

यह स्पेशल रेलगाड़ी रांची से बोकारो, गोमो होते हुए वजीरगंज, तिलैया, नवादा होते हुए शेखपुरा, क्यूल, जमालपुर होते हुए भागलपुर तक जाएगी। यह रेलगाड़ी गया तथा मानपुर नहीं जाएगी। वजीरगंज से वाइपास होकर कोडरमा जाएगी।

बनारस तथा देवघर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का शेखपुरा जंक्शन पर ठहराव देने की मांग फिर मुखर होने लगी है। इसको लेकर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शंभू यादव ने जिला के दोनों सांसदों (जमुई तथा नवादा) के साथ रेल मंडल दानापुर,मध्य पूर्व रेल मुख्यालय हाजीपुर तथा रेलमंत्री, रेलवे बोर्ड को पत्र लिखा है।

शंभू यादव ने बताया दो ज्योतिलिंगों बनारस तथा देवघर को जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन दो वर्ष से शेखपुरा होकर चल रही है,मगर आश्वासन के बाद भी अभी तक इस रेल का ठहराव शेखपुरा जंक्शन पर नहीं दिया गया है।

शेखपुरा जंक्शन शेखपुरा के साथ नवादा,जमुई,लखीसराय तथा नालंदा जिलों के बहुत बड़े क्षेत्र का आधार रेलवे स्टेशन है।

CMYK

सदन के महत्वपूर्ण निर्णय प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाएं : डॉ. प्रेम कुमार

विधानसभा में प्रेस सलाहकार समिति की बैठक आयोजित ▸ मानसून सत्र के सफल संचालन की तैयारी तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के आगामी मानसून सत्र को सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संचालित करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक प्रस्तावित मानसून सत्र के दौरान मीडिया और विधानसभा के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रेस सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सत्र के दौरान समाचार संकलन, सूचना के आदान-प्रदान और मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य भवन के प्रथम तल स्थित वाचनालय में शुक्रवार को आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने की। बैठक में आगामी मानसून सत्र के सफल संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और विधानसभा की कार्यवाही को जनता तक निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक रूप से पहुंचाने में प्रेस प्रतिनिधियों का योगदान सराहनीय रहता है। उन्होंने आगामी मानसून सत्र के दौरान भी सभी प्रेस प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की, ताकि सदन की कार्यवाही और महत्वपूर्ण निर्णय प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंच सकें। बैठक में प्रेस प्रतिनिधियों और विधानसभा प्रशासन के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने तथा सत्र के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। मानसून सत्र 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विधायी और जनहित के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

परिसीमन की नई कवायद के चलते टल सकते हैं पंचायत चुनाव ?

मौजूदा जनप्रतिनिधि कर सकते हैं कार्यकाल जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में पंचायत व्यवस्था को आबादी के अनुरूप अधिक संतुलित और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद क्षेत्रों का 2011 की जनगणना के आधार पर नए सिरे से परिसीमन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के पूरा होने और पिछड़े वर्गों के आरक्षण पर समर्पित आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद ही चुनाव कराए जाएंगे। संभावना है कि अब पंचायत चुनाव जुलाई-अगस्त 2027 में होंगे। सरकार के अनुसार बिहार में पिछले 36 वर्षों से पंचायतों का परिसीमन नहीं हुआ है। बदलती आबादी और भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद की सीमाओं का पुनर्निर्धारण आवश्यक माना गया है, ताकि सभी क्षेत्रों को आबादी के अनुपात में बेहतर प्रतिनिधित्व मिल सके। परिसीमन की प्रक्रिया अगस्त 2026 से शुरू होकर अप्रैल 2027 तक चलेगी। इसके बाद पिछड़े वर्गों के आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर समर्पित आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। पूरी प्रक्रिया में लगभग दो से तीन महीने का अतिरिक्त समय लगेगा, जिसके बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि सरकार समय पर पंचायत चुनाव कराना चाहती थी, लेकिन परिसीमन और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण यह संभव नहीं हो सका। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अगले वर्ष चुनाव कराए जाएंगे। चुनाव स्थगित होने का अर्थ यह नहीं है कि पंचायतों का कामकाज प्रभावित होगा। मौजूदा मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य अगले नौ से दस महीने तक अपने पदों पर बने रह सकते हैं तथा पहले की तरह विकास कार्यों की निगरानी और प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2021 में भी कोरोना महामारी के कारण पंचायत चुनाव निर्धारित समय पर नहीं हो सके थे और पंचायतों के संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी। अब तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से चुनाव आगे बढ़ाए गए हैं। ऐसे में बिहार की नई पंचायत सरकार के गठन के लिए राज्य के लोगों को अगले वर्ष तक इंतजार करना होगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक बने मनीष जैन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे को नया अपर महाप्रबंधक मिल गया है। मनीष जैन ने शुक्रवार को अपर महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वह मेट्रो रेलवे, कोलकाता में प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। मनीष जैन भारतीय रेल यांत्रिक अभियंता सेवा (आईआरएसएमई) के वर्ष 1990 बैच के अधिकारी हैं। रेलवे में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान मनीष जैन ने कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभाई हैं। वह पूर्व रेलवे में मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग) और हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक रह चुके हैं। रेलवे बोर्ड में उन्होंने कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक अभियांत्रिकी-माल) तथा कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक अभियांत्रिकी-ट्रैक्शन) के रूप में भी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा वह इरकॉन में मुख्य महाप्रबंधक, कॉनकॉर में समूह महाप्रबंधक (तकनीकी) तथा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के निदेशक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। भारतीय रेल में अन्य कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी उनके अनुभव का हिस्सा रहा है। मनीष जैन को रेल अभियांत्रिकी और रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न विषयों का व्यापक ज्ञान और समृद्ध कार्यानुभव प्राप्त है। उन्होंने भारत के साथ-साथ अमेरिका और कनाडा सहित कई देशों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। पेशेवर दायित्वों के अलावा उनकी रुचि खेल, चलचित्र और संगीत में भी है।

आइसीएमएआइ के पटना साहिब चैप्टर में सशस्त्र बलों के कार्मिकों के लिए कैट (डीजीआर) बैच शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय लागत लेखाकार संस्थान द्वारा रक्षा पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय के सहयोग से संचालित सर्टिफिकेट इन अकाउंटिंग टेक्नीशियन्स (कैट-डीजीआर) कार्यक्रम के तहत पटना साहिब चैप्टर में नए बैच की शुरुआत हो गई है। वर्ष 2023 से संचालित इस कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्ति के निकट पहुंच चुके कार्मिकों को लेखांकन, वित्त एवं व्यावसायिक प्रबंधन का रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक देशभर में 1,970 रक्षा कार्मिक इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में देश के 49 स्थानों पर 82 कैट (डीजीआर) बैच संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 3,280 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पटना साहिब चैप्टर के इस बैच में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के 49 नामांकित अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। बैच के शुभारंभ अवसर पर आईसीएमएआई के काउंसिल सदस्य सीएमए चित्तरंजन चट्टोपाध्याय, सीएमए अविजीत गोस्वामी एवं सीएमए बी. बी. नायक उपस्थित रहे। इस दौरान रक्षा पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में सशस्त्र बलों के कार्मिकों के लिए कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पटना साहिब चैप्टर के सचिव सीएमए मो. अमानुद्दीन, सीएमए श्रवण कुमार एवं सीएमए रिज़वान अहमद ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

बिहार में शिक्षक स्थानांतरण की समय सारिणी जारी, 29 जुलाई से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के सरकारी शिक्षकों के स्थानांतरण को पारदर्शी, चरणबद्ध और समयबद्ध बनाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। नई अधिसूचना के अनुसार समायोजन, समानीकरण, पारस्परिक स्थानांतरण और सामान्य स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया जुलाई से अक्टूबर 2026 के बीच संपन्न होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी चरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे, ताकि शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना संख्या-747, दिनांक 17 जुलाई 2026 में बताया गया है कि विभागीय अधिसूचना संख्या-656, दिनांक 25 जून 2026 के माध्यम से बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 अधिसूचित की गई थी। इसी नियमावली के तहत समायोजन, समानीकरण, पारस्परिक स्थानांतरण तथा सामान्य स्थानांतरण से संबंधित गतिविधियों का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार समायोजन और पारस्परिक स्थानांतरण के लिए आवेदन 29 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक लिए जाएंगे। इसके बाद पहले चरण में जिला, प्रमंडल और राज्य स्थापना समिति की बैठकें, शिक्षकवार समायोजन एवं समानीकरण सूची का प्रकाशन, सूची पर आपत्तियां तथा उनके निपटारे की प्रक्रिया 7 अगस्त से 9 सितंबर 2026 तक चलेगी। दूसरे चरण में पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया जिला, प्रमंडल और राज्य स्थापना समिति के माध्यम से 10 से 14 सितंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। तीसरे चरण में समायोजन और पारस्परिक स्थानांतरण के बाद विद्यालयवार संशोधित रिक्तियों का प्रकाशन 16 सितंबर 2026 को होगा। सामान्य स्थानांतरण के लिए शिक्षकों से विद्यालयों के विकल्प सहित आवेदन 17 से 23 सितंबर 2026 तक लिए जाएंगे। इसके बाद सामान्य स्थानांतरण सूची का प्रकाशन, उस पर आपत्तियों की सुनवाई और अंतिम निपटारा 24 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि निर्धारित समय-सारिणी का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह आदेश राज्यपाल के आदेश से शिक्षा विभाग के उप सचिव अजय सतीश भंगरा द्वारा जारी किया गया है।

'उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य', घर बैठे अब होगी मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी

लाइव क्लासेज के माध्यम से पटना के 10 मॉडल स्कूलों में शुरू हुई पढ़ाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के उन छात्र-छात्राओं का सपना साकार कर दिया है जो मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने के लिए महंगे कोचिंग संस्थानों में जाने से वंचित रह जाते थे। सरकार के इस प्रयास से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी अब घर बैठे ही जेईई और नीट प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। इसके लिए पटना के 10 सरस्वती विद्या निकेतन के नाम पर बनाये गए आदर्श विद्यालयों में लाइव क्लासेज के माध्यम से पढ़ाई शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार ने सात निश्चय-3 (2025-30) 'उन्नत शिक्षा- उज्ज्वल भविष्य' के तहत चयनित सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं नवाचार आधारित शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके तहत बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिला स्कूलों और प्रत्येक प्रखण्ड में अवस्थित एक-एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मिलाकर कुल 544 विद्यालयों को सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) के रूप में चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त पूर्व से संचालित 155 राजकीय एवं राजकीयकृत विद्यालयों को भी इसी योजना के अंतर्गत उन्नत किया जाएगा। ताकि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को उनके घर के पास ही बेहतर शिक्षा मिल सके। इसके साथ ही उन्हें नीट और जेईई प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना के 10 मॉडल स्कूलों में लाइव क्लासेज का शुभारंभ करने के साथ ही नीट और जेईई प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए पढ़ाई शुरु हो गई। विद्यार्थी उन विद्यालयों में जाकर पढ़ाई करने के साथ ही घर बैठे भी ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। राज्य सरकार ने पटना के जिन 10 सरस्वती विद्या निकेतनों (मॉडल स्कूल) में नीट और जेईई की तैयारी करने के लिए लाइव क्लासेज शुरू किया है उसमें वीरचंद पटेल पथ स्थित देवीपद चौधरी शहीद स्मारक (मिलर) उच्च माध्यमिक विद्यालय, डीवीआरके जलान उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना सिटी, जनकधारी उच्च माध्यमिक विद्यालय दानापुर कैंट, केबी सहाय उच्च माध्यमिक विद्यालय शेरूल्लाहपुर, महंथ हनुमान शरण उच्च माध्यमिक विद्यालय राजापुर मैनपुरा, राजकीय ब्वायज हाई स्कूल राजेंद्र नगर, शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गर्दनीबाग, श्री रघुनाथ प्रसाद गर्ल्स हाई स्कूल कंकड़बाग, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना सिटी और राजकीय गर्ल्स उच्च माध्यमिक विद्यालय शस्त्रीनगर शामिल हैं।

पीएम-अजय योजना से अनुसूचित जाति बहुल गांवों में विकास को गति

47.59 लाख से अधिक लोग हुए लाभान्वित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। अनुसूचित जाति समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास को गति देने वाली प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत देशभर में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। योजना के माध्यम से अब तक 47.59 लाख से अधिक नागरिक लाभान्वित हुए हैं। आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 16,759 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है जबकि 46,782 से अधिक विकास कार्य पूरे किए गए हैं। साथ ही 24,133 ग्राम विकास योजनाएं तैयार की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार पीएम-अजय के तहत 47,316 अनुसूचित जाति बहुल गांवों को योजना में शामिल किया गया है। योजना का उद्देश्य गरीबी कम करना, आजीविका के अवसर बढ़ाना, आधारभूत संरचना का विकास करना तथा तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 750 विद्यार्थियों के आवास की व्यवस्था हेतु दो बालिका छात्रावास सहित तीन छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण के लिए 22.50 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता स्वीकृत की गई है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय से योजना जमीनी स्तर पर समुदायों को सशक्त बना रही है। मंत्रालय ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पीएम-अजय पोर्टल और अजय मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया है।

कौशल युवा कार्यक्रम की नियमित कक्षाएं सोमवार से, विद्यार्थियों में दिख रहा उत्साह : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा में हाल ही में प्रारंभ किए गए 'कौशल युवा कार्यक्रम' को विद्यार्थियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। कार्यक्रम के सफल शुभारंभ के बाद अब सोमवार से नियमित कक्षाओं का संचालन प्रारंभ किया जा रहा है। क्षेत्र के छात्र-छात्राओं में आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है तथा नामांकन का सिलसिला लगातार जारी है। संस्थान के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने बताया कि कौशल युवा कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को ऐसी व्यावहारिक एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है जिससे वे रोजगार, स्वरोजगार और डिजिटल युग की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह साबित करती है कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने बताया कि नियमित कक्षाओं में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटर शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, रोबोटिक्स तथा विभिन्न जॉब-ओरिएंटेड एवं हाई-टेक पाठ्यक्रमों का व्यावहारिक प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। संस्थान प्रबंधन के अनुसार बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन नामांकन के लिए संपर्क कर रहे हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों का उत्साह इस बात का संकेत है कि कौशल युवा कार्यक्रम क्षेत्र के युवाओं के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। संस्थान ने इच्छुक छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे शीघ्र नामांकन कराकर आगामी सोमवार से प्रारंभ होने वाली नियमित कक्षाओं का लाभ उठाएं और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाएं।

जदयू पूर्व सांसद वशिष्ठ नारायण से मंत्री ने मुलाकात कर पूछा हालचाल

दिल्ली एम्स में मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह पिछले 8 जुलाई से दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती हैं। शुक्रवार को उनके स्वास्थ्य का हाल जानने बिहार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री तथा जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार दिल्ली पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने वशिष्ठ नारायण की हालत में पहले की तुलना में सकारात्मक सुधार बताया है। डॉक्टरों ने कहा कि वे जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाएंगे। फिलहाल उनकी तबीयत में तेजी से सुधार हुआ है। मंत्री श्रवण कुमार ने वशिष्ठ नारायण के शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने और बिहार लौटने की कामना की है। उन्होंने कहा कि जदयू परिवार और बिहारवासी उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। इस मौके पर एमएलसी सह विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी भी मौजूद रहे। उन्होंने भी वशिष्ठ नारायणजी के जल्द ठीक होने के लिए शुभकामनाएं दी। उम्मीद जताई कि जल्द ही वशिष्ठ नारायण सिंह पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर बिहार लौटेंगे।

नीट-यूजी में सफल विद्यार्थियों को विधानसभा अध्यक्ष ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के घोषित परिणामों में देशभर के विद्यार्थियों की शानदार सफलता ने युवा प्रतिभा, कठिन परिश्रम और संकल्प की नई मिसाल पेश की है। इस उपलब्धि पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे परिणाम न केवल व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक हैं, बल्कि देश और समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला भी हैं। उन्होंने विशेष रूप से बिहार के उन विद्यार्थियों की सराहना की जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। डॉ. प्रेम कुमार ने नीट-यूजी परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करने वाले देश के सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता युवाओं की मेधा, अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प का परिचायक है। उन्होंने कहा कि बिहार के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और कठिन परिश्रम के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का मान बढ़ाया है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर पूरी निष्ठा से आगे बढ़ने का उत्साह देगी। डॉ. प्रेम कुमार ने ऑल इंडिया टॉप-टेन में स्थान हासिल करने वाले आयुष भालोटिया और रिया रंजन को विशेष रूप से बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों विद्यार्थी आगे भी चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।

महिला कल्याण संगठन ने पूर्व मध्य रेल सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, दानापुर की अध्यक्षा निशी देव के नेतृत्व में पूर्व मध्य रेल सिनियर सेकेन्ड्री स्कूल में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता है। वृक्षारोपण अभियान भी उसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और समाज को अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना है।

गूगल के सहयोग से किसानों के लिए बीज से बाजार तक डिजिटल व्यवस्था विकसित करेंगे : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज नई दिल्ली में गूगल के गवर्नमेंट बिजनेस हेड आशीष वट्टल एवं उनकी टीम के साथ बैठक कर कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीक, फार्मर आईडी तथा किसानों को बीज से बाजार तक तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में किसानों का योगदान सदैव सर्वोपरि रहा है। देश ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' के मंत्र से प्रेरणा ली, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने इसमें 'जय विज्ञान' का सूत्र जोड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे आगे बढ़ाते हुए 'जय अनुसंधान' का मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि यही 'जय अनुसंधान' आज कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, नवाचार और डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से किसानों के जीवन में परिवर्तन का आधार बन रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि देश के प्रत्येक किसान की फार्मर आईडी बने, जो केवल एक पहचान पत्र नहीं बल्कि किसान का डिजिटल कृषि अभिलेख होगी। इसमें किसान को मिलने वाली उर्वरक एवं कीटनाशी की उपलब्धता, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त सब्सिडी, कृषि उपज की खरीद सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां एकीकृत रूप से उपलब्ध रहेंगी। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंच सकेगा।

राष्ट्रीय सहयोग पार्टी ने बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा को दिया समर्थन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रचनात्मक राजनीति के प्रति समर्पित राष्ट्रीय सहयोग पार्टी ने 'विकसित बिहार - विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को पत्र लिखकर समर्थन की जानकारी दी। डॉ. वर्मा ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार करेंगे। डॉ. वर्मा ने बांकीपुर की जनता से अपील की है कि वे विकास और सुशासन के लिए भाजपा के होनहार, विनम्र व कर्मठ प्रत्याशी नीरज सिन्हा को भारी मतों से जिताएं।

बिहार में सीएसआर निवेश को बढ़ाने के लिए आगे आएं संस्थाएं : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने देश की प्रमुख सामाजिक एवं कॉरपोरेट संस्थाओं से बिहार में निवेश करने और सामाजिक विकास कार्यों के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने गुरुवार को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली स्थित सत्य साई ग्राम में स्वर्ण जयंती समारोह के मौके पर आयोजित सीएसआर कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार में देश के अन्य राज्यों की तुलना में सीएसआर मद में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। ऐसे में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्थाओं के लिए बिहार में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य सरकार ने निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं तथा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर निवेशकों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विभिन्न संस्थाओं ने दक्षिण भारत में समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उसी प्रकार उत्तर भारत, विशेषकर बिहार के विकास में भी सहभागिता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का यह मंच उत्तर और दक्षिण भारत के मिलन का प्रतीक है। जिस तरह आपने दक्षिण को संवारा, उसी तरह उत्तर को संवारने की भी जिम्मेदारी आपकी है। शिक्षा मंत्री ने सत्य साई ग्राम में संचालित वेद विद्यालय, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का अवलोकन करने के बाद अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने संस्थान की निस्वार्थ सेवा, अनुशासन, स्वच्छता और समाज के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक मॉडल बताया। उन्होंने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु मधुसूदन साई से बिहार में भी कर्नाटक की तर्ज पर शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संस्थान स्थापित करने का आग्रह किया। कहा कि मिशन लंबे समय से बिहार में अवसर तलाश रही है।

संपादकीय

महंगाई फिर रफ्तार पर, खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता

खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी।किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता।देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है।सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है?खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव श्री जगन्नाथ यात्रा

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है।

(ललित गर्ग)

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं।

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक

पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इसलिए जरूरी है नाम बदलना

(डॉ. अवनीश मिश्रा)

कोई राष्ट्र यदि अपनी पहचान भुला देता है तो वह अपना गौरवबोध खोने के साथ ही भविष्य की दिशा भी खो देता है। कहते हैं कि जड़ों से कटा वृक्ष कभी छाया नहीं दे सकता। यही सत्य सभ्यताओं पर भी लागू होता है जिसकी पहचान नामों से होती है। नदी का नाम, नगर का नाम, गली-मोहल्ले का नाम, ये मात्र पहचान के चिह्न नहीं हैं, आस्था और सांस्कृतिक निरंतरता के जीवंत साक्षी भी हैं। भारत पर हमले के बाद आक्रांताओं ने इसीलिए यहां की पहचान को सबसे पहले बदलने का प्रयास किया। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में कई स्थानों के नाम बदल दिए गए। उत्तर प्रदेश की पावन धरती ने लंबे समय तक इस सांस्कृतिक हिंसा को चुपचाप सहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से यह मौन टूटने लगा। उत्तर प्रदेश में गुलामी के प्रतीकों को हमेशा के लिए खत्म करने की दिशा उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए और कई स्थानों का नाम बदलकर उन्हें उनका गौरव वापस दिलाया। हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम परशुराम पुरी, अयोध्या जिले में नगर पंचायत खिलौनी-सुचितगंज को मां ज्वाला जी, कुशीनगर के फाजिलनगर का पावागढ़ और भदरसा को भरत नगर करना सीओम योगी की इसी प्राथमिकता का हिस्सा हैं। इतिहास को पलटने में कई काले पन्ने भी दिखते हैं। इन पन्नों में मुगलकाल में उत्तर प्रदेश के शहरों, गांवों और कस्बों का नाम बदला जाना भी है। गाजीपुर, आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, इलाहाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर जैसे अनेक बड़े जिलों के नाम मुगल सल्तनतों, उनके सेनापतियों और परिजनों के नाम पर रखे गए। आगरा को अकबराबाद कहा गया, प्रयागराज को इलाहाबाद कर दिया गया। यह एक सुनियोजित सांस्कृतिक विस्थापन था, जिसने भारत की मूल पहचान पर आक्रांताओं की मुहर लगा दी। योगी सरकार इन नामों को बदलने का साहस दिखा रही है, तो यह केवल इतिहास का सुधार नहीं, बल्कि उस अन्याय का भी प्रतिकार है जो पीढ़ियों ने सहा। इलाहाबाद का प्रयागराज बनना इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक अध्याय है। जिस भूमि पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का पवित्र संगम होता है, जहां हर बारह वर्ष में करोड़ों श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए उमड़ते हैं, उस नगर को एक ऐसा नाम ढोना पड़ा जिसका उसकी आध्यात्मिक चेतना से कोई नाता नहीं था। योगी सरकार ने प्रयागराज को उसका पुराना नाम वापस दिया है तो मानों इस पौराणिक स्थल की आत्मा वापस आई है। इसी तरह फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या करना भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को उसका वास्तविक गौरव लौटाने जैसा कदम है। मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर करना भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी है, जिसने एक महान विचारक को सम्मान देकर उस स्थान को नई पहचान दी। हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर 'परशुराम पुरी' करने का निर्णय राज्य

मंत्रिमंडल ने लिया तो इसके भी विशिष्ट कारण हैं। यह क्षेत्र भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है और स्थानीय जनता वर्षों से इस पुनर्स्थापना की मांग कर रही थी। इसी तरह अयोध्या में खिलौनी-सुचितगंज को 'मां ज्वाला' का नाम दिया जाना और भदरसा 'भरत नगर' की संज्ञा दिया जाना भी जन-आकांक्षाओं और लोक-आस्था का सम्मान है। गोरखपुर, जो स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि है, वहां भी उन्होंने सांसद रहते हुए इसी दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। उर्दू बाजार का नाम 'हिंदी बाजार', हुमायूंपुर का नाम 'हनुमान नगर', मियां बाजार का नाम 'माया बाजार' और अलीनगर का नाम 'आर्य नगर' कर दिया गया। ये सभी परिवर्तन स्थानीय पहचान को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जोड़ने का प्रयास हैं। वस्तुतः सनातन आस्था से जुड़े लोग स्वयं भी गुलामी के प्रतीक इन नामों से मुक्ति चाहते हैं इसलिए उनकी ओर से इसके लिए आवाजें उठती रही हैं। संभल जिले के लिए कल्कि नगर या पृथ्वीराज नगर जैसे नाम सुझाए गए हैं, जो भगवान विष्णु के भावी अवतार और पृथ्वीराज चौहान जैसे शौर्यवान शासक की स्मृति को सम्मान देने का प्रयास हैं। देवबंद को देववृंदपुर करने की मांग भी स्थानीय जनप्रतिनिधि उठा चुके हैं। जब कोई समाज अपने नगरों को उनके पौराणिक, ऐतिहासिक या आस्था से जुड़े नामों से पुकारना चाहता है, तो लोकतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है कि वह उस भावना को स्वर दे और योगी सरकार ने यही किया है।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी।

(उमेश चतुर्वेदी)

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं।

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है। इतिहास

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति

पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था।

विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा।

आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रमों की उच्चस्तरीय समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । समाहरणालय सभाकक्ष में नीति आयोग के आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव सह कटिहार जिले के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी राहुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय पदाधिकारी एवं नीति आयोग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।समीक्षा के दौरान केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने जिले के विभिन्न विकास सूचकांकों में हुए सुधारों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों के बल पर आकांक्षी जिला डेल्टा रैंकिंग मार्च 2026 में उत्कृष्ट सुधार बताया गया है।जिससे जिला का समग्र स्कोर बढ़कर 61.2 हो गया है।उन्होंने कहा कि इसी के साथ जिला देश में 40 वां स्थान पर आ गया है।बताया गया कि स्वास्थ्य एवं पोषण में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। प्रथम त्रैमासिक में गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण बढ़कर 99.18 प्रतिशत हो गया है, जो वर्ष 2018 में मात्र 66.92 फीसदी था। इसके अतिरिक्त, बाढ़ प्रभावित और दियारा क्षेत्रों में मानसून के दौरान नावों के सहारे टीकाकरण एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना एक अत्यंत सराहनीय और अभिनव पहल मानी जा रही है। वहीं गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की दर घटकर अब मात्र 0.80 प्रतिशत रह गई है।शिक्षा सूचकांक में भी जिला ग्राफ बढ़ा है।प्राथमिक से उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की संक्रमण दर में सुधार हुआ है और यह बढ़कर 79.48 फीसद हो गया है। जबकि उच्च प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर यह 74.48 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिले के सभी 259

माध्यमिक और उच्च माध्यमिक सरकारी विद्यालयों में 'स्मार्ट क्लास का सफल संचालन किया जा रहा है। बच्चों को आकर्षित करने के लिए स्कूलों में बाला पेंटिंग और ई-शिक्षकोश पोर्टल के माध्यम से नियमित छात्र ट्रैकिंग की जा रही है। कृषि एवं जल संसाधन सूचकांक में बेहतर प्रदर्शन रहा है। कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी और जैविक कॉरिडोर के तहत खीरे की खेती जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 'जल जीवन हरियाली' अभियान के तहत मनरेगा के माध्यम से जिले में अब तक 1,230 जल निकायों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है और 75 'अमृत सरोवरों' का सुंदर निर्माण किया गया है। वित्तीय समावेशन एवं बुनियादी ढांचा में मुद्रा ऋण वितरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।यह प्रति 1 लाख आबादी पर 162 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत प्रति लाख आबादी पर 60,585 खाते खोले जा चुके हैं। बुनियादी ढांचे के तहत जिले के 100 फीसदी ग्राम पंचायतों को इंटरनेट कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है।जबकि जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 3,891 आयरन रिमूवल प्लांट स्थापित किए गये हैं।उन्होंने बताया है कि आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत ऐतिहासिक उपलब्धि रही है।मनिहारी प्रखंड पूर्वी भारत में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है।जबकि कुरसेला प्रखंड पूरे राज्य में अव्वल आया है।सम्पूर्णता अभियान के तहत निर्धारित सभी 6 प्रमुख संकेतकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति हासिल होने से प्रखंड को यह गौरव हासिल हुआ है। बैठक में नीति आयोग से स्वीकृत अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के प्रगति की भी समीक्षा की गई।जिसमें में मनिहारी प्रखंड में 77.94 लाख रुपये की लागत से खेल परिसर का विकास, मनिहारी अनुमंडल अस्पताल में 72.03 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी की स्थापना, और जिले में 'रोबोशाला व डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना शामिल हैं।प्रभारी अधिकारी राहुल सिंह ने अधिकारियों को शत-प्रतिशत संतृप्ति से दूर रहने वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मोबाइल और मोटर साइकिल एम्बुलेंस सेवा की नियमितता सुनिश्चित करने, शिक्षा विभाग को ड्रॉप-आउट दर शून्य करने तथा कृषि विभाग को ड्रोन तकनीक का अधिकतम उपयोग कर उत्पादकता बढ़ाने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री ने किया पुनर्विकसित हल्दीबाड़ी स्टेशन का लोकार्पण

अमृत भारत योजना से बदली स्टेशन की तस्वीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सीमांचल और उत्तर बंगाल के रेल यात्रियों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। जब अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हल्दीबाड़ी रेलवे स्टेशन का लोकार्पण प्रधानमंत्री

ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह उत्साह और गौरव के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जलपाईगुड़ी के सांसद जयंत रॉय शामिल हुए। उनके साथ मंडल रेल उपयोगकर्ता शामिल रहे। कटिहार रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह के नेतृत्व में आयोजित समारोह में एडीआरएम एनजेपी अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनूप कुमार सिंह, एरिया मैनेजर अक्षांश वर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एपी. श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता पंकज पॉल, मंडल सुरक्षा आयुक्त संदीप कुमार पी.एस. सहित रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। लोकार्पण के बाद अतिथियों ने पुनर्विकसित स्टेशन का निरीक्षण किया। आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक स्टेशन भवन, यात्रियों की सुविधा के अनुरूप विकसित आधारभूत संरचना तथा स्वच्छ एवं सुंदर परिसर ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना केवल स्टेशन के सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेलवे तेजी से आधुनिक स्वरूप ग्रहण कर रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से देशभर के रेलवे स्टेशनों को नई पहचान मिल रही है, जिससे स्थानीय विकास, व्यापार, पर्यटन और रोजगार को भी नई गति मिलेगी। मौके पर परामर्शदात्री समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम कटिहार के अतिक्रमण हटाओ अभियान में 39,000 का जुमार्ना वसूला : नगर आयुक्त

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर निगम कटिहार की ओर से नगर आयुक्त संतोष कुमार के नेतृत्व में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर आयुक्त मौके पर मौजूद रहकर कार्रवाई का नेतृत्व किये। यह अभियान शिवमंदिर चौक से प्रारंभ होकर बड़ी बाजार होते हुए चूड़ी पट्टी एवं पुरानी धर्मशाला होते हुए बनिया टोला चौक तक चलाया गया। इस दौरान सड़क एवं फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया तथा अतिक्रमणकारियों को भविष्य में सार्वजनिक स्थलों पर

अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई।अभियान के दौरान नगर निगम द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले अतिक्रमणकारियों से कुल ₹39,000 का जुमार्ना वसूला गया। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ एवं सुगम यातायात के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी। इस अभियान में नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। नगर निगम ने नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा नगर निगम के नियमों का पालन करते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग दें। इस दौरान कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, सिटी मैनेजर ज्योति कृष्णमुर्ति, स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, कैलाश चौधरी, नुर अली खान, जेई धर्मेन्द्र कुमार, राजीव चाकी, अमरेंद्र झा, अभिषेक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

19 जुलाई को होगा मुनिद्वय का चातुर्मासिक प्रवेश

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री प्रशांत कुमार जी मुनि श्री कुमुद कुमार

जी कटिहार जैन भवन में 19 जुलाई रविवार को चातुर्मासिक प्रवेश करेंगे। जैन मुनि पदयात्रा के माध्यम से जन-जन में नैतिकता, प्रामाणिकता, अहिंसा, नशामुक्ति, सद्संस्कार, जैनत्व एवं श्रावकत्व के भाव को पुष्ट करते हैं। जैन मुनि आत्मसाधना करते हुए मानवजाति के कल्याण के लिए प्रवचन के माध्यम से सुसंस्कारी जीवन की प्रेरणा देते हैं। चार महीने में ज्ञान, दर्शन,चारित्र और तप की विशेष आराधना चार तीर्थ करता है। हनुमान नाहटा ने बताया कि कटिहार में पहली बार संतों का चातुर्मास होने जा रहा है। सम्पूर्ण श्रावक समाज में जागृति एवं उत्साह का अभूतपूर्व माहौल है। धर्मसंघ की सभी संस्थाओं के कार्यकर्ता अपने -अपने दायित्व के प्रति जागरूक रहकर चातुर्मास की तैयारी में जुटे है। सम्पूर्ण श्रावक समाज में मुनिद्वय के चातुर्मास के प्रति खुशी का माहौल है। आसपास के अनेक गांव के श्रावक श्राविका मंगल प्रवेश पर पहुंच रहे हैं। मुनि श्री ने भवन प्रवेश से पूर्व नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सार संभाल की जिससे समाज में जागृति आई है। मुनि प्रशांत कुमार जी मुनि कुमुद कुमार जी बुधमलजी संचेती के निवास स्थान चुनागाली से 8 :45 बजे प्रस्थान कर 9 बजकर 15 मिनट पर जैन भवन में मंगल प्रवेश करेंगे जहां कटिहार तेरापंथ समाज एवं अन्य अंचल के श्रद्धालु जन मुनिगण का स्वागत अभिनन्दन करेंगे एवं आचार्य श्री महाश्रमण जी के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करेंगे।

स्कूली किशोर शिक्षा एवं स्वास्थ्य प्रशिक्षण का आयोजन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सदर अस्पताल सभागार में किशोर शिक्षा एवं किशोर स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर एस सुमन ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण का आयोजन डेप्कू कटिहार सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में कोढ़ा, कटिहार, फलका ,हसनगंज.प्रानपुर ,कदवा एवम मनिहारी प्रखंड के चयनित शिक्षकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इस अवसर पर वाइआरजी केयर बीएसएससी पटना के टेक्निकल एक्सपर्ट अजय कुमार बरनवाल ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में दो बैचों में कुल 100 शिक्षकों प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागी ने भाग लिया।प्रशिक्षण के दौरान किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं

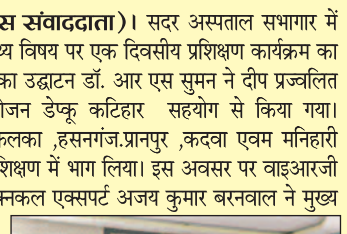

भावनात्मक परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि किशोरों के समग्र विकास के लिए सही मार्गदर्शन, सकारात्मक संवाद तथा वैज्ञानिक एवं आयु-उपयुक्त जानकारी अत्यंत आवश्यक है।अजय कुमार बरनवाल ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षक केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि किशोरों के विश्वासपात्र मार्गदर्शक भी होते हैं। यदि शिक्षक किशोर स्वास्थ्य, जीवन कौशल एवं व्यवहार परिवर्तन से संबंधित विषयों की सही जानकारी रखेंगे, तो वे विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण व्यवहार से बचाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रभावी रूप से प्रेरित कर सकेंगे। डीपीएम शौनिक प्रकाश ने कहा कि किशोरों में नशा सेवन की रोकथाम, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, जीवन कौशल, एचआईवी एवं एड्स की रोकथाम तथा सुरक्षित एवं स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि जागरूकता, समय पर परामर्श और सही जानकारी के माध्यम से किशोरों को अनेक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से सुरक्षित रखा जा सकता है।उद्घाटन सत्र में डॉ. आरएस सुमन ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। इस अवधि में सही शिक्षा और उचित परामर्श युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, बेहतर स्वास्थ्य तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे विद्यालयों में किशोर स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल शिक्षा को प्रभावी ढंग से विद्यार्थियों तक पहुंचाएं।डॉ.आभा कुमारी पीपीटीसीटी काउंसलर ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे प्राप्त जानकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोरों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, जोखिमपूर्ण व्यवहार की रोकथाम करना तथा एचआईवी, एड्स सहित विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का समापन मिथिलेश ठाकुर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रभाकर लाल दास, जीतू महाराज, नवीन सेन, पवन कुमार, रविशंकर झा, रामनिरेखन दुबे, गौतम कुमार प्रिजन ने विशेष योगदान दिया।

जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने किया एमआरएफ व कम्पोस्ट प्लांट का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहरी स्वच्छता और वैज्ञानिक पद्धति से कचरा निस्तारण की दिशा में जिला प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने नगर निगम क्षेत्र में संचालित एमआरएफ मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी और कम्पोस्ट प्लांट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन से जुड़ी बारीकियों का जायजा लिया और ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के तहत जारी गाइडलाइंस को धरातल पर कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिये।निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी श्री द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2016 में लागू हुए ठोस

कचरा प्रबंधन नियमों के बाद से प्रशासन गीले और सूखे कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए विशेष रूप से प्रयासरत है। इस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिले के सभी नगर निकायों में या तो स्वतंत्र रूप से भूमि चिन्हित की जा रही है। अथवा उन्हें उचित डंपिंग व प्रसंस्करण स्थलों के साथ टैग किया जा रहा है। वर्तमान में नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 100 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला एमआरएफ और कम्पोस्ट प्लांट सुचारू रूप से संचालित है। जिसका मुख्य उद्देश्य कचरे का त्वरित और सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करना है। प्रशासन का मुख्य लक्ष्य ठोस कचरा प्रबंधन रूल्स 2016 का शत - प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना है। जिसके लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।बस स्टैंड के समीप जमा कचरे और डंपिंग साइट को लेकर पूछे गए सवालों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इस स्थल को पूरी तरह से चिन्हित कर लिया गया है। वहाँ मौजूद बरसों पुराने कचरे, जिसे तकनीकी भाषा में 'लेगेसी वेस्ट' कहा जाता है को हटाने का कार्य निरंतर जारी है। इस पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और उचित हैंडलिंग के लिए पहले से ही एक विशिष्ट एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो इस पर काम कर रही है। चूंकि यह एक एमआरएफ और कम्पोस्टिंग साइट है।

नगर निगम क्षेत्र में राशन कार्ड निर्माण के लिए विशेष शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नगर निगम कटिहार क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तिनगछिया काली मंदिर परिसर एवं नगर निगम कार्यालय परिसर में नया राशन कार्ड बनाने हेतु विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया है ।शिविर में बड़ी संख्या में लाभुकों ने पहुँचकर नए राशन कार्ड के लिए आवेदन किए तथा आवश्यक दस्तावेज जमा किए। शिविर में उपस्थित कर्मियों द्वारा आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया,आवश्यक दस्तावेजों एवं पात्रता संबंधी जानकारी भी दी गई, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इस अवसर पर नए राशन कार्ड बनाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने/हटाने तथा राशन कार्ड से विभाजन से संबंधित आवेदनों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना रहा। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुँचकर सरकारी सेवाओं का लाभ उठाएँ तथा किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए शिविर में उपस्थित कर्मियों से संपर्क करें।

जयमाला शिक्षा निकेतन के दो छात्रों ने नीट में हासिल की शानदार सफलता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । जयमाला शिक्षा निकेतन कटिहार के लिए एक बार फिर गर्व का अवसर आया है। विद्यालय के मेधावी छात्र मास्टर हर्ष झा एवं मास्टर अजीत कुमार ने नीट - 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय अपने अभिभावकों एवं पूरे जिले का नाम रोशन किया है। हर्ष झा ने अपने दूसरे प्रयास में जबकि अजीत कुमार ने प्रथम प्रयास में ही नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। दोनों विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक यात्रा बचपन से ही एक साथ शुरू की। प्रारंभिक शिक्षा से लेकर मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट तक की संपूर्ण पढ़ाई जयमाला शिक्षा

निकेतन कटिहार से एक ही बैच में की है। दोनों ने विद्यालय के छात्रावास में रहकर शिक्षा ग्रहण की तथा वर्षों तक एक-दूसरे के साथी, सहपाठी और प्रेरणास्त्रोत बने रहे। आज दोनों ने एक साथ डॉक्टर बनने की दिशा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। विद्यालय में अध्ययन के दौरान दोनों छात्र अत्यंत अनुशासित, संस्कारी, मेहनती एवं प्रतिभाशाली रहे। उन्होंने प्रत्येक कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और लगभग हमेशा अपनी कक्षा में प्रथम से दसवें स्थान टाप टेन के बीच स्थान प्राप्त किया। शिक्षकों के मार्गदर्शन, कठिन परिश्रम एवं निरंतर अभ्यास के बल पर दोनों विद्यार्थियों ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. एसके सुमन ने दोनों विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जयमाला शिक्षा निकेतन पिछले दस वर्षों से लगातार नीट,आईआईटी एवं एनडीए जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का इतिहास रचता आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि विद्यालय के समर्पित शिक्षकों, अभिभावकों के विश्वास तथा विद्यार्थियों की अथक मेहनत का संयुक्त परिणाम है।डॉ. सुमन ने कहा, "आज हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कार का जो वातावरण तैयार किया गया है, उसका परिणाम लगातार राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है। हमारे छात्र लगातार नीट, आईआईटी एवं एनडीए जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। यह उपलब्धि सभी शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। हमें विश्वास है कि हर्ष और अजीत चिकित्सा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर समाज और राष्ट्र की सेवा करेंगे।

श्रमिकों को मिली कल्याणकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग की ओर से एक दिवसीय ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन एलडब्लुसी कैम्पस परिसर के संयुक्त श्रम भवन के सभागार में किया गया। जिसमें श्रमिकों के लिए संचालित योजना तथा जिला विधिक सहायता प्रधिकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार कमलेश सिंह देवु, एलएडीसी देव कुमार झा,श्रम अधीक्षक पिटर मिंज, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं श्रमिक संघों के प्रतिनिधि मुख्य रुप से उपस्थित

उपस्थित रहे। जबकि प्रशिक्षु के रुप में जिले के विभिन्न पंचायतों के श्रमिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रूपेश कुमार गौतम, पवन कुमार शर्मा, प्रेम कुमार, राजा बाबू, विमल प्रसाद, शानु कुमार झा ने श्रम विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं के महत्व को बताते हुए पात्र लाभार्थी को लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस क्रम में श्रमिकों द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब देकर उन्हें संतुष्ट भी किया गया।भाजपा सह श्रमिक नेता विकास सिंह ने श्रम विभाग से जुड़ी जानकारी साझा किया। डीएलएसए सचिव न्यायाधीश श्री देबू ने श्रमिको को दी जाने वाली मुफ्त विधिक सलाह एवं अन्य प्रवधानों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले श्रमिकों को मार्ग व्यय एवं सरकार द्वारा तय एक दिन की न्यूनतम मजदूरी भी दी गई।

कुरेठा रेलवे स्टेशन को लेकर सांसद के पत्र पर रेल मंत्री ने लिया संज्ञान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कटिहार सांसद तारिक अनवर के द्वारा 25 जून 2026 को जिले के कुरेठा रेलवे स्टेशन पर रेलयात्रियों को हो रही असुविधाओं ,ट्रेनें ठहराव एवं अन्य संबंधित समस्याओं के संबंध में भेजे गए पत्र का संज्ञान लिया है। कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने बताया कि रेल मंत्री श्री वैष्णव ने अपने उत्तर में सांसद श्री अनवर को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि आपके द्वारा उठाए गए सभी विषयों की जांच कराई जा रही है तथा जांच पूरी होने के उपरांत आवश्यक एवं उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी। कटिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और बेहतर रेल सेवाओं के लिए सांसद श्री तारिक अनवर निरंतर प्रयासरत हैं। जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को संबंधित मंत्रालयों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाना उनकी प्राथमिकता है और इन विषयों के समाधान तक उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा।

पाक कनेक्शन के आरोप में चार की गिरफ्तारी से मचा हड़कंप

मोबाइल चैट से खुला बड़ा राज व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम के जरिए विदेशी संपर्क, देशविरोधी साजिश की जांच तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार में एक बार फिर संदिग्ध आतंकी नेटवर्क से जुड़े तार सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कटिहार के कोढ़ा थाना क्षेत्र से शुरू हुई पुलिस कार्रवाई अब सीतामढ़ी तक पहुंच चुकी है, जहां गाढ़ा थाना क्षेत्र में दो और संदिग्धों की गिरफ्तारी ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। लगातार हो रही इन गिरफ्तारियों ने यह संकेत दिया है कि मामला सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि एक बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले की कड़ी सबसे पहले 6 जुलाई को मुंगेर जिले के तारापुर से गिरफ्तार किए गए सद्दाम से जुड़ती है, जिसे पुलिस ने जेल भेज दिया था। इसके बाद 13 जुलाई को जिले के कोढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुसापुर निवासी मोहम्मद अहद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद अहद के संपर्क सीतामढ़ी तक फैले हुए थे। इसी क्रम में 15 जुलाई को सीतामढ़ी जिले के गाढ़ा थाना क्षेत्र के टकोर गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद अखलाख (29) और मोहम्मद अरमान (28) दोनों निवासी ग्राम टकोर, थाना गाढ़ा, जिला सीतामढ़ी के रूप में हुई है।छापेमारी के दौरान पुलिस ने इनके पास से तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन मोबाइल में संदिग्ध व्हाट्सएप ग्रुप, विदेशी मोबाइल

नंबरों से लगातार संपर्क और पाकिस्तान स्थित संदिग्ध नेटवर्क से जुड़े डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि आरोपी देशविरोधी गतिविधियों की योजना से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अभी विस्तृत जांच जारी है और बरामद मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि तकनीकी रूप से पुख्ता साक्ष्य जुटाए जा सकें। गाढ़ा थाना में इस मामले को लेकर कांड संख्या 78/26 दर्ज किया गया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब जांच में यह सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों के तार कटिहार जिले में दर्ज एक अन्य देशविरोधी गतिविधियों के मामले केस संख्या 229/2026 से भी जुड़े हुए हैं। यह वही केस है जिसमें कोढ़ा थाना क्षेत्र के मुसापुर निवासी मोहम्मद अहद की गिरफ्तारी हुई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल से मिले चैट और कॉल डिटेल में यह संकेत मिला है कि वे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान स्थित एक संदिग्ध व्यक्ति जिसका नाम राणा हसनैन बताया जा रहा है से इनकी बातचीत के साक्ष्य मिलना बताया जा रहा है कि उक्त हैंडलर इन युवकों को भारत में सामाजिक अशांति फैलाने, मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को भड़काने और देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसा रहा था। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि के लिए पुलिस तकनीकी और फॉरेंसिक जांच पर विशेष जोर दे रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अब सिर्फ संवाद के लिए नहीं, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों के लिए भी किया जा रहा है। सीतामढ़ी पुलिस की इस कार्रवाई में गाढ़ा थानाध्यक्ष सोनी कुमारी की भूमिका अहम मानी जा रही है, जिन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को गिरफ्तार किया। वहीं, कटिहार और मुंगेर पुलिस के साथ समन्वय बनाकर इस पूरे नेटवर्क को खंगालने का काम तेजी से किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में अभी कई और खुलासे हो सकते हैं। बरामद मोबाइल फोन, चैट हिस्ट्री, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच के बाद ही पूरे नेटवर्क की वास्तविक तस्वीर सामने आ पाएगी।

पेप्सिको को 2026 की दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, उपभोक्ता मांग मजबूत: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेप्सिको के भारत और दक्षिण एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जागृत कोटेचा ने कहा कि कंपनी को 2026 की दूसरी छमाही में अपने कारोबार के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि महंगाई के दबाव के बावजूद शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग मजबूत बनी हुई है। कोटेचा ने उद्योग निकाय फिक्की द्वारा आयोजित फूडवर्ल्ड इंडिया के इतर कहा, हमारे खाद्य और पेय दोनों व्यवसायों के लिए पहली छमाही अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि व्यापक रही, जो दोनों पोर्टफोलियो, सभी क्षेत्रों और शहरी व ग्रामीण बाजारों में देखी गई। कोटेचा ने कहा कि कंपनी दूसरी छमाही के प्रदर्शन को लेकर सतर्क रूप से आशान्वित है। हालांकि, पेप्सिको अल नीनो जैसी मौसम संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ वैश्विक और घरेलू स्तर की अन्य अनिश्चितताओं पर नजर बनाए हुए है, जो उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा, हमारी पहली छमाही अच्छी रही है। खाद्य और पेय दोनों कारोबार में व्यापक स्तर पर वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि सभी क्षेत्रों, शहरी और ग्रामीण बाजारों तथा विभिन्न बिक्री माध्यमों में देखने को मिली। उन्होंने कहा कि कंपनी की ओर से उपभोक्ताओं और व्यापार भागीदारों के लिए चलाए गए कार्यक्रमों को साल की पहली छमाही में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दूसरी छमाही की संभावनाओं के बारे में कोटेचा ने कहा कि मांग के संकेत सकारात्मक हैं लेकिन कंपनी बाहरी परिस्थितियों पर लगातार नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि पेप्सिको ने हाल ही में असम में कंपनी के स्वामित्व वाले पहले स्नैक्स खाद्य संयंत्र की शुरुआत की है, जो विकास के अवसरों के मामले में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रति भरोसे को दर्शाता है। कोटेचा ने रेखांकित किया कि वैश्विक स्तर पर पेप्सिको की ऐसी नौ इकाइयों में से दो अब भारत में स्थित हैं।

140718 पर पहुंचा सोना और 215-512 पर आई चांदी

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर आज सोने और चांदी के भाव मिले-जुले रहे। इस दौरान वैश्विक संकेत कमजोर

रहे और स्थानीय बाजार में मांग भी कम रही। शुक्रवार (17 जुलाई) को सुबह के कारोबार में एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव सुबह 9:05 बजे के करीब 0.26 प्रतिशत बढ़कर 1,40,718 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। जबकि, चांदी के वायदा भाव 0.23 प्रतिशत गिरकर 2,15,512 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर सोने के भाव में 1 प्रतिशत की गिरावट आई थी, वहीं चांदी के भाव 2 प्रतिशत तक लुढ़क गए थे। अमेरिकी बाजार की बात करें तो सोने की कीमतें इस सप्ताह 3 प्रतिशत से अधिक गिर गई हैं और यह पिछले छह हफ्तों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज करने की ओर बढ़ रही हैं। दुनिया भर में कमजोर आर्थिक संकेतों और स्थानीय मांग में कमी का असर सोने-चांदी की कीमतों पर साफ देखने को मिल रहा है। ईरान-अमेरिका तनाव : फिलहाल सोने और चांदी के लिए सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है। इस तनाव की वजह से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे महंगाई को लेकर डर फिर से पैदा हो गया है। इसी डर से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरें बढ़ाए जाने की आशंका बढ़ गई है। हालांकि सोने को महंगाई से बचाव का एक जरिया माना जाता है, लेकिन जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसकी कीमत गिर जाती है, क्योंकि निवेशक ब्याज देने वाली अन्य सुरक्षित संपत्तियों (जैसे बॉन्ड) की तरफ रुख कर लेते हैं, जबकि सोना कोई ब्याज नहीं देता। भू-राजनीतिक मोर्चे पर रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने शुक्रवार सुबह ईरान पर अपने हवाई हमलों को और बढ़ा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को फिर से पुष्टि की कि ईरान के खिलाफ जारी हमलों में उनके देश की जीत होगी। इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनॉलिस्ट जिगर त्रिवेदी ने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं, जिससे मुद्रास्फीति का दबाव और ब्याज दरों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका ने इस सप्ताह ईरान पर कई हमले किए, जबकि ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिका ईरान के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बना सकता है। इसके जवाब में ईरान ने पड़ोसी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए।

अंबानी के 'देसी स्टारलिंक' को मिली तकनीकी मंजूरी

मस्क को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में जियो

नई दिल्ली, एजेंसी। सैटकॉम के क्षेत्र में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। स्पेस रेगुलेटर ने रिलायंस जियो के लगभग 1,600 लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट तैनात

करने के प्रस्ताव को तकनीकी रूप से सही और स्टारलिंक जैसे ग्लोबल सिस्टम के बराबर माना है। इस मंजूरी के बाद सरकार ऑर्बिटल स्लॉट हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकेश अंबानी की कंपनी को रेगुलेटरी सपोर्ट दे सकती है। कंपनी ने इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन्स यूनियन फाइलिंग और दूसरी कंपनियों के साथ तालमेल बिठाकर ऑर्बिटल अधिकार हासिल करने के लिए सरकार से मदद मांगी थी।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह वैल्यूएशन इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन और डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशन्स (ष्ठश्वञ्ज) के वायरलेस प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन विंग ने किया था। इस बारे में रिलायंस जियो ने सवालों का जवाब नहीं दिया। इससे देश के लिए अपना पहला लोकल लो अर्थ ऑर्बिट कॉन्स्टेलेशन बनाने का रास्ता साफ हो गया है जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक रक्षा जरूरतों के लिए अहम है। अभी इस सेगमेंट में दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का दबदबा है। उसके पास 10,000 से ज्यादा सैटेलाइट हैं। लेकिन जियोपॉलिटिकल टकराव के कारण कई देश विदेशी सैटेलाइट कंपनियों पर निर्भरता कम कर रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा, 'जियो ने जिस तरह की क्षमता की योजना बनाई है, वह भारत के लिए अब तक की सबसे ज्यादा है। कंपनी ने भारत में 4.5-5 टेराबिट प्रति सेकंड थ्रूपुट देने का प्रस्ताव दिया है।' इसकी तुलना में, स्टारलिंक के पास 600 गीगाबिट प्रति सेकंड की मंजूरी है, जबकि ऐमजॉन की योजना भारत में क्षमता रखने की है।

क्या होगा फायदा

एक अन्य सूत्र ने कहा कि जियो कॉन्स्टेलेशन के ऑर्बिटल पैरामीटर, कॉन्फिगरेशन और आर्किटेक्चर भविष्य में किसी अन्य भारतीय कॉन्स्टेलेशन के साथ मिलकर काम करने की सुविधा देते हैं। प्रस्ताव के अनुसार जियो ब्रॉडबैंड, सेल्युलर बैकहॉल जैसी फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विसेज के साथ-साथ डायरेक्ट-टू-डिवाइस जैसी मोबाइल सैटेलाइट सर्विसेज देने की योजना बना रहा है। कंपनी 20-22 ग्राउंड स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। सरकार को दिए गए सुझाव में स्पेस रेगुलेटर ने जियो के प्रस्ताव के फायदे गिनाए हैं। इनमें रणनीतिक रक्षा जरूरतों को पूरा करना और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करना शामिल है। रेगुलेटर का मानना है कि कंपनी को रेगुलेटरी और दूसरी पॉलिसी से जुड़ी मदद दी जानी चाहिए, ताकि भारत को अपना पहला घरेलू, नॉन-जियोस्टेशनरी सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन मिल सके।

लेजर पावर एंड इंफ्रा के शेयर में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गुरुवार को लिस्ट हुई कंपनी लेजर पावर एंड इंफ्रा दूसरे दिन भी धमाल मचाए हुए है। शेयर बाजार की इस नई-नवेली कंपनी के शेयर शुक्रवार को 10 पर्सेंट के उछाल के साथ 289.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्रॉडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी पर अपना दांव बढ़ाया है। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने 2 ट्रांजैक्शंस के जरिए लेजर पावर एंड इंफ्रा के 16.95 लाख शेयर और खरीदे हैं। इस ट्रांजैक्शन की वैल्यू करीब 44.22 करोड़ रुपये है। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने कंपनी के 8.95 लाख शेयर 260.98 रुपये प्रति शेयर के दाम पर खरीदे हैं। वहीं, 8 लाख शेयर 260.75 रुपये प्रति शेयर के दाम पर लिए हैं। लिस्टिंग से पहले कंपनी में निप्पॉन लाइफ की 1.94 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। लेजर पावर एंड इंफ्रा लिमिटेड के शेयर गुरुवार को 25.7 पर्सेंट के फायदे के साथ 269 रुपये पर लिस्ट हुए। कंपनी के शेयर में गुरुवार को 262.85 रुपये पर बंद हुए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 16.8 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 250 रुपये पर लिस्ट हुए और 262.42 रुपये पर बंद हुए। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई में 10 पर्सेंट की तेजी के साथ 288.66 रुपये पर जा पहुंचे हैं। मजबूत लिस्टिंग के बाद मार्केट एनालिस्ट्स मौजूदा निवेशकों को लेजर पावर एंड इंफ्रा में अपना निवेश बनाए रखने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, नए इनवेस्टर्स को एक्सपर्ट्स की सलाह है कि वे मार्केट करेक्शंस के दौरान कंपनी के शेयरों को एक्युमुलेट करें।

क्रूड ऑयल से परेशान ईयू ने बदली नीति, तब भी महंगाई से छुटकारा नहीं, पेट्रोल-डीजल का आज भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल में इन दिनों जो आग लगी हुई है, उससे दुनिया का हर देश परेशान है। यूरोपीय यूनियन ने तो इससे निजात पाने के लिए अलग ही नीति की घोषणा की है। ईयू ने एक इलेक्ट्रिफिकेशन एक्शन प्लान को अनवील किया है। उसमें ऐसा उल्लेख है कि साल 2040 तक उसके एनर्जी खपत में बिजली की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत तक हो जाएगी। मतलब कि क्रूड ऑयल और नेचुरल गैस पर निर्भरता घटेगी। इस खबर के आने के बावजूद कच्चे तेल का बाजार एक बार फिर गर्म हुआ है। लेकिन, भारत में सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शुक्रवार, 17 जुलाई 2026, को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। यहां 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

52 दिनों से बदलाव नहीं

अपने यहां पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद आज 52वां दिन है, जबकि दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

क्रूड ऑयल फिर महंगा

क्रूड ऑयल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव किसी से छुपा नहीं है। इससे दुनिया का हर देश परेशान है। यूरोपीय यूनियन ने तो इससे निजात पाने के लिए अलग ही नीति की घोषणा की है। ईयू ने एक इलेक्ट्रिफिकेशन एक्शन प्लान को अनवील किया है। उसमें ऐसा उल्लेख है कि साल 2040 तक उसके एनर्जी खपत में बिजली की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत तक हो जाएगी। अभी वहां के एनर्जी डिमांड में बिजली की हिस्सेदारी 23 फीसदी ही है। यदि ऐसा हुआ तो उन देशों की क्रूड ऑयल और नेचुरल गैस पर निर्भरता घटेगी। इस खबर के आने के बावजूद कच्चे तेल का बाजार एक बार फिर गर्म हुआ है। शुक्रवार को अरली ट्रेड में भी तेजी ही दिखी। बाजार खुलते समय स्टेंडर्ड माने जाने वाला 0.74 प्रतिशत या 0.62 डॉलर बढ़ कर 84.85 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था।

भारत को भी भुगतने होंगे नतीजे, ग्लोबल ग्रोथ धीमी होकर 2.5 प्रतिशत रह जाने का डर

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ 2026 में धीमी होकर 2.5 प्रतिशत हो जाने के आसार हैं। फिर 2027 में यह बढ़कर 2.8 प्रतिशत हो सकती है। इस दौरान एक्टिविटी में आम तौर पर कमी के बीच भारत की ग्रोथ भी थोड़ी धीमी हो सकती है। यानी उस पर इसका असर पड़ेगा। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट में

यह बात कही गई है। अपनी लेटेस्ट रिपोर्ट 'ग्लोबल आउटलुकः रनिंग हॉट, रनिंग कोल्ड' में मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि ग्लोबल इकोनॉमी एक धीमे दौर में प्रवेश कर रही है। कारण है कि जियोपॉलिटिकल संघर्ष, ट्रेड में रुकावटें और लगातार बनी हुई महंगाई एक्टिविटी पर असर डाल रही हैं। वैसे तो भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बने रहने की उम्मीद है। लेकिन, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ग्रोथ भी थोड़ी धीमी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन्वेस्टमेंट साइकल ग्लोबल मंदी के असर को कम करने वाला सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभरा है। सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा दिया है। साथ ही एशिया की टेक्नोलॉजी-बेस्ड अर्थव्यवस्थाओं में एक्सपोर्ट को भी बढ़ाया है।

ग्लोबल अर्थव्यवस्था के पटरी से उतरने की संभावना कम

रिपोर्ट में कहा गया, 'इस बात की संभावना कम है कि ग्लोबल अर्थव्यवस्था पटरी से उतर जाएगी। लेकिन, बेसलाइन अनुमान को लेकर काफी अनिश्चितता है। हालात तेजी से सुस्ती या मंदी की ओर मुड़ सकते हैं।' इस महीने की शुरुआत में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने 2026 के लिए अपने ग्लोबल ग्रोथ अनुमान को 3.1 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत कर दिया था। तेजी से एआईअपनाने से मिडिल ईस्ट संघर्ष के आर्थिक असर की कुछ हद तक भरपाई हुई है। वर्ल्ड बैंक ने भी 2026 के लिए अपने ग्लोबल ग्रोथ अनुमान को घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दिया था। बैंक ने ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और ईरान संघर्ष से पैदा हुई अनिश्चितता को ग्लोबल अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बाधा बताया था।

व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी ' पर आधारित ' इंडियन स्टैंडर्ड टाइम - डिस्ट्रीब्यूशन डेमॉन्सट्रेशन नेटवर्क' का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने ' व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी ' पर आधारित ' इंडियन स्टैंडर्ड टाइम - डिस्ट्रीब्यूशन डेमॉन्सट्रेशन नेटवर्क' का उद्घाटन किया। बेंगलुरु के जक्कूर स्थित रीजनल रेफरेंस स्टैंडर्ड्स लेबोरेटरी में इसका शुभारंभ हुआ। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे लॉन्च किया। व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी मूल रूप से सर्न की ओर से विकसित बहुत एडवांस तकनीक है। इसका मुख्य उद्देश्य हजारों जुड़े हुए उपकरणों के बीच एक नैनोसेकंड से भी कम समय का सटीक तालमेल स्थापित करना है।

यह तकनीक फाइबर-ऑप्टिक केबल के जरिये डेटा ट्रांसफर के दौरान होने वाली सूक्ष्म देरी या 'लैटेंसी' को पूरी तरह से खत्म कर देती है।

चूंकि सर्न ने इसे ओपन-सोर्स रखा है। इसलिए कोई भी उद्योग या अनुसंधान केंद्र इस हाई-एक्यूरेसी टेक्नीक का इस्तेमाल

अपने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को सिंक्रलाइज करने के लिए स्वतंत्र रूप से कर सकता है।

शुरू करने का क्या है मकसदः इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'वन नेशन, वन टाइम' (एक राष्ट्र एक समय) के महत्वाकांक्षी विजन के तहत यह पहल शुरू की गई है। पूरे भारत में यह एक समान, अत्यधिक सटीक और सुरक्षित समय मानक स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

भारत की आंतरकि सुरक्षा को मजबूती

भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करेगी। यह ग्लोबल 'कोऑर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम' प्रोटोकॉल के अनुरूप काम करती है। मंत्री ने अपनी सोच व्यक्त की कि ये एक समान समय प्रोटोकॉल भारत के भविष्य के तकनीक-संचालित डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता के लिए एक आधार स्तंभ के रूप में काम करेंगे।

हम यहां बाजार जीतने नहीं आए,' 3 लाख का दांव और अब 2 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है मुंबई के रहने वाले अमन सेन की। उन्होंने लीक से हटकर अपना खुद का रास्ता बनाया। कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़कर उन्होंने कारोबार की ओर रुख किया। अपनी मेहनत के दम पर बेहद सफल फूड ब्रांड खड़ा कर दिया। इसका नाम है। सिर्फ 3 लाख के

शुरुआती निवेश से डोंबिवली की एक छोटी सी 10×10 फीट की दुकान से इसकी शुरुआत हुई। आज इसका सालाना टर्नओवर 2 करोड़ रुपये का है। यह फूड स्टार्टअप शुद्ध मक्खन से भरपूर 'बेन्ने डोसा' बेचता है। आइए, यहां अमन सेन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे शुरू हुआ कारोबारी सफरः साल 2016 में 10वीं और फिर साइंस स्ट्रीम से 12वीं करने के बाद अमन सेन ने सेल्स की बुनियादी बातें सीखीं। 'रिच डैड पुअर डैड' किताब पढ़कर बिजनेस की दुनिया की तरफ आकर्षित हुए। मुंबई यूनिवर्सिटी से बीएससी आईटी और फिर बीएमएम की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए कॉल सेंटर में नौकरी की। क्रिकेट कोचिंग में हाथ आजमाया। फिर 'सिनेमैजिक प्रोडक्शंस' नाम से एक सफल वेडिंग और कमर्शियल फोटोग्राफी कंपनी की शुरुआत की। इसी दौरान साल 2022 में बेंगलुरु में एक लग्जरी शादी की शूटिंग पड़ी। इस दौरान उन्होंने वहां के पारंपरिक 'बेन्ने डोसा' का स्वाद चखा। डोंबिवली-कल्याण क्षेत्र में इस असली स्वाद की कमी को भांपते हुए उन्होंने मार्च 2025 में अपने फूड स्टार्टअप की नींव रखी। अमन ने अपनी सेविंग और पिता के आर्थिक सहयोग से करीब 3 लाख रुपये के शुरुआती निवेश से डोंबिवली की एक छोटी दुकान में अपना पहला आउटलेट बनाया। बजट सीमित था। इस कारण उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके खुद ही रेस्तरां का मेनू बोर्ड डिजाइन किया। अमन ने पारंपरिक विज्ञापनों या महंगे इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर पैसे खर्च नहीं किए। इसके बजाय अपनी सिनेमैटोग्राफी की कला का इस्तेमाल किया। दुकान के निर्माण के दौरान के पर्दे के पीछे के वीडियो और संघर्षों को सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू किया। इस रियल कंटेंट ने लॉन्च से पहले ही ग्राहकों में इतना क्रेज पैदा कर दिया कि उद्घाटन के पहले ही दिन दुकान खुलने से पहले 50 से अधिक ग्राहक कतार में खड़े थे।

अडानी का डिफेंस सेक्टर में बड़ा दांवः फ्लाइट सिमुलेशन कंपनी में खरीद ली पूरी हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने फ्लाइट सिमुलेशन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस शेयर खरीद समझौते के तहत मौजूदा शेयरधारकों से बची हुई 44.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदेगी। फिलहाल,ष्ठस्ञ्जरु के पास में 55.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और इस सौदे के पूरा होने के बाद यह बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी, जिससे पूर्ण रूप से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगी।

इस अधिग्रहण का असर की सहायक कंपनी, फ्लाइट सिमुलेशन तकनीक केंद्र प्राइवेट लिमिटेड पर भी पड़ेगा। इस सौदे के बाद प्रभावी स्वामित्व 72.8 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा, जिसके बाद स्नस्ञ्जष्ट भी अडानी ग्रुप की पूर्ण

स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगी। यह कदम अडानी ग्रुप के रक्षा क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, खासकर उड़ान सिमुलेशन और संबंधित तकनीकों के क्षेत्र में। कंपनी ने बताया कि उसे इस लेन-देन की जानकारी 16 जुलाई, 2026 को दोपहर 12:28 बजे प्राप्त हुई थी। इसके बाद कंपनी ने लिस्टिंग नियमों के तहत इस विकास की जानकारी शेयर बाजारों को दे दी है, जिससे निवेशकों को इस महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। हालांकि, इस खबर के बाद शेयर बाजार में कंपनी के शेयर में हल्की गिरावट देखने को मिली। इससे पहले, 7 जुलाई को कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया था कि उसने अपना 15,000 करोड़ रुपये का क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

मुनाफा घाटे में बदला, लेकिन राजस्व में उछाल

कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो अडानी एंटरप्राइजेज को 220.7 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 3,844.9 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। हालांकि, कंपनी का राजस्व साल-दर-साल 20.3 प्रतिशत बढ़कर 26,965.9 करोड़ रुपये से 32,439.3 करोड़ रुपये हो गया। वहीं मामूली 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3,731 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एक साल पहले यह 3,710 करोड़ रुपये था। मार्जिन, हालांकि, पिछले साल के 13.8 प्रतिशत से घटकर 11.5 प्रतिशत रह गया है, जो बढ़ती लागतों का संकेत देता है। एंटरप्राइजेज के शेयर 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4.60 रुपये घटकर 3,146 रुपये पर बंद हुए।

आयोग के एसओपी का करें अनुपालन : उपायुक्त

19 जुलाई को जिले के 66 केंद्रों पर तीन पालियों में होगी झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा

बायोमेट्रिक जांच के बाद ही मिलेगा प्रवेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 का आयोजन 19 जुलाई को जिले के 66 परीक्षा केंद्रों पर तीन पालियों में किया जाएगा। परीक्षा में लगभग 30,600 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर शुक्रवार को शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा की संयुक्त अध्यक्षता में सभी केंद्राधीक्षकों, स्टेटिक दंडाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी रिलैक्स एवं ओवरकॉन्फिडेंट नहीं रहें तथा आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी दंडाधिकारी अपने विवेक का प्रयोग करते हुए परीक्षार्थियों के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखें तथा अनावश्यक दबाव की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दें।

उन्होंने कहा कि एसआईआर-2026 में जिन वॉलंटियर्स की परीक्षा में वीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति की गई है, वे परीक्षा ड्यूटी पूरी करने के उपरांत 20 जुलाई, 2026 से पुनः एसआईआर कार्य में योगदान देंगे।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षार्थियों को बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाए। केंद्राधीक्षक अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित करें तथा सभी प्रतिनियुक्त कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा एवं गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं से राज्य की प्रतिष्ठा जुड़ी होती है। परीक्षा समाप्ति के बाद केंद्राधीक्षक सभी गोपनीय सामग्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक जमा कराना सुनिश्चित करें।

होटल, लॉज एवं कोचिंग संस्थानों पर रहेगी विशेष निगरानी- उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में बाहरी अभ्यर्थियों के जिले में आने की संभावना है। ऐसे में शहरी क्षेत्रों के होटल, लॉज एवं धर्मशालाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि कोई भी संचालक अनुचित रूप से कमरे का किराया नहीं बढ़ाए। साथ ही सुदूर क्षेत्रों में ठहरने वाले अभ्यर्थियों के साथ किसी प्रकार की असुविधा या अनुचित व्यवहार नहीं हो, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है। प्रवेश केवल वैध प्रवेश पत्र एवं निर्धारित फोटो पहचान पत्र के साथ ही दिया जाएगा।

परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के तहत आवश्यक प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू किए जाएंगे।

परीक्षा केंद्रों में रहेंगे सुरक्षा के व्यापक इंतजाम- मौके पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा ने कहा कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने थाना क्षेत्र एवं जिला कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क में रहेंगे। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल जिला कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित- परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी प्रकार के कदाचार अथवा अनुचित गतिविधि पाए जाने पर आयोग के नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुदूरवर्ती केंद्रों तक समय पर पहुंचेंगे प्रश्नपत्र- मौके पर अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र ने निर्देश दिया कि सुदूरवर्ती परीक्षा केंद्रों तक प्रश्नपत्र निर्धारित समय के भीतर पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके लिए ट्रेजरी से सर्वप्रथम दूरस्थ परीक्षा केंद्रों के प्रश्नपत्रों का वितरण किया जाएगा, ताकि वे समय पर संबंधित केंद्रों तक पहुंच सकें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जिले के किसी भी परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग अभ्यर्थियों की पृथक सूची प्राप्त नहीं हुई है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के मद्देनजर

पांच जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा के मद्देनजर निम्नलिखित परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी सं. 08619/08620 रांची-दुमका-रांची अनारक्षित परीक्षा स्पेशल (बोकारो-धनबाद- चितरंजन-जसीडीह-देवघर के रास्ते) - गाड़ी सं. 08619 रांची-दुमका अनारक्षित परीक्षा स्पेशल रांची से दिनांक 19 जुलाई को 20.20 बजे खुलकर अगले दिन 05.30 बजे दुमका पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08620 दुमका-रांची अनारक्षित परीक्षा स्पेशल दुमका से दिनांक 20 जुलाई को 07.45 बजे खुलकर 17.45 बजे रांची पहुंचेगी। जबकि गाड़ी सं. 08103/08104 टाटा-हजारीबाग रोड-टाटा अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल (मुरी-बोकारो-गोमो के रास्ते) - गाड़ी सं. 08103 टाटा-हजारीबाग रोड अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल टाटा से 19 जुलाई को 18.30 बजे खुलकर अगले दिन 01.15 बजे हजारीबाग रोड स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08104 हजारीबाग रोड-टाटा अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल हजारीबाग रोड स्टेशन से दिनांक 20 जुलाई को 02.00 बजे खुलकर 08.15 बजे टाटा पहुंचेगी।

इसी तरह गाड़ी सं. 08624/08623 रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल (मुरी-बोकारो-चन्द्रपुरा- गोमो-हजारीबाग रोड-कोडरमा-गया के रास्ते) - गाड़ी सं. 08624 रांची-पटना परीक्षा स्पेशल रांची से दिनांक 19 जुलाई को 18.30 बजे खुलकर अगले दिन 02.45 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08623 पटना-रांची परीक्षा स्पेशल पटना जं. से 20 जुलाई को 05.30 बजे खुलकर 15.15 बजे रांची पहुंचेगी। जबकि गाड़ी सं. 08604/08603 रांची-गढ़वा रोड-रांची अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल

परीक्षार्थियों को मिलेगी राहत

(लोहरदगा-टोरी-लातेहार-डालटनगंज के रास्ते) - गाड़ी सं. 08604 रांची-गढ़वा रोड जं. अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल रांची से 18 जुलाई को 17.30 बजे खुलकर 23.45 बजे गढ़वा रोड जं. पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08603 गढ़वा रोड-रांची अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल गढ़वा रोड जं. से 19 जुलाई को 01.00 बजे खुलकर 06.15 बजे रांची पहुंचेगी।

ठीक इसी तरह गाड़ी सं. 08602/08601 रांची-गढ़वा रोड-रांची अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल (लोहरदगा-टोरी-लातेहार-डालटनगंज के रास्ते) - गाड़ी सं. 08602 रांची-गढ़वा रोड जं. अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल रांची से 19जुलाई को 19.45 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे गढ़वा रोड जं. पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08601 गढ़वा रोड-रांची अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल गढ़वा रोड जं. से 20 जुलाई को 01.15 बजे खुलकर 06.15 बजे रांची पहुंचेगी। उक्त जानकारी सरस्वती चन्द्र, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

अतिक्रमणकारियों से वसूली गयी 39 हजार जुर्माने की राशि

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से नगर आयुक्त संतोष कुमार के नेतृत्व में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर आयुक्त मौके पर मौजूद रहकर कार्रवाई का नेतृत्व किये। यह अभियान शिवमंदिर चौक से प्रारंभ होकर बड़ी बाजार होते हुए चूड़ी पट्टी एवं पुरानी धर्मशाला होते हुए बनिया टोला चौक तक चलाया गया। इस दौरान सड़क एवं फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमणों को हटाया गया तथा अतिक्रमणकारियों को भविष्य में सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान नगर निगम द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले से कुल 39,000 का जुमार्ना वसूला गया। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ एवं सुगम यातायात के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी। इस अभियान में नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। नगर निगम ने नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की है कि वे सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा नियमों का पालन करते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग दें।

श्रद्धालुओं की सुविधा का होगा विशेष ध्यान

देवघर। विश्व प्रसिद्ध देवघर श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर आसनसोल मंडल के डीआरएम सौरभ मौर्य ने गुरुवार को जसीडीह स्टेशन समेत मेला क्षेत्र के सभी स्टेशनों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों की सुविधाओं से जुड़ी छोटी-बड़ी सभी बातों का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। मेला की तैयारियों को लेकर उन्होंने बताया कि जसीडीह स्टेशन परिसर में श्रद्धालुओं के ठहराव को लेकर 80 हजार वर्ग फीट में पंडाल बन कर लगभग तैयार हो चुका है। पंडाल के आसपास शौचालय, शुद्ध पेयजल और मोबाइल चार्जिंग की सुविधा होगी। वहीं यात्री सुरक्षा को लेकर परिसर में जीआरपी और आरपीएफ के साथ सीसीटीवी कैमरे की पैनी नजर से की जाएगी। परिसर में अत्यधिक भीड़ होने की स्थिति में स्थानीय जिला प्रशासन से मदद ली जाएगी। प्लेटफार्म की क्षमता के पश्चात यात्रियों को बाहर टेंट में रोककर नियंत्रित किया जाएगा। मेला के दौरान सभी गाड़ियों के ठहराव निर्धारित समय से अतिरिक्त समय तक रोकने की व्यवस्था होगी ताकि यात्री सुरक्षित सवार होकर गंतव्य तक जा सके।

स्टील गेट से एसएनएमएमसीएच तक की सड़क अतिक्रमण मुक्त

जाम की समस्या से मिलेगी मुक्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आम जनता को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने आज एक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के तहत स्टील गेट से लेकर शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) जाने वाले मुख्य मार्ग पर सड़क के दोनों ओर किए गए तमाम अवैध कब्जों, अस्थायी दुकानों और खटालों को हटा दिया गया।

उपायुक्त ने कहा कि यह मुख्य मार्ग एसएनएमएमसीएच जाने वाले मरीजों, एम्बुलेंस और आम राहगीरों के लिए बेहद संवेदनशील है। पिछले लंबे समय से सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई जा रही दुकानों और खटालों के कारण यहाँ लगातार जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे एम्बुलेंस के आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हो रही थी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान जनहित और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर चलाया गया है। अस्पताल मार्ग पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से अपील की कि वे सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने में प्रशासन का सहयोग करें। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद इस व्यस्ततम मार्ग पर सड़क पूरी तरह चौड़ी और साफ नजर आने लगी है। इससे वाहनों, विशेषकर आपातकालीन चिकित्सा वाहनों व एम्बुलेंस का आवागमन सुगम हो गया है। जिला प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है कि यदि किसी भी दुकानदार या खटाल संचालक द्वारा इस मार्ग पर दोबारा अतिक्रमण करने का प्रयास किया गया, तो उनके खिलाफ भारी जुमार्ना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर के अन्य व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में भी आने वाले दिनों में इसी तरह का सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। अभियान में धनबाद अंचल के अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार, अंचल निरीक्षक रोशन कुमार के अलावा पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

प्रशिक्षण शिविर आयोजित

कटिहार। सदर अस्पताल सभागार में किशोर शिक्षा एवं किशोर स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर एस सुमन ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण का आयोजन डेप्कू कटिहार सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में कोढ़ा, कटिहार, फलका ,हसनगंज.प्रानपुर ,कदवा एवम मनिहारी प्रखंड के चयनित शिक्षकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इस अवसर पर वाइआरजी केयर बीएसएससी पटना के टेक्निकल एक्सपर्ट अजय कुमार बरनवाल ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया।

हंगामे और तोड़फोड़ ने खोली अस्पताल की सुरक्षा की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। सदर अस्पताल में गुरुवार को प्रसूता की मौत के बाद हुए हंगामे और तोड़फोड़ ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

अस्पताल की सुरक्षा के लिए निजी एजेंसी कमांडो सिक्योरिटीज के माध्यम से महिला एवं पुरुष सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर हर माह लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन घटना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल नजर आई। हंगामे के समय सुरक्षा कर्मी न तो भीड़ को नियंत्रित कर सके और न ही अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचने से रोक पाए। जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल में कमांडो सिक्योरिटीज के 14 सुरक्षा जवान तीन शिफ्टों में 24 घंटे तैनात रहते हैं। प्रत्येक सुरक्षा कर्मी को 12 हजार रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जाता है। इस प्रकार एजेंसी को हर महीने करीब 1.68 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। इसके बावजूद अस्पताल में सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि केवल निजी सुरक्षा एजेंसी के भरोसे अस्पताल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

बता दें कि घटना के समय जनरल ओपीडी की सेवा समाप्त हो चुकी थी। ऐसे में सुरक्षा एजेंसी को हालात की गंभीरता को देखते हुए मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर देना चाहिए था, ताकि आक्रोशित भीड़ अस्पताल परिसर में प्रवेश नहीं कर पाती। इमरजेंसी सेवा के लिए अलग प्रवेश द्वार खुला रखा जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसका फायदा उठाकर भीड़ अस्पताल के भीतर पहुंच गई और जमकर तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हंगामे के दौरान कमांडो सिक्योरिटीज के सुरक्षा कर्मी कहीं नजर नहीं आए और न ही भीड़ को नियंत्रित करने का कोई प्रभावी प्रयास किया गया। इससे सुरक्षा एजेंसी की कार्यशैली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल प्रबंधन डाक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से निजी सुरक्षा एजेंसी पर खर्च कर रहा है। इसके बावजूद यदि अस्पताल परिसर में इस तरह की घटना होती है तो सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहा है। घटना के बाद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। डॉक्टरों ने मांग की है कि अस्पताल में पहले की तरह विशेष पुलिस बल की तैनाती की जाए। उनका कहना है कि सरकारी अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान में प्रशिक्षित पुलिस बल की मौजूदगी ही ऐसी घटनाओं को रोक सकती है।

प्रवासी मजदूर लौट रहे घर

गिरिडीह। झारखंड समेत देश के 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। बीएलओ 30 जून 2026 से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं। यह अभियान 29 जुलाई 2026 तक चलेगा। बीएलओ द्वारा सत्यापन के बाद 5 अगस्त 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित किया जाएगा और 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बीएलओ सत्यापन के दौरान यह चर्चा चल पड़ी है कि जिनका सत्यापन नहीं होगा उनका नाम मतदाता सूची से कट जाएगा। मतदाता सूची से नाम कटने पर नागरिकता छिन जाएगी।

अफवाह के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर घर लौट रहे हैं। वे दूसरे प्रदेशों में काम-धंधा छोड़कर गिरिडीह आ रहे हैं। बड़ी संख्या में गिरिडीह के मजदूर दूसरे प्रदेशों में काम करते हैं। खोरी महुआ अनुमंडल क्षेत्र के कई गांवों के प्रवासी मजदूर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर परदेस में रह रहे लोग भी अपने घर लौटने लगे हैं।

नीट परीक्षा-2026 में गोल का दबदबा

40 से ज्यादा विद्यार्थी हुए सफल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा री-नीट 2026 के परिणाम घोषित किए जाने के बाद गोल संस्थान, धनबाद में सफल विद्यार्थियों के सम्मान में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सफल विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए अपनी खुशी साझा की। री-नीट 2026 के परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच गोल, धनबाद के 40 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षकों को गौरवान्वित किया, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान भी बढ़ाया है। सफल विद्यार्थियों में आर्या पालक (651 मार्क्स), स्नेहल झा (627 मार्क्स), सत्यम (615 मार्क्स), किशन गोयल (607 मार्क्स), अनुराग (605 मार्क्स) एवं मुनमुन (603 मार्क्स) सहित कई छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता के विश्वास, शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास एवं संस्थान के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण को दिया संस्थान के प्रबंध निदेशक विपीन सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और गोल परिवार के सामूहिक प्रयास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही दिशा में किया गया प्रयास ही सफलता का आधार है। गोल धनबाद के सेंटर डायरेक्टर संजय आनंद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके समर्पण और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गोल संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करना भी है। विदित हो कि विगत 25वर्षों से गोल संस्थान, धनबाद कोयलांचल में खास कर मेडिकल तैयारी करने वाले छात्रों के लिए बरदान साबित हो रहा है। गोल संस्थान धनबाद के अकादमिक हेड दीपक कुमार एवं भारती सिन्हा ने कहा छात्रों के सम्मान में 2 अगस्त को प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन समारोह का आयोजन किया जायेगा। गोल परिवार ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की। परिणामों को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने इसे गोल संस्थान की शैक्षणिक परंपरा की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका पर विमर्श

युवा प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चिन्मया विद्यालय, जनवृत 5 में विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका विषय पर युवा प्रबोधन कार्यक्रम बड़ी संख्या में युवा छात्र-छात्राओं की सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। मंचीय परिचय एवं विषय प्रवेश के उपरांत विद्यालय के युवा छात्र-छात्राओं द्वारा विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका विषय पर तैयार अपना वक्तव्य दिया। युवा प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू ने उपस्थित भईया-बहनो को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम प्रबोधन कार्यक्रम के आयोजन हेतु विद्यालय प्रबंधन एवं सभी उपस्थित के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा इस तरह के युवा प्रबोधन कार्यक्रम युवाओं में स्व के मंत्र के साथ अपने नागरिक कर्तव्य के भाव को विकसित करने में निश्चित ही सहायक होगा साथ ही एक दुसरे के प्रति सहयोगात्मक भावना विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। रजीव कमल जी ने आगे बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में अखिल भारतीय स्तर पर जुलाई माह में आयोजित ₹युवा कार्यक्रम₹ की कड़ी में ₹विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका₹ विषय पर ₹युवा प्रबोधन कार्यक्रम₹ में हम सब आज यहां उपस्थित हैं।

संघ के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि है। संघ का उद्देश्य राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना और समाज को एकजुट कर देश की प्रगति में योगदान करना है। उन्होंने वर्ष 1925 में विजयादशमी के अवसर पर महाराष्ट्र के मोहितेबाड़ा में संघ की स्थापना से लेकर आज 100 वर्ष पूर्ण करने तक की गतिविधियों पर क्रमवार विवरण प्रस्तुत करते हुए संघ की संगठनात्मक परंपरा, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के आदर्शों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इनमें 'स्व का भाव' के अंतर्गत आम गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है।

युवा प्रबोधन कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के लिए मार्गदर्शन तैयार करना है कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने भारतीय संविधान में नागरिक कर्तव्य बोध के तहत निहित 11 संवैधानिक कर्तव्य एवं लोकतांत्रिक कर्तव्य का पालन करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में मंच संचालन मीनाक्षी कुमारी द्वारा एवं प्रधानाध्यापक सूरज शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ो युवा युवा छात्र-छात्राओं एवं मुख्य वक्ता रजीव कमल बिट्टू जी के साथ सचिव महेश त्रिपाठी, प्रधानाध्यापक सूरज शर्मा, महानगर कार्यवाह रतन लाल महतो, महानगर प्रचारक सुधीर कुमार आदि के अलावे अनेकों संख्या में शिक्षक-शिक्षिका की उपस्थिति रही।

पुलिस ने किया हत्याकांड का उद्भेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो गांव स्थित बंद पड़ी पत्थर खदान से 26 जून को बरामद युवती दिव्या कुमारी के शव मामले का चतरा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल बिहार के गया जिले के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खरांटी गांव निवासी नेपाली गंझू को गिरफ्तार किया है। मले की जानकारी बुधवार को एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। एसडीपीओ ने बताया कि मृतका दिव्या कुमारी बिहार के डोभी थाना क्षेत्र के अछमा गांव की रहने वाली थी। उसका शेरघाटी थाना क्षेत्र के कुबड़ी गांव निवासी राहुल यादव के साथ प्रेम संबंध था। दोनों के बीच विवाद के बाद दिव्या ने राहुल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जो न्यायालय में लंबित है। पुलिस जांच में सामने आया कि राहुल लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था, लेकिन दिव्या के इनकार करने पर उसने हत्या की साजिश रच डाली।

हाईकोर्ट के आदेश से कर्मियों ने ली राहत की सांस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी की बर्खास्तगी अदालत द्वारा निरस्त कर दी जाती है और नियोक्ता उसके खिलाफ दोबारा विभागीय कार्रवाई पूरी नहीं करता, तो उस कर्मचारी पर नो वर्क, नो पे का सिद्धांत लागू नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि जब कर्मचारी को काम से दूर रखने के लिए स्वयं नियोक्ता जिम्मेदार हो, तब उसे वेतन और अन्य सेवा लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने बैजनाथ महतो की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीसीएल के 24 दिसंबर 2014 के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें उन्हें बकाया वेतन देने से इंकार किया गया था।

अदालत ने सीसीएल को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को वर्ष 1989 से पुनर्बहाली तक का बकाया वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट तथा अन्य सभी सेवानिवृत्ति लाभ छह सप्ताह के भीतर भुगतान किए जाएं। बैजनाथ महतो को वर्ष 1981 में विस्थापित व्यक्ति के रूप में सीसीएल में नौकरी मिली थी। वर्ष 1989 में उनके खिलाफ चोरी का मामला दर्ज होने के बाद उन्हें निलंबित करते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। आपराधिक मुकदमे में वे बरी हो गए। इसके बाद उन्होंने बर्खास्तगी को हाई कोर्ट में चुनौती दी। वर्ष 2009 में हाई कोर्ट ने बर्खास्तगी का आदेश निरस्त करते हुए सीसीएल को तीन माह के भीतर नए सिरे से विभागीय कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया था।

इसके बाद सीसीएल ने वर्षों तक न तो विभागीय कार्रवाई पूरी की और न ही उन्हें सेवा में बहाल किया। बाद में 15 जनवरी 2015 को उनकी पुनर्बहाली की गई और 30 नवंबर 2015 को वे सेवानिवृत्त हो गए। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि जब बर्खास्तगी का आदेश पहले ही निरस्त किया जा चुका था और नियोक्ता समय पर नई विभागीय कार्रवाई पूरी करने में विफल रहा, तो कर्मचारी को वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता।

लॉर्ड्स ODI होगा रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच!

भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच बड़ी खबर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है। उसी बीच अब रोहित शर्मा के करियर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक सेलेक्टर्स और टीम इंडिया के मैनेजमेंट ने अब रोहित शर्मा से आगे बढ़ने का मन बना लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स के मैदान पर रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार यह पता चला है कि भारतीय चयन समिति ने रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर को पिछले हफ्ते ही इसकी जानकारी दे दी थी। इसके मुताबिक चयनकर्ताओं ने अब रोहित के साथ आगे नहीं जाने का मन बनाया है। चयन समिति अब युवाओं को आगे लाना चाहती है। यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को मैनेजमेंट मौका देना चाहता है और आगामी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी करना चाहता है।

कैसा रहा रोहित शर्मा का करियर रिकॉर्ड?

रोहित शर्मा के करियर रिकॉर्ड की बात करें तो वनडे इंटरनेशनल में उन्होंने भारत को एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब दिलाए। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत उनकी कप्तानी में चैंपियन बना। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया उपविजेता भी उनकी कप्तानी में रही थी। रोहित ने वनडे इंटरनेशनल में 278 पारियों में 11731 रन बनाए हैं जिसमें 33 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद भी वह भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मगर फिर भी उनको लेकर लिया गया यह फैसला समझ के परे है।

रोहित शर्मा नहीं हैं खुश!

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्ष्ष्ष्द्ध) के एक सूत्र द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक यह कहा गया, 'चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को यह जानकारी दे दी गै कि वह भविष्य की प्लानिंग में शामिल नहीं हैं। मैनेजमेंट ने इंग्लैंड दौरे के बाद उनसे आगे बढ़ने का मन बना लिया है। हालांकि, वह आगे खेलना चाहते हैं और खासतौर से अपनी फिटनेस पर काम करने के बाद। मगर चयनकर्ताओं ने इस बारे में जानकारी देने के बाद गेंद को रोहित शर्मा के पाले में ही छोड़ दिया और भविष्य पर खुद अंतिम फैसला लेने की बात कही।' रिपोर्ट में यह जानकारी भी सामने आई है कि बीसीसीआई के कुछ अधिकारियों से रोहित शर्मा की बात हुई है। रोहित इस फैसले से नाखुश भी हैं। रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 इंटरनेशनल और पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद शुभमन गिल को वनडे का कप्तान भी बनाया गया था और रोहित से कप्तानी छिन गई थी।

बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने सचिव सैकिया को आईसीसी में नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास ने बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन चुने जाने और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित आईसीसी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस के दौरान सैकिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। आईसीसी बोर्ड ने अपनी सालाना बैठकों के दौरान दो नई सब-कमेटी बनाने को मंजूरी दी, जिसमें सैकिया को नई गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी

गई। वह क्रिकेट साउथ अफ्रीका के मोहम्मद मूसाजी और आईसीसी के स्वतंत्र निदेशक रॉस रिवाज के साथ काम करेंगे। सैकिया को नई फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य भी बनाया गया है, जिसकी अध्यक्षता बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल करेंगे। इस घोषणा के बाद, मन्हास ने इन नियुक्तियों को क्रिकेट प्रशासन में सैकिया के योगदान की पहचान बताया और खेल के वैश्विक विकास में योगदान देने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, मन्हास ने अपने सहयोगी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हाल ही में हुई आईसीसी सालाना कॉन्फ्रेंस में आईसीसी गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य चुने जाने पर बीसीसीआई में मेरे सहयोगी देवजीत सैकिया को बहुत-बहुत बधाई।'

कप्तान यश के 4 विकेट, लक्ष्य का दोहरा शतक

- फिर भी नहीं जीत पाई भारतीय टीम; पहला टेस्ट मैच ड्रॉ

नई दिल्ली। इंडिया अंडर 19 और श्रीलंका अंडर 19 के बीच गॉल में सीरीज का पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला गया। इस मुकाबले में भारत के लिए सागर विर्क ने शतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज मानव कृष्णा ने भी शतकीय पारी खेली। लक्ष्य रायचंदानी का दोहरा शतक आया। तीसरी पारी में कप्तान यशबर्धन चौहान ने चार विकेट लेते हुए भारत

को जीत की महक दिला दी थी, मगर समय कम पड़ गया और भारतीय टीम मैच नहीं जीत पाई। आखिरकार चौथे दिन के अंत तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में भारत की 152 रन की बढ़त को पार करते

हुए 6 विकेट पर 178 रन बना लिए थे। इसी कारण यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मुकाबले में श्रीलंका के लिए भी पहली पारी में सेनुजा ने दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन की पारी खेली थी। अब इंडिया अंडर 19 की टीम के इस श्रीलंका दौरे पर दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच 20 जुलाई से गॉल के इसी मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से हार गई थी।

भारत ने 576 रन बनाकर घोषित की पारी- भारत ने इस मैच में श्रीलंका के पहली पारी में 424 के जवाब में अपनी पहली पारी में 576 रन बनाए। लक्ष्य रायचंदानी ने 207, सागर विर्क ने 134 और मानव कृष्णा ने 100 रनों की पारी खेली। भारत को पहली पारी के आधार पर 152 रन की लीड मिली थी। फिर श्रीलंका की दूसरी पारी में बल्लेबाजी लड़खड़ाई और भारतीय कप्तान ने गेंदबाजी में जलवा दिखाया।

इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

सीरीज 1-1 से बराबर; जो रूट 99 रन पर रहे नाबाद

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला का दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डेंस में खेला गया। इंग्लैंड ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता और सीरीज में 1-1 की बराबरी की।

इस मुकाबले में भारत और जीत के बीच सबसे बड़ी बाधा बने जो रूट जिन्होंने नाबाद 99 रन की पारी खेली। अंत में गस एटकिंसन ने 16 गेंद पर नाबाद 23 रन बनाए।

इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 233 रन पर सिमट गई। अंत में जसप्रीत बुमराह 13 गेंद पर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रेयस अय्यर ने 66 और विराट कोहली ने 65 रनों की पारियां खेली थीं।

इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन को 3-3 विकेट मिले। वहीं साकिब महमूद ने 2 और विल जैक्स व सैम करन को 1-1 सफलता मिली।

भारत के लिए 2 विकेट गुरनूर बराड़ को मिले, जबकि बुमराह, अक्षर, प्रसिद्ध और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज के पहले मैच में भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराते हुए 1-0 की बढ़त बनाई थी। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को भारतीय समय मुताबिक दोपहर 3.30 बजे से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

विराट कोहली का 78वां पचासा

- इंग्लैंड के खिलाफ विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। विराट कोहली का बल्ला लंबे समय तक खामोश नहीं रह सकता है। इसका उदाहरण उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में पेश किया। पहले वनडे में 5 रन पर आउट होने वाले विराट ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में 66 गेंद पर 65 रन की पारी खेली। उनके वनडे करियर का यह 78वां पचासा था। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ विराट का यह सभी फॉर्मेट मिलाकर 33वां फिफ्टी प्लस स्कोर था। जबकि वनडे में 14वां फिफ्टी प्लस स्कोर उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बनाया।

इन दोनों रिकॉर्ड के साथ एक मामले में विराट कोहली ने दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा और दूसरे मामले में दिग्गज विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। जी हां विराट कोहली अब सचिन तेंदुलकर (32) को पीछे छोड़कर इंटरनेशनल क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ 33 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले नंबर 1 भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

कोहली ने की विवियन रिचर्ड्स की बराबरी

विराट कोहली का वनडे इंटरनेशनल में इंग्लैंड के खिलाफ यह 14वां फिफ्टी प्लस स्कोर है। वह वनडे में अंग्रेज टीम के खिलाफ 3 शतक और 11 अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दुनियाभर के बल्लेबाजों की बात करें तो विराट अब 14 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की है। वह इस मामले में अब सिर्फ कुमार संगकारा से ही पीछे हैं।

रोहित-अय्यर के साथ विराट ने पारी को संभाला- विराट कोहली ने 66 गेंद पर 65 रन की उपयोगी पारी टीम इंडिया के लिए खेली। उन्होंने 8 चौके लगाए और रन अ बॉल स्कोर किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ 60 रन की साझेदारी की। वहीं चौथे विकेट के लिए उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ 67 रन जोड़े।

मेसी नंबर 1, एम्बाप्पे अब भी रेस में

फ्रांस और इंग्लैंड के मैच से पलट सकती है तस्वीर; गोल्डन बूट की रेस में रोमांच बरकरार

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने अंतिम मोड़ पर है। सेमीफाइनल के बाद स्पेन और अर्जेंटीना के बीच ग्रैंड फिनाले यानी खिताबी मुकाबला तय हो चुका है। 19 जुलाई को यह मैच खेला जाएगा और न्यू यॉर्क का न्यू जर्सी स्टेडिय इस बेहतरीन मुकाबले का गवाह बनेगा। मगर इस मैच से पहले फ्रांस और इंग्लैंड के बीच एक बेहतरीन मुकाबला होने वाला है। इस मैच में एक बार फिर से किलियन एम्बाप्पे और हैरी केन का जादू दिखने वाला है।

इंग्लैंड और फ्रांस के बीच 18 जुलाई को तीसरे स्थान के लिए मुकाबला होगा। फीफा की भाषा में इसे ब्रॉन्ज फाइनल भी कहा जाता है।

इस मैच से पहले किलियन एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में नंबर 2 पर जरूर हैं लेकिन उनके पास लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका अब भी है। उधर लियोनेल मेसी सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दो बेहतरीन असिस्ट के बाद टॉप पर पहुंच जरूर गए लेकिन एम्बाप्पे का अभी एक मैच बाकी है।

स्पेन के खिलाफ आसान नहीं होगी मेसी की राह

हालांकि, मेसी भी फाइनल में स्पेन के खिलाफ उतरेंगे और कम से कम गोल या असिस्ट तो जरूर करने का माद्दा रखते हैं। मगर इंग्लैंड के खिलाफ 1 या 2 गोल करके मजबूत फ्रांस की टीम के स्ट्राइक एम्बाप्पे गोल्डन बूट पर कब्जा जमा सकते हैं। एम्बाप्पे इस रेस में इसलिए और ज्यादा मजबूत दिख रहे हैं क्योंकि मेसी के सामने फाइनल में स्पेन की टीम है। स्पेन ने इस फीफा वर्ल्ड कप में अपने खिलाफ एक भी गोल अब तक नहीं होने दिया है। ऐसे में मेसी के लिए चीजें आसान नहीं होंगी।

कब और कहां खेला जाएगा फ्रांस बनाम इंग्लैंड मुकाबला?

फ्रांस और इंग्लैंड के बीच फीफा वर्ल्ड कप 2026 का तीसरे स्थान के लिए होने वाला मुकाबला शनिवार, 18 जुलाई 2026 को होगा। यह मैच यह मैच अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी स्टेडियम (मियामी गार्डन्स) में खेला जाएगा। इस मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार (ढ्ढस्ञ्) 18 जुलाई की रात 12 बजे के बाद 19 जुलाई को सुबह 2 :30 बजे (18 जुलाई रात 5 :00 बजे श्वञ्) होगी।

कौन हैं लियोनेल मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो?

नई दिल्ली। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो अब सिर्फ स्टार फुटबॉलर की लाइफ पार्टनर के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान के कारण भी सुर्खियों में हैं। 4 करोड़ से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोवर्स वाली एंटोनेला एक सफल उद्यमी और डिजिटल क्रिएटर हैं। वह बच्चों के कपड़ों के ब्रांड Enfans की सह-संस्थापक हैं और Alo, Tiffany, Lancôme व Anastasia Beverly Hills जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ साझेदारी कर चुकी हैं। तीन बेटों की मां एंटोनेला रोकुजो परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने बिजनेस और सोशल मीडिया करियर को भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही हैं। आइए जानते हैं कि आखिर कौन हैं एंटोनेला रोकुजो और कैसे उन्होंने मेसी की पत्नी से आगे बढ़कर अपनी अलग पहचान बनाई।

4 करोड़ इंस्टाग्राम फॉलोवर्स, 3 बेटों की मां, अपना बिजनेस और बड़े ब्रांड्स से साझेदारी

- **बचपन में हुई थी लियोनेल मेसी से मुलाकात-** एंटोनेला रोकुजो और लियोनेल मेसी अर्जेंटीना के रोजारियो शहर में पले-बढ़े हैं। दोनों की पहली मुलाकात बचपन में एंटोनेला के चचेरे भाई लुकास स्कालिया के जरिये हुई थी। लुकास स्कालिया उस समय न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज क्लब में लियोनल मेसी के साथ खेलते थे। लियोनल मेसी 13 साल की उम्र में स्पेन के बार्सिलोना चले गए, लेकिन एंटोनेला रोकुजो और वह एक दूसरे के संपर्क में बने रहे। बाद में दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। हालांकि, यह ठीक-ठीक पता नहीं है कि दोनों ने कब डेट करना शुरू किया, लेकिन लियोनल मेसी ने 2009 में पुष्टि की थी कि उनकी एक गर्लफ्रेंड है। अगले साल एंटोनेला रोकुजो बार्सिलोना रहने चली गई। कई वर्षों तक रिश्ते में रहने के बाद जून 2017 में लियोनल मेसी और एंटोनेला रोकुजो ने रोजारियो में शादी कर ली।
- **पढ़ाई बीच में छोड़कर चुना अलग रास्ता-** एंटोनेला रोकुजो ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ रोसारियो से ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंसेज में डिग्री हासिल की है। वह डेंटिस्ट बनना चाहती थीं और इसके लिए ग्रेजुएट स्कूल भी गईं। एंटोनेला रोकुजो ने ग्राजिया मैगजीन को बताया था, ''मुझे नहीं पता क्यों, क्योंकि मेरे परिवार में कोई भी डेंटिस्ट नहीं है, लेकिन मैंने हमेशा से इसका सपना देखा था।'' एंटोनेला रोकुजो ने एक साल बाद डेंटिस्ट की पढ़ाई छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें अहसास हुआ कि वह असल में डेंटिस्ट नहीं बनना

दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

45 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर होंगे शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में लोगों को घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापना के सातवें चरण के तहत सरकार 45 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर जल्द जनता को समर्पित करने जा रही है। इन केंद्रों के शुरू होने के बाद दिल्ली में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कुल संख्या बढ़कर 415 हो जाएगी।

बृहस्पतिवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डा. पंकज सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर दिल्ली के हर घर तक बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है। दिल्ली में अब तक 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए जा चुके हैं। इनमें 244 अर्बन सब हेल्थ सेंटर और 126 अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर शामिल हैं। सातवें चरण में 45 नए केंद्र जुड़ने के बाद यह संख्या 415 हो जाएगी। डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य राजधानी में 1,100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का है। इस लक्ष्य के मुकाबले 415 केंद्र पूरे होने के बाद 685 केंद्र स्थापित किए जाने शेष रहेंगे। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को घर के निकट प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और बड़े अस्पतालों पर सामान्य रोगों के उपचार का दबाव कम करना है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, सामान्य बीमारियों का उपचार, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों की जांच एवं प्रबंधन, आवश्यक दवाएं, बुनियादी जांच, स्वास्थ्य परामर्श तथा वेलनेस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन केंद्रों में बीमारी की रोकथाम, शुरुआती पहचान, समय पर जांच और उपचार पर विशेष जोर रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना का लगातार विस्तार कर नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में चरित्र पर शक में खौफनाक वारदात

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतमपुरी क्षेत्र में गुरुवार शाम एक महिला के गले मे कैंची घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केसर जहां के रूप में हुई है। महिला का पति हत्या के बाद से फरार है। आशंका है कि चरित्र पर शक के चलते पति ने ही पत्नी की हत्या की। सीलमपुर थाना ने हत्या का केस दर्ज किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। केसर जहां अपने परिवार के साथ गौतमपुरी में रहती थी। परिवार में पति सलीम, बेटा सुहैल (22), बेटी सानिया है। सलीम बेरोजगार है। सुहैल इलाके में ही एक दुकान पर काम करता है। सोनिया कालेज में पढ़ाई करने के साथ ट्यूशन पढ़ाती है। केसर घर पर कपड़े सिलाई का काम करती थी। सानिया ने पुलिस को बताया कि वह दोपहर को कॉलेज से आई थी। शाम को बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने के लिए पड़ोस में गई थी।

दिल्ली में तीन दिनों तक आंधी-बारिश का अलर्ट, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार- चढ़ाव के बीच शनिवार से सोमवार तक एक बार फिर से दिल्ली में तेज हवाओं संग वर्षा होने का पूर्वानुमान है। शनिवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

तीनों ही दिन 40 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में भी थोड़ी बहुत गिरावट देखने को मिलेगी।

उधर शुष्क मौसम और तीखी धूप के बीच बृहस्पतिवार को भी दिल्ली वासी उमस भरी गर्मी से बेहाल रहे। आलम यह रहा कि 39.2 डिग्री तापमान में महसूस किया जाने वाला तापमान 48.0 डिग्री तक चला गया। हवा लगभग शांत रहने से स्थिति और विकट हुई। बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.0 डिग्री अधिक 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.0 डिग्री अधिक 30.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। हवा में नमी का स्तर 69 से 44 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग की मानें तो शुक्रवार को भी गर्म और उमस वाला मौसम बना रहेगा। बादलों की आवाजाही के बीच तेज धूप निकलेगी व खासी उमस परेशान करेगी।

सक्षिप्त समाचार

महादेव सट्टा एप मामले में फंसे विकास गर्ग को भाजपा ने पार्टी से निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी। महादेव आनलाइन सट्टा एप व स्काई एक्सचेंज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले का आरोपित डा. विकास गर्ग को दिल्ली भाजपा ने पार्टी से निकाल दिया है। वह दिल्ली भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ का संयोजक था। डॉ. विकास गर्ग को अगस्त, 2024 में दिल्ली भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ का संयोजक बनाया गया था। ईडी ने उसे पिछले दिनों गिरफ्तार किया है। उसके बाद से उसे पार्टी से निकाले जाने की बात हो रही थी। वेबसाइट पर आर्थिक प्रकोष्ठ से

उसका नाम हटा दिया गया दिल्ली भाजपा की वेबसाइट पर आर्थिक प्रकोष्ठ से उसका नाम हटा दिया गया है। उसे निकाले जाने की आधिकारिक सूचना मीडिया को नहीं दी गई है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि उसे पार्टी से बाहर कर दिया गया है।

दिल्ली में झुग्गी बस्तियों के गरीब परिवारों को जल्द मिलेंगे फ्लैट

नईदिल्ली, एजेंसी। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने भलस्वा स्थित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आवास परियोजना का निरीक्षण बृहस्पतिवार को किया। उन्होंने जल्द झुग्गी बस्तियों के गरीब परिवारों को जल्द फ्लैट मिलने की बात कही और वहां चल रहे मरम्मत एवं विस्तार कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का कार्य तेजी से पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री की गारंटी को पूरा करने के उद्देश्य से पहले से निर्मित पुराने आवासों का पुन: डिजाइन कर उनका विस्तार किया जा रहा है, ताकि उन्हें आधुनिक मानकों के अनुरूप बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कमरों के आकार, नई फ्लोरिंग तथा अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाए।
ज्ञात हो कि इस परियोजना में 7,400 से अधिक ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल हैं। उन्होंने पूर्व में फरवरी में भी इस परियोजना का दौरा किया था और अधिकारियों को ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के कार्पेट एरिया को बढ़ाकर सुविधाजनक बनाने के निर्देश दिए थे।

एनसीआर में ई-वाहन चार्जिंग बनी जानलेवा

घर में ई-वाहन चार्ज करना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत एनसीआर में बहुमंजिला भवनों या अपार्टमेंट के भूतल या बेसमेंट में बिना उचित सुरक्षा मानकों के ई-वाहन चार्ज करना जानलेवा साबित हो रहा है। बुधवार को नोएडा के सेक्टर-66 में चार मंजिला आवासीय भवन के भूतल पर चार्जिंग के दौरान ई-बाइक में आग लगने से कई लोगों का जीवन संकट में आ गया था। समय रहते 50 से ज्यादा लोगों को निकाल लिया गया लेकिन दो लोगों की जान चली गई।

इस दौरान कई वाहन भी जले। राजधानी दिल्ली में भी इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अनधिकृत और असुरक्षित चार्जिंग प्वाइंट, सस्ते चार्जर और लापरवाही के कारण एनसीआर के रिहायशी इलाकों में इस तरह के हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। चार्जिंग के दौरान आग लगने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नीतिगत और जागरूकता से जुड़ी समस्या भी है।

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के निदेशक जिले सिंह लाकरा का कहना है कि ई-वाहनों में प्रयोग होने वाले लिथियम-आयन बैटरी की आग सिर्फ पानी से नहीं बुझती। इसलिए रिहायशी बहुमंजिला इमारतों में अग्निशामक यंत्र और स्मोक डिटेक्टर का होना बेहद अनिवार्य है। इसमें छोटी सी लापरवाही अपार्टमेंट या बहुमंजिला मकान में रहने वाले लोगों के लिए काल बन सकती है।

राजधानी में कई अनाधिकृत कॉलोनियां हैं जिनमें एक-एक भवन में काफी संख्या में लोग रहते हैं। इन इलाकों में भूतल पर ही लोग ईरिक्शा या अन्य ई-वाहन चार्ज करते हैं। उनका मानना है कि इस तरह की घटना हमें चेतावनी दे रही हैं। अगर नहीं चेते तो इस तरह की हादसे लगातार सामने आ सकते हैं। इसलिए सरकार को मानक चार्जिंग नीति और कंपनियों को ग्राहकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा जागरूकता व्यवस्था लागू करनी चाहिए।

अधिकांश ई-रिक्शा और दोपहिया ई-व्हीकल घरों की सामान्य बिजली लाइन से चार्ज किए जाते हैं, जो लगातार अधिक लोड के लिए नहीं बनी होती। चार्जिंग पाइंट, वायरिंग, प्लग और अर्थिंग अक्सर मानकों के अनुरूप नहीं होते। देश में ई-व्हीकल चार्जिंग के लिए एक समान और अनिवार्य स्टैंडर्ड चार्जिंग नीति का अभाव। बहुमंजिला आवासीय सोसायटी, अपार्टमेंट और टाउनशिप में सुरक्षित चार्जिंग क्षेत्र विकसित नहीं किए गए हैं। सस्ते या स्थानीय चार्जर, एक्सटेंशन बोर्ड और पुरानी या गैर-प्रमाणित बैटरियों का इस्तेमाल किया जाता है। बैट्री प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) में खराबी या उससे छेड़छाड़ भी जोखिम बढ़ाती है। कई कंपनियां वाहन बेचते समय सुरक्षित चार्जिंग के तरीके और सावधानियों की पर्याप्त जानकारी ग्राहकों को नहीं देतीं। ओवरचार्जिंग से बैटरी का तापमान तेजी से बढ़ जाता है। शॉर्ट सर्किट, ढीले कनेक्शन या खराब वायरिंग से चिंगारी निकल सकती है। खराब गुणवत्ता वाली बैटरी या चार्जर तकनीकी खराबी का कारण बनते हैं। बैटरी के भीतर थर्मल रनअवे की स्थिति बनने पर आग तेजी से फैलती है। बंद कमरे, बेसमेंट या कम वेंटिलेशन वाले स्थान पर चार्जिंग से बैटरी अधिक गर्म हो जाती है। दुर्घटना में क्षतिग्रस्त बैटरी का दोबारा उपयोग भी बड़ा जोखिम है।

एक वाहन में लगी आग पास में खड़े अन्य वाहनों तक पहुंचकर बड़े हादसे का रूप ले सकती है, जिससे पूरी पार्किंग, इमारत और लोगों की जान-माल खतरे में पड़ सकती है।

हमारे द्विपक्षीय संबंध अब बेहद मजबूत

अमेरिकी दूत डैन नेग्रेआ बोले- वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश है भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत को कई क्षेत्रों में अग्रणी बताते हुए वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी डैन नेग्रेआ ने कहा कि भारत ने अमेरिका में भारी निवेश किया है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहद शानदार हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक-सामाजिक परिषद में अमेरिकी प्रतिनिधि व राजदूत डैन नेग्रेआ ने कहा, भारत के पास देने के लिए बहुत कुछ है। ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।नेग्रेआ न्यूयॉर्क अमेरिकी उच्च स्तरीय मंच के परिणाम विषय पर एक प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। भारत-अमेरिका दोनों ही देश एक-दूसरे के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण सहयोग में भारत के योगदान पर बोलते हुए नेग्रेआ ने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर देते हुए कहा, भारत के साथ संबंध वाकई बेहतरीन हैं। अमेरिका में भारत की ओर से बड़ा निवेश किया गया है। भारत का कहना है कि हमारे पास अतिरिक्त पूंजी है। हां, हम भारत में विकास कार्यों में निवेश कर रहे हैं, लेकिन हमारे लिए भी निवेश करना फायदेमंद है। इसलिए हम दोनों देश बेहद करीबी सहयोग हैं। मालूम हो कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने और समुद्री सुरक्षा के लिए भारत को एक प्रमुख रक्षा भागीदार मानता है। नेग्रेआ ने कहा, अमेरिकी मकसद सरकारी मदद देना नहीं, बल्कि ऐसे हालात बनाना है जहां निजी क्षेत्र किसी देश में निवेश कर सके। उन्होंने कहा, यदि आप उन देशों को देखें जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उन सभी में कुछ प्रमुख विशेषताएं समान रही हैं। वहां कानून का शासन है और अदालतें भरोसेमंद हैं। उन देशों में निवेशक कानून के तहत पैसा लगा सकते हैं कि निवेश के बाद उन्हें पैसा मिल जाए। नेग्रेआ ने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विकास के ढर्रे को मुक्त बाजार नीतियों, एफडीआई और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यावसायिक साझेदारियों की ओर ले जाने के अमेरिकी दृष्टिकोण को रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के इतर अमेरिकी मिशन द्वारा आयोजित ट्रेड ओवर एड फोरम में विकासशील देशों में निवेश के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने अंतरराष्ट्रीय संगठनों को साथ लाने की बात कही और सहायता के बदले व्यापार की नई नीति पर जोर दिया।

पाकिस्तान को आतंकवाद पर सख्त संदेश

पाकिस्तान को अमेरिकी सहायता और इस्लामाबाद द्वारा आतंकवादी संगठनों को पनाह देने की चिंताओं नेग्रेआ ने दो टूक कहा कि जहां शांति और सुरक्षा नहीं होती, वहां विकास नहीं हो सकता। यदि किसी देश की नीतियां ऐसी हैं जो घरेलू अशांति पैदा करती हैं या पड़ोसियों के साथ टकराव बढ़ाती हैं, तो वहां कोई निवेश नहीं होगा। सामान्य तौर पर हमारी सोच इसी भावना पर आधारित है।

गिरफ्तारी वारंट कब जारी हुआ?

ऑपरेशन हार्ड बॉल: गैंगस्टर नीतीश कौशल अमेरिका में गिरफ्तार, एफबीआई ने अपनी मोस्ट वांटेड लिस्ट में किया था शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (बीबीआई) ने गुरुवार को एक घोषणा की। पंजाब स्थित भगवानपुरिया गिरोह से जुड़े नीतीश कौशल को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने वर्मोंट में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' के नाम से जाने अभियान के तहत किया गया है। बता दें कि यह गिरफ्तारी भारत से जुड़े तीन संगठित अपराध समूहों के 15 सदस्यों की अमेरिका में गिरफ्तारी के कुछ हफ्तों बाद हुई है। अमेरिकी अधिकारियों की ओर से बिश्नोई, भगवानपुरिया और ढांडा संगठिक अपराध समूहों के गतिविधियों के संबंध में 34 व्यक्तियों का नाम जारी किया। कौशल का नाम उन 11 के सूची में शामिल था, जो या तो फरार थे या अमेरिकी अधिकारियों की हिरासत में नहीं थे। रैकेटियर इन्फ्लुएंस एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशन्स कॉन्स्पिरेसी (आरआईको) के आरोप में उन पर मुकदमा चलाया गया, जिसके बाद 25 जून को कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी जिला न्यायालय में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया।

एफबीआई ने अपनी वेबसाइट पर बताया, 'कौशल एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है, जो हत्या, अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे काम में शामिल है। यह संगठन, जिसे जगगु भगवानपुरिया संगठित अपराध समूह (भगवानपुरिया ओसीजी) के नाम से जाना जाता है। यह भारत के पंजाब राज्य में उत्पन्न हुआ और कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट और अन्य जगहों पर सक्रिय था। कौशल पर भगवानपुरिया ओसीजी की ओर से हिंसा की घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है, जिनमें अपहरण और हमले शामिल हैं।' अमेरिकी अधिकारियों की ओर से आरोपित अधिकांश व्यक्तियों को संघीय जेल में 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की अनिवार्य न्यूनतम सजा है। वहीं, संघीय जेल में आजीवन कारावास की वैधानिक अधिकतम सजा का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, भगवानपुरिया गिरोह की शुरुआत पंजाब में 38 वर्षीय जगगु भगवानपुरिया के नेतृत्व में हुई थी, जो वर्तमान में भारत में जेल में बंद है। भगवानपुरिया, लॉरेंस बिश्नोई का पूर्व सहयोगी था, जो बाद में उसका प्रतिद्वंद्वी बन गया। बिश्नोई का गिरोह ऑपरेशन हार्ड बॉल में हुई गिरफ्तारियों का मुख्य केंद्र था। वही, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि भगवानपुरिया गिरोह में विश्व स्तर पर 1000 से अधिक सदस्य और सहयोगी हैं।

एक मिस्ड कॉल ने बदल दी इंजीनियर की किस्मत, अमेरिका में खड़ी की 8300 करोड़ की एआई कंपनी

वाशिंगटन, एजेंसी। हम अक्सर अपने फोन पर आने वाली मिस्ड कॉल को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन भारतीय मूल के एक युवा इंजीनियर ने इसी साधारण सी दिखने वाली समस्या को 8,300 करोड़ रुपये (1 बिलियन डॉलर) के बिजनेस में बदल दिया है। अपूर्व श्रीवास्तव, जिन्होंने अपनी सूझबूझ और तकनीकी कौशल से अवोका नाम की कंपनी खड़ी की है, आज दुनिया भर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

अपूर्व की इस कामयाबी का सफर दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से शुरू हुआ। वहां कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उन्होंने कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बारीकियों को समझा। दिलचस्प बात यह है कि उनकी मुलाकात अपने बिजनेस पार्टनर टायसन चेन से एक पोकर नाइट के दौरान हुई थी। दोनों ने महसूस किया कि अपनी तकनीकी जानकारी से वे दुनिया की एक वास्तविक समस्या को हल कर सकते हैं और साल 2022 में अवोका की शुरुआत हुई।

बचपन के अनुभवों से आया बड़ा आइडिया

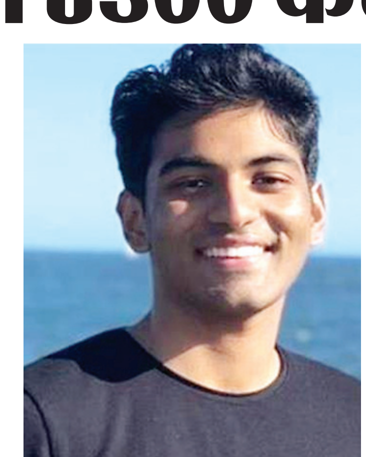

इस स्टार्टअप का विचार अपूर्व को अपने बचपन के अनुभवों से मिला। मिशिगन में उनके माता-पिता एक छोटा बिजनेस चलाते थे। अपूर्व ने देखा कि जब भी कोई ग्राहक कॉल करता और वह मिस हो जाती, तो ग्राहक तुरंत किसी दूसरे दुकानदार के पास चला जाता था। उनके दोस्त टायसन की मां के क्लिनिक में भी यही समस्या थी। उन्होंने महसूस किया कि छोटे व्यवसायों के लिए एक मिस्ड कॉल का मतलब हजारों रुपये का नुकसान है।

इंसानों की तरह बात करता है यह एआई वॉइस एजेंट

आधुनिक एआई वॉइस एजेंट्स बनाती है जो हूबहू इंसानों की तरह बात करते हैं। यह तकनीक विशेष रूप से प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और मैकेनिक जैसे घरेलू कामकाजी क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। जैसे ही कोई ग्राहक फोन करता है, यह एआई तुरंत जवाब देता है, लाइव कैलेंडर चेक करके अपॉइंटमेंट बुक करता है।

भूकंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 5.9 रही तीव्रता, सुनामी का अलर्ट

अनाउ शहर, एजेंसी। न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड में गुरुवार (16 जुलाई 2026) को आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने हड़कंप मचा दिया है। भूकंप के केंद्र की पहचान ते अनाउ शहर से लगभग 42 किलोमीटर नॉर्थ-नॉर्थ वेस्ट में की गई है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद प्रशासन ने विनाशकारी सुनामी का अलर्ट जारी किया है और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से तुरंत ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। भूकंप के तेज झटके क्वीन्सटाउन, मिलफोर्ड साउंड और पूरे साउथलैंड क्षेत्र में महसूस किए गए। गनीमत यह रही कि फिलहाल किसी भी व्यक्ति के हताहत होने या इमारतों के बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है, लेकिन राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने स्थिति को गंभीर बताते हुए चेतावनी जारी की है। मिलफोर्ड साउंड से पुइसेगुर पॉइंट तक के तटीय इलाकों को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि आपने एक मिनट से अधिक समय तक झटका महसूस किया है या झटका इतना तेज था कि खड़ा होना मुश्किल हो रहा था, तो सायरन बजने का इंतजार न करें और तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। चेतावनी में कहा गया है कि अगले कुछ घंटों तक समुद्र में अजीब और खतरनाक लहरें उठ सकती हैं। लोगों को समुद्र तटों और जलमार्गों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जब तक सिविल डिफेंस की ओर से सुरक्षित होने का संकेत न मिले, तब तक खाली किए गए इलाकों में वापस न लौटने के निर्देश दिए गए हैं।

बीजीएच के ब्लड सेंटर में अत्यंत दुर्लभ 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' की पहचान

यह दुर्लभ रक्त समूह वैश्विक स्तर पर प्रति 40 लाख लोगों में से किसी एक में पाया जाता है

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र संचालित बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के ब्लड सेंटर में नैदानिक सतर्कता एवं जांच के दौरान एक अत्यंत दुर्लभ रक्त समूह 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' की पहचान की गई है। ब्लड सेंटर में विशेष जांच, क्रॉस मैचिंग और एंटीजन टेस्ट के बाद इस विशिष्ट रक्त समूह की आधिकारिक पुष्टि की गई। चिकित्सकों के अनुसार, बॉम्बे ब्लड ग्रुप (जिसे ओ-एच या एच-एच ग्रुप भी कहा जाता है), दुनिया के सबसे दुर्लभ रक्त समूहों में से एक है। वैश्विक स्तर पर यह प्रति 40 लाख लोगों में से किसी एक में पाया जाता है, जबकि भारत में इसकी आवृत्ति लगभग 10,000 व्यक्तियों में से एक में होती है। इस अनोखे रक्त समूह की खोज पहली बार वर्ष 1952 में तत्कालीन बॉम्बे (अब मुंबई) में की गई थी, जिसके कारण इसका नाम 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' पड़ा। बीजीएच के चिकित्सकों ने रक्त समूह की जटिलताओं और विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अधिकांश लोग अ, इ, अइ और ड ब्लड ग्रुप तथा उनके पॉजिटिव और नेगेटिव प्रकारों से ही परिचित हैं। इस बॉम्बे ब्लड ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सामान्य 'ओ' ब्लड ग्रुप की तरह दिखने के बावजूद 'एच' (ल) एंटीजन मौजूद नहीं होता है। इस कारण इस ग्रुप के मरीजों को केवल बॉम्बे ब्लड ग्रुप का ही खून चढ़ाया जा सकता है और उन्हें ड पॉजिटिव या ड नेगेटिव रक्त नहीं दिया जा सकता। यदि अनजाने में ऐसा रक्त चढ़ा दिया जाए तो गंभीर एवं जानलेवा रक्ताघात प्रतिक्रिया (हेमोलिटिक ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन) हो सकती है। बीजीएच के प्रमुख डॉ. बी.बी.करुणामय तथा लैब सर्विसेज एवं ब्लड सेंटर प्रभारी डॉ अनिंदो मंडल के मार्गदर्शन में बीजीएच ब्लड सेंटर के प्रभारी उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कुमार अनिमेष और उनकी टीम ने एक रक्तदाता के दुर्लभ ब्लड ग्रुप की जानकारी को अपने रिकॉर्ड में सुरक्षित कर लिया है, ताकि भविष्य में किसी भी आपातकालीन स्थिति में बॉम्बे ब्लड ग्रुप के मरीज की जान बचाने के लिए उनसे तत्काल संपर्क किया जा सके। इस अत्यंत महत्वपूर्ण मामले की पहचान के बाद, अस्पताल प्रबंधन अब संबंधित परिवार के अन्य सदस्यों की भी व्यापक स्क्रीनिंग (फैमिली स्क्रीनिंग) कर रहा है, क्योंकि यह एक आनुवंशिक (जेनेटिक) लक्षण है। दुर्लभ ब्लड ग्रुप की पहचान बोकारो जनरल अस्पताल की अत्याधुनिक नैदानिक क्षमताओं, विशेषज्ञता और उत्कृष्ट चिकित्सा मानकों को दर्शाती है। ब्लड सेंटर की यह सतर्कता और सटीक डायग्नोसिस न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता एवं रोगी सुरक्षा के प्रति संयंत्र के संकल्प को रेखांकित करती है, बल्कि इस क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में चिकित्सा जगत में बोकारो जनरल अस्पताल की विश्वसनीयता को और सुदृढ़ भी करती है।

डीसी -डीडीसी ने चास प्रखंड के चाकुलिया गांव में मनरेगा एवं आवास योजनाओं का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चास प्रखंड अंतर्गत चाकुलिया ग्राम का भ्रमण कर बीबी-जीरामजी (मनरेगा) एवं अबुआ आवास योजना सहित विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मनरेगा के तहत निर्मित बीरसा सिंचाई कूप का अवलोकन किया। यह सिंचाई कूप लाभुक विंदेश्वर गोराई के नाम से स्वीकृत है। मौके पर उन्होंने लाभुक की धर्मपत्नी श्रीमती नेहाली देवी से सिंचाई कूप के उपयोग, धान की रोपाई तथा कृषि कार्यों की जानकारी ली। उपायुक्त ने उपलब्ध सिंचाई संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर कृषि उत्पादन बढ़ाने की सलाह दी। भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने सिंचाई कूप के समीप स्थित परती भूमि का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी चास प्रदीप कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी (बीबी-जीरामजी) को संबंधित रैयत से समन्वय स्थापित कर उक्त भूमि पर आम बागवानी विकसित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भूमि का समुचित उपयोग हो तथा ग्रामीणों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान चाकुलिया गांव के मुर्तिटांड़ टोला में बीबी-जीरामजी (मनरेगा) लाभुकों का डीसी - डीडीसी की उपस्थिति में दर्जनों लाभुकों का केवाईसी पूरा किया। इसके पश्चात डीसी - डीडीसी ने गांव में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुक जुरामनी देवी से आवास का रंग-रोगन कराने तथा उसके नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। साथ ही, बीबी-जीरामजी (मनरेगा) के तहत निर्मित परिसंपत्तियों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चाकुलिया के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच उपायुक्त ने किया एसआइआर-2026 कार्यों का निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने चास प्रखंड की चाकुलिया पंचायत अंतर्गत मूतीटांड़ टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर)-2026 के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने बीएलओ बबीता कुमारी से प्राप्त गणना प्रपत्रों तथा उनके डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण करने तथा एएसडीडी सूची समय पर तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही कार्य की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सभी चरणों का निष्पादन निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से किया जाए, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य निर्धारित समय में पूरा हो सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, प्रखंड विकास पदाधिकारी, चास प्रदीप कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में 37 आवेदन प्राप्त, उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित हम आपको सुनते है (लोक संवाद) के तहत शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़ी समस्याओं के संबंध में कुल 37 आवेदन प्रस्तुत किए। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया

तथा उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। प्राप्त आवेदनों में भूमि एवं राजस्व, अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, राशन कार्ड, पेयजल, विद्युत, आवास, सड़क तथा अन्य जनहित से जुड़े विषय शामिल रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम का उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा शासन-प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद एवं विश्वास को और अधिक मजबूत बनाना है। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित कर आवेदकों को यथाशीघ्र राहत प्रदान करें। मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, डीपीआरओ रवि कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी सुचिता किरण, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ता भवन के लिये उपायुक्त से मिला प्रतिनिधिमंडल

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अधिवक्ता संघ बेरमो तेनुघाट के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा और महासचिव वकील प्रसाद महतो ने बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा से मुलाकात की। उन्होंने उपायुक्त से बोकारो जिला कार्यालय में अधिवक्ता संघ के भवन निर्माण के लिये जमीन आवंटन के अनापति प्रमाण पत्र के संबंध में बातचीत की। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द जमीन आवंटन के लिए आश्वस्त किया है। श्री महतो ने बताया कि जिला में जो अधिवताओ के लिये भवन निर्माण का कार्य किया जा रहा हैं। वहीं संवेदक को तेनुघाट में भी निर्माण कार्य करना है। संवेदक का कहना है कि जल्द जमीन उपलब्ध हो जाय तो दोनों जगहों का निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। वहीं मालूम हो की तेनुघाट में जितने भी जमीन है वे तेनुघाट जल संसाधन विभाग का है। इस लिये कोई भी काम करने से पहले जल संसाधन विभाग की अनापति प्रमाण पत्र लेना पड़ता है।

झारखंड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत निःशुल्क पंजीकरण अभियान शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा झारखंड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 तथा सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत विशेष निःशुल्क निबंधन अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत मार्च 2027 तक राज्य के लगभग 52 लाख असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में बोकारो जिले के लिए मार्च 2027 तक 2,89,972 असंगठित श्रमिकों के निबंधन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रतिमाह 32,219 श्रमिकों का निबंधन किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में विशेष निःशुल्क पंजीकरण शिविर आयोजित कर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उप श्रमायुक्त, बोकारो रंजीत कुमार ने बताया कि जिले के सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को क्षेत्रवार लक्ष्य निर्धारित कर नियमित पंजीकरण शिविर आयोजित करने, पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र असंगठित श्रमिकों का निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक पात्र श्रमिक तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे असंगठित श्रमिक, जो स्वरोजगार अथवा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत नहीं हैं, वे श्रमाधान पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क ऑनलाइन निबंधन करा सकते हैं।

पंजीकरण के बाद मिलेंगे कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

पंजीकरण के उपरांत पात्र असंगठित श्रमिकों को राज्य सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से -

- मातृत्व सहायता योजना के तहत प्रथम दो प्रसव पर प्रति प्रसव ₹15,000 की सहायता।
- मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना के तहत प्रत्येक तीन वर्ष में ₹5,000 की सहायता।
- साइकिल सहायता योजना के तहत ₹7,000 की सहायता।
- सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत पात्र महिला श्रमिकों को प्रशिक्षण उपरांत ₹6,000 की सहायता।
- अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत सामान्य मृत्यु पर ₹15,000 तथा कार्यस्थल दुर्घटना/व्यावसायिक रोग से मृत्यु पर ₹25,000 की सहायता।
- झारखंड असंगठित कर्मकार मृत्यु/दुर्घटना सहायता योजना के तहत सामान्य मृत्यु पर ₹50,000 तथा दुर्घटना से मृत्यु अथवा पूर्ण दिव्यांगता पर ₹1,00,000 की सहायता।
- कौशल उन्नयन योजना के तहत निबंधित श्रमिक अथवा उनके पुत्र/पुत्री को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण।
- विवाह सहायता योजना के तहत पात्र महिला श्रमिक अथवा श्रमिक की पुत्री के विवाह के लिए ₹30,000 की सहायता।
- उपचार आजीविका सहायता योजना के तहत अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि के अनुसार अधिकतम 40 दिनों तक मजदूरी के बराबर सहायता राशि।

इन दस्तावेजों के साथ कराएं निःशुल्क पंजीकरण

उप श्रमायुक्त ने जिले के सभी असंगठित श्रमिकों, घरेलू कामगारों, कृषि श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों, रिक्शा एवं ई-रिक्शा चालकों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मियों, स्वरोजगार से जुड़े श्रमिकों तथा अन्य पात्र असंगठित कर्मकारों से अपील की है कि वे अपने निकटतम पंजीकरण शिविर अथवा श्रम विभाग कार्यालय में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नामिनी का आधार कार्ड, नामिनी की बैंक पासबुक तथा मोबाइल नंबर के साथ पहुंचकर निःशुल्क पंजीकरण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के बाद पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवारों को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, जिससे उनके सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को सुरक्षा मिलेगी। सभी योजनाओं का लाभ श्रमाधान पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। उप श्रमायुक्त ने जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, प्रतिष्ठानों, श्रमिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से भी अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है, ताकि मार्च 2027 तक जिले में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पात्र असंगठित श्रमिकों का निबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री पशुधन योजना पर सियासी रार, जेएमएम ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के चंदनकियारी प्रखंड में 'मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना' को लेकर जारी राजनीतिक घमासान और बयानबाजी अब एक बेहद दिलचस्प मोड़ पर आ खड़ी हुई है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह खबर सुर्खियों में थी कि पशुपालन विभाग और संबंधित वेंडरों द्वारा ब्रॉयलर, सूकर, लेयर और बकरा विकास योजनाओं में निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभार्थियों को लाभ नहीं दिया गया है।

इन गंभीर आरोपों के बाद से ही पूरे क्षेत्र के राजनीतिक हलकों में चचाओं का बाजार गर्म था, और विभागीय कार्रवाई न होने पर कई सवाल उठ रहे थे। इस पूरे मामले पर सत्तापक्ष का रुख बेहद आक्रामक है। सत्तापक्ष का मानना है कि यह विभाग को बदनाम करने और सरकार की छवि खराब करने के लिए एक सोची-समझी चाल के तहत किया जा रहा कुत्सित प्रयास है। इसी सिलसिले में, बीते कल जेएमएम युवा मोर्चा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जेएमएम युवा मोर्चा ने साफ शब्दों में इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। लेकिन, इस पूरे विवाद में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब मुख्य लाभार्थियों ने ही अपने बयान बदल दिए। संथाल लाघला गांव की लाभार्थी लखी देवी और सिमुलिया गांव की लाभार्थी रूबी देवी, जिन्होंने पहले मीडिया के सामने आकर योजना में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे, अब अपने बयानों से पीछे हटती नजर आ रही हैं। लाभार्थियों का अब नया और चौंकाने वाला दावा है कि उनसे बहला-फुसलाकर और दबाव बनाकर वह बयान दिलवाया गया था। लाभार्थियों के इस यू-टर्न ने इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है।

दहेज हत्या के आरोपी पति को दस साल का सश्रम कारावास

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी की अदालत ने दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति ग्राम झुमरा निवासी दीपक महतो को दोषी पाने के बाद दस साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। बताते चले कि रांची खेलगांव थाना ग्राम गाडी होटवार निवासी अजय महतो ने बताया था कि उसकी बहन सुनीता कुमारी की शादी 10/5/22 को अभियुक्त दीपक महतो के साथ हुई थी।
शादी के बाद एक महीने तक ठीक से ससुराल में रही, मगर उसके बाद उसे दहेज के लिए शारीरिक एवं मानसिक प्रतड़ना अभियुक्त के द्वारा दिया जाने लगा। दहेज के लिए मेरे बहनोई उसके दोनों भाई और गोतिनी मेरी बहन के साथ लड़ाई झगड़ा कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। फिर 29 मार्च 2024 को मेरी बहन की गोतनी का फोन आया कि आपकी बहन की हालत काफी खराब है, हॉस्पिटल लेकर गए हैं और फोन काट दिया। उसके आधे घंटे बाद फोन कर बताया गया कि आपकी बहन दुनिया में नहीं रही। तब मैं अपने परिवार एवं गांव के कुछ लोगों के साथ अपनी बहन सुनीता कुमारी के ससुराल गए। जहां पर थाना पर काफी भीड़ लगा था तो देखा कि मेरी बहन सुनीता कुमारी सफेद बोलरों के बीच वाली सीट पर मृत अवस्था पर पड़ी है। शव देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि मेरी बहन सुनीता कुमारी को बहनोई दीपक महतो, भैसुर सुरेन्द्र महतो, प्रकाश महतो, गोतनी सरिता देवी, मुनिया देवी, ननद देवंती देवी, फुलासो देवी, अंजू देवी, बिमला देवी, सास पनवा देवी ने षड्यंत्र कर मार दिया। उक्त बयान के आधार पर जागेश्वर बिहार में थाना कांड क्रमांक 7/24 दर्ज किया गया। न्यायालय में उपलब्ध गवाह एवं दोनों पक्षों के अधिवक्ता के बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त दीपक महतो को पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने के आरोप में दोषी पाने के बाद दस वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। सजा सुनाई जाने के बाद अभियुक्त दीपक महतो को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सर्वेश आनंद सिंह ने बहस की।

एमआईआर अभियान के तहत 18 एवं 20 जुलाई को शहरी क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिले के शहरी क्षेत्रों (चास नगर निगम/बोकारो स्टील सिटी) में 18 जुलाई 2026 (शनिवार) एवं 20 जुलाई 2026 (सोमवार) को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर वैसे मतदाताओं के लिए है जिन्होंने अब तक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं किया है, वे लोग जरूर शिवर में शामिल होकर अपना गणना प्रपत्र प्राप्त कर शिविर में ही जमा करें। वहीं, ऐसे मतदाता जिन्होंने गणना प्रपत्र प्राप्त किया है और अब तक गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वह शीघ्र गणना प्रपत्र भरकर आयोजित विशेष शिविर में जमा करें। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन विशेष शिविरों के दौरान संबंधित मतदान केंद्रों पर नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) निर्धारित समय तक उपस्थित रहेंगे। मतदाताओं को निर्धारित प्रपत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने तथा आवेदन जमा करने में भी सहायता प्रदान की जाएगी।

व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश

डीईओ सह डीसी ने संबंधित ईआरओ - एईआरओ को निर्देश दिया है कि विशेष शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि शहरी क्षेत्रों के अधिक से अधिक नागरिक इसकी जानकारी प्राप्त कर समय पर अपने मतदान केंद्र पहुंच सकें।

'विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका' विषय पर युवा प्रबोधन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी में 'विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका' विषय पर युवा प्रबोधन कार्यक्रम, बड़ी संख्या में भईया-बहनो की सहभागिता के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। मंचीय परिचय एवं विषय प्रवेश के उपरांत विद्यालय के भईया-बहनों द्वारा विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका विषय पर तैयार अपना वक्तव्य दिया। युवा प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू ने उपस्थित भईया-बहनो को संबोधित करते हुए कहा कि जिसमें देश हित हेतु नवाचार की योजना है एवं जो भारत केंद्रित विचार रखता है वही युवा है। आज आवश्यकता है युवाओं के अंदर स्व का भाव जागृत कर उनके अंदर स्वाभिमान और स्वावलंबन की भावना विकसित करना। ताकि सभी के प्रयासों से भारत पुणः विश्व गुरु के पद पर आसीन हो सके। इस तरह के युवा प्रबोधन कार्यक्रम युवाओं में स्व के मंत्र के साथ अपने नागरिक कर्तव्य के भाव को विकसित करने में निश्चित ही सहायक होंगे। साथ ही एक दुसरे के प्रति सहयोगात्मक भावना विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। बिट्टू जी ने आगे बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष

के निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में अखिल भारतीय स्तर पर जुलाई माह में आयोजित 'युवा प्रबोधन कार्यक्रम' की कड़ी में 'विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका' विषय पर 'युवा प्रबोधन कार्यक्रम' के तहत हम सब आज यहां उपस्थित हैं। हमारे लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि हो। हमारा उद्देश्य राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना और समाज को एकजुट कर देश की प्रगति में योगदान करना है। संघ शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तारन से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इस पांच परिवर्तन में 'स्व का भाव' के अंतर्गत अपने गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है। युवा प्रबोधन कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के लिए सही मार्गदर्शन तैयार करना है। हम संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों को आत्मसात करते हुए देश हित में कार्य करें।

कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भारतीय संविधान अनुच्छेद 51(1) में वर्णित 11 मौलिक कर्तव्य एवं लोकतांत्रिक कर्तव्य का स्वेच्छा से पालन करने की शपथ ली। मंच संचालन विद्यालय के आचार्य जितेंद्र मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार ने किया। कार्यक्रम में कक्षा नवम से द्वादश तक के कुल 219 भैया-बहनों के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत प्रधानाचार्य, महानगर कार्यवाह रतन लाल महतो, मधुसूदन गोपालन, कौशल किशोर राय,अशोक कुमार, महानगर प्रचारक सुधीर कुमार, मोहित कुमार के साथ-साथ विद्यालय के आचार्य और दीदी जी उपस्थित रहे।

चैंबर ने वाहनों की आरसी जारी नहीं होने की जानकारी परिवहन मंत्री को दी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा को पत्र के माध्यम से बोकारो जिले में पिछले कई महीनों से नए वाहनों का निबंधन प्रमाण-पत्र जारी नहीं होने की गंभीर समस्या से अवगत कराया है। चैंबर ने अपने पत्र में कहा है कि जिला परिवहन कार्यालय द्वारा सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी का हवाला दिया जा रहा है, जिसके कारण वाहन मालिकों को समय पर आरसी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस स्थिति से नए वाहन खरीदने वाले आम नागरिकों, व्यापारियों एवं ट्रांसपोर्टरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी एवं महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने परिवहन मंत्री से मांग की है कि बोकारो जिले सहित झारखंड के सभी प्रभावित जिलों में सॉफ्टवेयर की तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए, ताकि वाहनों का निबंधन प्रमाण-पत्र शीघ्र जारी हो सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com